हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, बुधवार 25 दिसंबर 2024

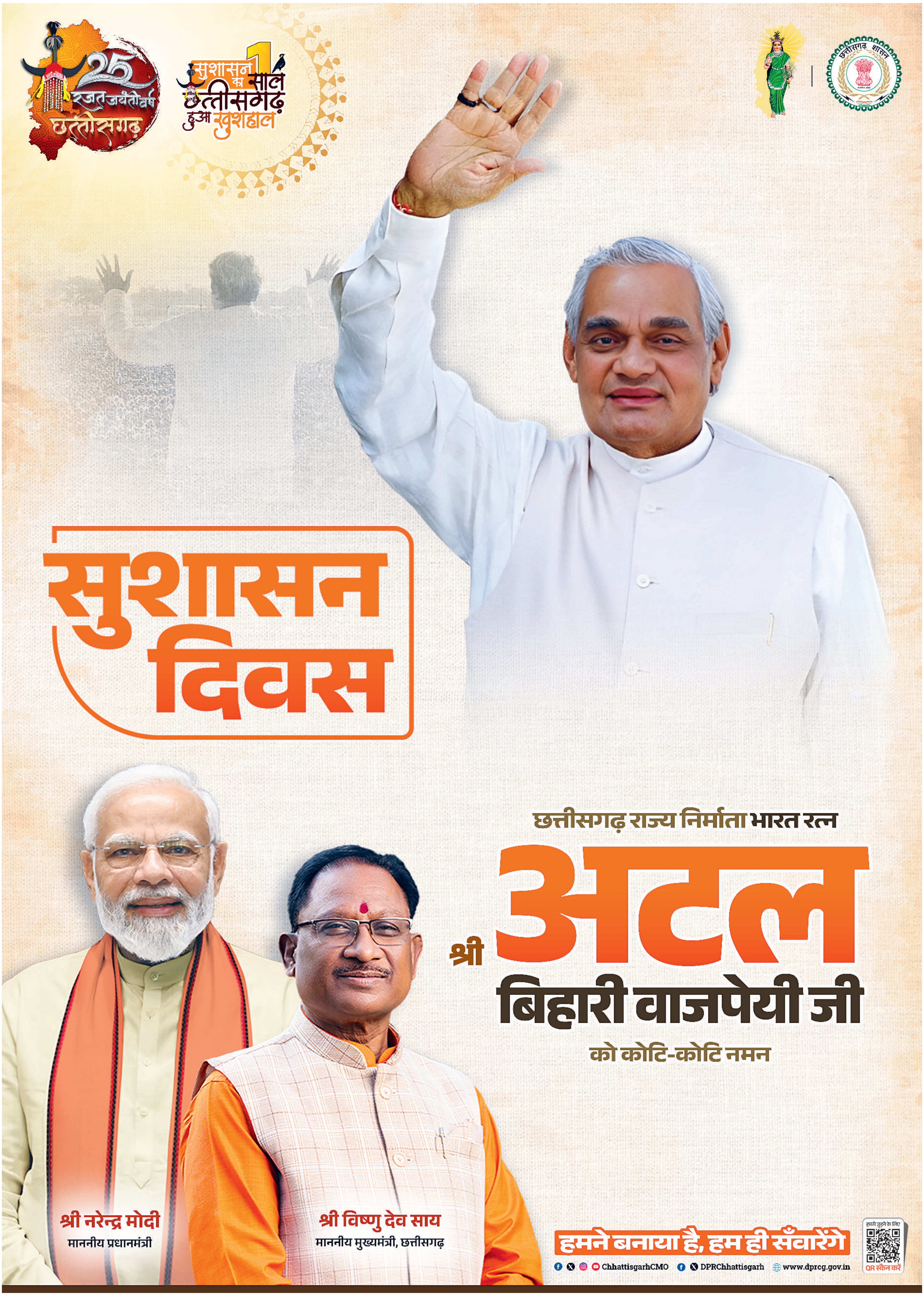

Suresh® MASALE
Swaad naye daur ka !!!
The Secret Ingredient to Your Success.
Suresh® MASALE
Red Chilli Powder
AN ISO 9001:2015 CERTIFIED COMPANY
Suresh® MASALE
Swaad naye daur ka !!!
Turmeric Powder
AN ISO 9001:2015 CERTIFIED COMPANY
Suresh® MASALE
Swaad naye daur ka !!!
Coriander Powder
Sambhar Masala
सांभर मसाला
A Perfect Blend Of Spices For Tasty Sambhar
Kashmiri Mirch Powder
कश्मीरी मिर्च पाउडर
Chat Masala
चाट मसाला
Kitchen King Masala
किचन किंग मसाला
A Splendid Blend Of Spices For A Perfect Tasty Cooking
ORDER NOW
+91 9131967015
support@sureshmasale.in
www.sureshmasale.in
Flipkart
amazon

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

जान बचाने पहली बार नक्सलियों ने जारी किया ऐसा सकुर्लर

ग्रामीणों से नक्सलियों ने कहा- जंगल और पहाड़ न जाएं, हमने लगा रखे हैं सैकड़ों बम

अलग खबर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारायणपुर

जल, जंगल और जमीन की लड़ाई के बीच बस्तर के बीहड़ों से पहली बार नक्सलियों ने ग्रामीणों को आगाह किया है कि उन्होंने जंगल-पहाड़ों में सैकड़ों बम लगा रखे हैं, इसलिए वहां जाने से बचें। सकुर्लर में कहा गया है, ऑपरेशन कगार के नाम पर बस्तर में चल रहे नक्सल विरोधी अभियान में शामिल फोर्स के जवानों के लिए ज़मीन के अंदर सैकड़ों बम लगा कर रखा हैं, जिससे बचना हैं तो कोई पहाड़ियों और जंगलों का सैर न करें। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में सक्रिय पूर्व बस्तर डिविजन कमेटी के प्रवक्ता जानकु सलाम ने बयान जारी कर आम जनता से पहाड़ियों और जंगलों से दूरी बनाने का फरमान ▶▶| शेष पेज 2 पर

धमाकों में कई हुए अपाहिज, कई की मौत

बस्तर के जंगलों और फोर्स के आमदरफ्त वाले रास्तों पर जवानों को निशाना बनाने के लिए नक्सलियों ने हजारों आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) लगा रखी है। इस आईईडी की चपेट में जवान तो आते ही हैं ▶▶| शेष पेज 2 पर

अबूझमाड़ के कच्चापाल की पहाड़ी से पांच-पांच किलो के 15 आईईडी बरामद, यहीं दो जवान हुए थे घायल

जमीन के अंदर मौत का सामान

एक के बाद एक निकाले गए 15 बम

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में चार दिन पहले खुले कच्चापाल पुलिस कैंप से जवानों को बारूदी विस्फोट से उड़ाने की नक्सली साजिश नाकाम कर दी गई है। जमीन के अंदर मौत का सामान देखकर पुलिस भी हैरान है। यहां कदम-कदम में बिछा रखे थे 75 किलो के 15 बम, जिन्हें बरामद कर नष्ट कर दिया गया है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बस्तर दौरे के बाद नक्सलियों के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत नक्सलियों के ▶▶| शेष पेज 2 पर

गंभीर नुकसान पहुंचाने की थी साजिशः एसपी

नारायणपुर एसपी प्रभात कुमार ने बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में पुलिस के द्वारा क्षेत्र में लगातार सघन नक्सल विरोधी अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी कड़ी में नवीन कैम्प कच्चापाल से डीआरजी, बीएसएफ 135वीं वाहिनी के संयुक्त बल की टीम नक्सल विरोधी ▶▶| शेष पेज 2 पर

'कुंवारी महतारी'... तीन अविवाहितों को मिल रहा था पैसा, बड़ा फर्जीवाड़ा

हरिभूमि फॉलोअप

महतारी वंदन में बॉलीवुड एक्ट्रेस सनी लियोनी का नाम सुर्खियों में आने के साथ ही बस्तर जिले के ही बकावण्ड ब्लॉक में तीन अविवाहित कन्याओं को फर्जी दस्तावेज बनाकर योजना का लाभ दिलाने का मामला भी सामने आया है। शिकायत पर इसे जांच के दायरे में लिया गया है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

भाजपा नेताओं ने बस्तर विधायक के प्रतिनिधि जानकी राम पर अपने परिवार की तीन महिलाओं को महतारी वंदन योजना में फर्जी तरीके से लाभ दिलाने की शिकायत की है। मामले की जांच बकावण्ड के एसडीएम ऋषिकेश तिवारी कर रहे हैं। उन्होंने प्रमाणपत्र बनाने वाले टलनार ग्राम पंचायत के सरपंच और सचिव को नोटिस जारी किया है। बकावण्ड विकासखण्ड के भाजपा नेताओं ने सांसद महेश कश्यप से मामले की शिकायत की है। कलेक्टर के निर्देश पर तीन महिलाओं के खाते को सीजकर राशि वसूलने की कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर ने महतारी वंदन योजना में लाभान्वित सभी खातेदारों की जांच के आदेश दिये है। मिली जानकारी के अनुसार महतारी वंदन योजना का लाभ ▶▶| शेष पेज 2 पर

प्रभाव : विधायक प्रतिनिधि भी है टलनार का यह नेता

महतारी वंदन योजना का लाभ लेने कुंआरी लड़की को ब्याहता बताया कांग्रेस नेता ने

सरपंच, सचिव पर भी होगी कार्रवाई

एसडीएम बकावण्ड ऋषिकेश तिवारी ने कहा कि महिला बाल विकास विभाग की जांच में यह तीनों मामला फर्जी पाया गया है इसलिये योजना के लाभ से वंचित किया जायेगा और वसूली भी की जायेगी। ▶▶| शेष पेज 2 पर

शिकायत सही पाई गई

एसडीएम बकावण्ड को महतारी वंदन योजना में टलनार पंचायत की तीन महिलाओं को फर्जी तरीके से फायदा पहुंचाने की शिकायत की गई है। शिकायत सही पाई गई है। उनके खातों को होल्ड किया गया और वसूली करने के निर्देश दिये गये हैं। मामले में रिपोर्ट भी दर्ज होगी।

गलत फायदा उठाने वालों को सजा मिले

सांसद महेश कश्यप ने हरिभूमि से चर्चा में कहा कि महतारी वंदन योजना शासन की महत्वपूर्ण योजना है, इसमें गरीब विवाहित महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रूपये प्रदान कर आर्थिक रूप से सक्षम बनाना है। लेकिन जिस तरह कांग्रेस के एक नेता ने अपने ही परिवार के अविवाहित को ▶▶| शेष पेज 2 पर

सनी लियोनी ने कहा- मेरे नाम का गलत इस्तेमाल

रायपुर। अभिनेत्री और पूर्व पोर्न स्टार सनी लियोनी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा है कि छत्तीसगढ़ महतारी वंदन योजना में उनकी आइडेंटिटी और नाम का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है। सनी ने मामले की जांच में सहयोग करने की बात कही है। सनी लियोनी की आईडी बनाकर महतारी वंदन का पैसा लिया गया है। मामले में बस्तर के युवक को गिरफ्तार किया गया है।

पूर्व पोर्न स्टार सनी लियोनी के नाम पर महतारी वंदन का पैसा, खाताधारी युवक पुलिस की गिरफ्त में

मुंडपाल गांव की 250 महिलाओं को नहीं मिल रहा महतारी वंदन योजना का लाभ

ये हैं असली हकदार इनको क्यों नहीं बनाया महतारी

अब हम वोट नहीं देंगे

वहीं, यहां कि राजवती वड्डे, ग्रामीण महिला मुंडपाल ने बताया कि हम लोग पूरे कागजात के साथ फार्म डाले थे। एक माह बीत जाने के बाद हम चेक करने गए पैसा जमा कैसे नहीं हुआ तो आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने बताया कि आपका फार्म मैंने जमा कर दिया हैं। पैसा कैसे नहीं आ ▶▶| शेष पेज 2 पर

हरिभूम न्यूज/नारायणपुर। नक्सल प्रभावित जिले के फरसगांव पंचायत के आश्रित गांव मुंडपाल की करीब 250 महिलाओं को महतारी वंदन योजना का लाभ नहीं मिल रहा है। सरकार की योजनाओं का लाभ लेने के लिए महिलाएं पिछले एक साल से भटक रही हैं। विधानसभा चुनाव के दौरान नेताओं के द्वारा दिए गए आश्वासन को पूरा नहीं करने की बात कहते हुए अब इस गांव की महिलाएं चुनाव का बहिष्कार करने की बात कह रही हैं। ▶▶| शेष पेज 2 पर

पंजीयन नहीं हो पाया है

इनका पंजीयन नहीं हो पाया है, जैसे ही पंजीयन का काम चालू होगा इनका नाम जोड़ दिया जाएगा।

\- रविकांत धुर्वे
महिला बाल विकास अधिकारी, नारायणपुर

पीएम नदी लिंक परियोजना की रखेंगे आधारशिला

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को खजुराहो में केन-बेतवा नदी लिंक परियोजना की आधारशिला रखेंगे। यह नदियों को जोड़ने की राष्ट्रीय नीति के तहत पहला कदम होगा। इससे मप्र 10 जिलों के 44 लाख और यूपी के 21 लाख को पेयजल उपलब्ध होगा।

12 साल बाद कांस्टेबल को वापस मिली नौकरी

बर्खास्तगी आदेश खारिज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट की सिंगल बेंच ने अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में विचारण न्यायालय के फैसले को बरकरार रखते हुए डीजीपी के उस आदेश को खारिज कर दिया है, जिसमें याचिकाकर्ता आरक्षक के बर्खास्तगी आदेश को सही ठहराया था। जस्टिस रजनी दुबे ने याचिकाकर्ता आरक्षक को 30 प्रतिशत वेतनमान के साथ सेवा में बहाल करने का आदेश जारी किया है। आरक्षक सैयद खुर्शीद अली ने अधिवक्ता मतीन ▶▶| शेष पेज 2 पर

सेवा में बहाल के आदेश

याचिका में कहा गया कि विभागीय जांच और आपराधिक ट्रायल के गवाह और दस्तावेज समान है। ट्रायल कोर्ट ने याचिकाकर्ता को दोषमुक्त कर दिया है। मामले की सुनवाई के बाद हाईकोर्ट याचिकाकर्ता को सेवा में बहाल करने का आदेश जारी किया है।

मणिपुर, केरल, बिहार में नए राज्यपाल

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा मंगलवार को की गई राज्यपालों की नियुक्ति के तहत पूर्व केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला को मणिपुर का, पूर्व सेना प्रमुख विजय कुमार सिंह को मिजोरम का राज्यपाल बनाया गया है। वहीं, केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को बिहार का राज्यपाल बनाया गया है। खान के स्थान पर बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर को केरल का राज्यपाल नियुक्त किया गया है।

17 बच्चों को मिलेगा राष्ट्रीय बाल पुरस्कार

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 14 राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों के 17 बच्चों को 26 दिसंबर को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित करेंगी। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय आयोजन करेगा। यह पुरस्कार सात श्रेणियों-कला एवं संस्कृति; बहादुरी; नवाचार; विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी; सामाजिक सेवा; खेल और पर्यावरण-में बच्चों की उपलब्धियों को रेखांकित करता है।

कांग्रेस बेलगावी में करेगी नव सत्याग्रह बैठक

नई दिल्ली। कांग्रेस ने 26 दिसंबर को होने वाली अपनी सीडब्ल्यूसी की बैठक को नव सत्याग्रह बैठक नाम दिया है। पार्टी 27 दिसंबर को जय बापू, जय भीम, जय संविधान रैली का आयोजन करेगी। विस्तारित कांग्रेस कार्य समिति की बैठक कांग्रेस के बेलगावी अधिवेशन के 100 साल पूरे होने के मौके पर हो रही है। कांग्रेस के संगठन महासचिव वेणुगोपाल ने बताया कि बैठक को नव सत्याग्रह बैठक नाम दिया गया है।

चिंतन

बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ कठोर एक्शन हो

भारत आजादी के बाद से अवैध घुसपैठ का सामना कर रहा है। बांग्लादेश बनने के बाद अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों की समस्या निरंतर बढ़ती गई। दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को बांग्लादेशी नागरिकों का अवैध तरीके से यहां प्रवास करवाने में शामिल एक गिरोह का पर्दाफाश कर 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। दिल्ली में कार्रवाई बस एक बानगी भर है। बांग्लादेश के सीमाई क्षेत्र, पश्चिम बंगाल, झारखंड, बिहार, कश्मीर, मुंबई, बेंगलुरु व दिल्ली-एनसीआर में बांग्लादेशी घुसपैठियों की सबसे अधिक आवक है। केंद्र सरकार ने अवैध घुसपैठ की समस्या से आंशिक रूप से निपटने के लिए नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) लागू किया, जिसमें पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान से भारत आए गैर मुस्लिम नागरिकों को शर्त के साथ नागरिकता देने का प्रावधान किया गया, लेकिन आज देश में मूल समस्या बांग्लादेश से आए मुस्लिम अवैध घुसपैठ की है, जो भारत के लिए कई तरह से खतरे पैदा कर रहे हैं। बांग्लादेश से हिंदू पीड़ित होकर आते हैं, जबकि मुस्लिम और रोहंग्या मुस्लिम सुनियोजित तरीके से भारत में अवैध घुसपैठ करते हैं। ये बांग्लादेशी घुसपैठिए भारत की अर्थव्यवस्था, राजनीति, समाज और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन रहे हैं। बांग्लादेश की चीन व पाकिस्तान के साथ नजदीकियां बढ़ी हैं और वहां शेख हसीना को हटाए जाने के बाद कट्टरपंथियों के हौसले बढ़े हैं। वर्ष 2003-04 की एक रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेशी घुसपैठिए देश में 25 लोकसभा सीटों और 120 विधानसभा सीटों पर प्रभावी भूमिका में हैं। 2003 तक दिल्ली में 6 लाख बांग्लादेशी घुसपैठिए भारतीय पहचान पत्र हासिल कर चुके थे। अभी झारखंड विधानसभा चुनाव के दौरान भी बांग्लादेशी घुसपैठ बड़ा मुद्दा था। अनुमान है कि अभी 3-5 करोड़ अवैध बांग्लादेशी घुसपैठिए भारत में रह रहे हैं। यह भी देखा गया है कि कट्टरपंथियों के सत्ता में आने पर बांग्लादेश से घुसपैठ बढ़ी है। 2001 में कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी जैसे दलों के सहयोग से बीएनपी सत्ता में आई, तो भारत में घुसपैठ और आतंकवादी गतिविधियां बढ़ गई थीं। 11 सितंबर 2001 के बाद पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने बांग्लादेश में आतंकी गतिविधियां और तेज कर दी थीं। 2002 में तत्कालीन विदेश मंत्री यशवंत सिन्हा ने संसद में कहा था, 'ढाका में पाकिस्तानी उच्चायोग, आईएसआई का नर्व सेंटर है, जो भारत के खिलाफ आतंकी गतिविधियों में लिप्त है।' अक्टूबर 2002 में बीएसएफ ने बांग्लादेश में चल रहे 99 आतंकी ट्रेनिंग कैंपों की लिस्ट बांग्लादेश बॉर्डर गार्ड्स को सौंपी थी। वर्ष 2000 में भारत के तब के गृह सचिव माधव गोडबोले ने केंद्र सरकार को एक बेहद महत्वपूर्ण रिपोर्ट सौंपी थी। इसमें कहा गया था कि करीब 1.5 करोड़ बांग्लादेशी घुसपैठिए अवैध रूप से भारत में रह रहे हैं। असम के गवर्नर रहे एसके सिन्हा ने 1998 में भारत के राष्ट्रपति को सौंपी एक रिपोर्ट में लिखा था कि जिस तेजी से अवैध बांग्लादेशियों की संख्या बढ़ रही है, एक समय ऐसा आ सकता है, जब वे ग्रेटर बांग्लादेश की मांग करने लगें। वीजा लेकर भी बड़ी संख्या में बांग्लादेशी आते हैं, लेकिन उनमें कई वापस नहीं लौटते। 2023 में करीब 16 लाख बांग्लादेशी वीजा लेकर भारत आए थे, कितने लौटे पता नहीं। पूरे देश में आईडेंटिफिकेशन ड्राइव चलाने की जरूरत है। 1974 में जब भारत-बांग्लादेश बॉर्डर गाइडलाइंस बनी थी, तब बांग्लादेश में माहौल बिल्कुल अलग था, आज बांग्लादेश में भारत के खिलाफ माहौल है, लिहाजा अब भारत-बांग्लादेश बॉर्डर गाइडलाइंस की समीक्षा की भी जरूरत है।

सुशासन दिवस
नरेंद्र मोदी

राष्ट्र निर्माण के 'अटल' आदर्श की शताब्दी

आज 25 दिसंबर का ये दिन भारतीय राजनीति और भारतीय जनमानस के लिए एक तरह से सुशासन का अटल दिवस है। आज पूरा देश अपने भारत रत्न अटल को, उस आदर्श विभूति के रूप में याद कर रहा है, जिन्होंने अपनी सौम्यता, सहजता और सहृदयता से करोड़ों भारतीयों के मन में जगह बनाई। पूरा देश उनके योगदान के प्रति कृतज्ञ है। उनकी राजनीति के प्रति कृतार्थ है। 1998 के जिस काल में उन्होंने पीएम पद संभाला, उस दौर में पूरा देश राजनीतिक अस्थिरता से घिरा हुआ था। 9 ऐसे समय में एक सामान्य परिवार से आने वाले अटल जी ने, देश को स्थिरता और सुशासन का मॉडल दिया। वो ऐसे नेता थे, जिनका प्रभाव भी आज तक अटल है।

मैं जी भर जिया, मैं मन से मरूं...लौटकर आऊंगा, कूच से क्यों डरूं? अटल जी के ये शब्द कितने साहसी हैं...कितने गूढ़ हैं। अटल जी, कूच से नहीं डरे...उन जैसे व्यक्तित्व को किसी से डर लगता भी नहीं था। वो ये भी कहते थे... जीवन बंजारों का डेरा आज यहां, कल कहां कूच है..कौन जानता किधर सवेरा...आज अगर वो हमारे बीच होते, तो वो अपने जन्मदिन पर नया सवेरा देख रहे होते। मैं वो दिन नहीं भूलता जब उन्होंने मुझे पास बुलाकर अंकवार में भर लिया था...और जोर से पीठ में धौल जमा दी थी। वो स्नेह...वो अपनत्व...वो प्रेम...मेरे जीवन का बहुत बड़ा सौभाग्य रहा है। आज 25 दिसंबर का ये दिन भारतीय राजनीति और भारतीय जनमानस के लिए एक तरह से सुशासन का अटल दिवस है। आज पूरा देश अपने भारत रत्न अटल को, उस आदर्श विभूति के रूप में याद कर रहा है, जिन्होंने अपनी सौम्यता, सहजता और सहृदयता से करोड़ों भारतीयों के मन में जगह बनाई। पूरा देश उनके योगदान के प्रति कृतज्ञ है। उनकी राजनीति के प्रति कृतार्थ है। 1998 के जिस काल में उन्होंने पीएम पद संभाला, उस दौर में पूरा देश राजनीतिक अस्थिरता से घिरा हुआ था। 9 साल में देश ने चार बार लोकसभा के चुनाव देखे थे। लोगों को शंका थी कि ये सरकार भी उनकी उम्मीदों को पूरा नहीं कर पाएगी। ऐसे समय में एक सामान्य परिवार से आने वाले अटल जी ने, देश को स्थिरता और सुशासन का मॉडल दिया।

भारत को नव विकास की गारंटी दी। वो ऐसे नेता थे, जिनका प्रभाव भी आज तक अटल है। वो भविष्य के भारत के परिकल्पना पुरुष थे। उनकी सरकार ने देश को आईटी, टेलीकम्युनिकेशन और दूरसंचार की दुनिया में तेजी से आगे बढ़ाया। भारत के दूर-दराज के इलाकों को बड़े शहरों से जोड़ने के सफल प्रयास किये गए। वाजपेयी जी की सरकार में शुरू हुई जिस स्वर्णिम चतुर्भुज योजना ने भारत के महानगरों को एक सूत्र में जोड़ा वो आज भी लोगों की स्मृतियों पर अमिट है। लोकल कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए भी एनडीए गठबंधन की सरकार ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जैसे कार्यक्रम शुरू किए। उनके शासन काल में दिल्ली मेट्रो शुरू हुई, जिसका विस्तार आज हमारी सरकार एक वर्ल्ड क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट के रूप में कर रही है। ऐसे ही प्रयासों से उन्होंने ना सिर्फ आर्थिक प्रगति को नई शक्ति दी, बल्कि दूर-दराज के क्षेत्रों को एक दूसरे से जोड़कर भारत की एकता को भी सशक्त किया। जब भी सर्व शिक्षा अभियान की बात होती है, तो अटल जी की सरकार का जिक्र जरूर होता है। शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता मानने वाले वाजपेयी जी ने एक ऐसे भारत का सपना देखा था, जहां हर व्यक्ति को आधुनिक और गुणवत्ता वाली शिक्षा मिले। वो चाहते थे भारत के वर्ग, यानि ओबीसी, एससी, एसटी, आदिवासी और महिला सभी के लिए शिक्षा सहज और सुलभ बने।

उनकी सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए कई बड़े आर्थिक सुधार किए। इन सुधारों के कारण भाई-भतीजावाद में फंसी देश की अर्थव्यवस्था को नई गति मिली। उस दौर की सरकार के समय में जो नीतियां बनीं, उनका मूल उद्देश्य सामान्य मानवी के जीवन को बदलना ही रहा। उनकी सरकार के कई ऐसे अद्भुत और साहसी उदाहरण हैं, जिन्हें आज भी हम

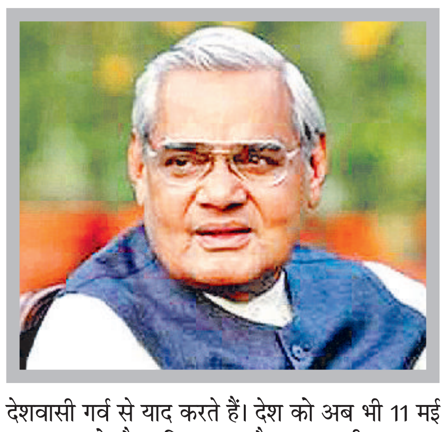

देशवासी गर्व से याद करते हैं। देश को अब भी 11 मई 1998 का वो गौरव दिवस याद है, जब एनडीए सरकार बनने के कुछ ही दिन बाद पोकरण में सफल परमाणु परीक्षण हुआ। इसे 'ऑपरेशन शक्ति' का नाम दिया गया। इस परीक्षण के बाद दुनियाभर में भारत के वैज्ञानिकों को लेकर चर्चा होने लगी। पूरी दुनिया जान चुकी थी, कि भारत अब दबाव में आने वाला देश नहीं है। इस परमाणु परीक्षण की वजह से देश पर प्रतिबंध भी लगे, लेकिन देश ने सबका मुकाबला किया। वाजपेयी सरकार के शासन काल में कई बार सुरक्षा संबंधी चुनौतियां आईं। करगिल युद्ध का दौर आया। संसद पर आतंकियों ने कायरना प्रहार किया। अमेरिका के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हुए हमले से वैश्विक स्थितियां बदलीं, लेकिन हर स्थिति में अटल जी के लिए भारत और भारत का हित सर्वोपरि रहा। उनकी बोलने की कला का कोई सानी नहीं था। कविताओं और शब्दों में उनका कोई जवाब नहीं था। विरोधी भी वाजपेयी जी के भाषणों के मुरीद थे। युवा सांसदों के लिए वो चर्चाएं सीखने का माध्यम बनतीं। कुछ सांसदों की संख्या लेकर भी, वो कांग्रेस की कुनीतियों का प्रखर विरोध करने में सफल होते। भारतीय राजनीति में वाजपेयी जी ने दिखाया, ईमानदारी और नीतिगत स्पष्टता का अर्थ क्या है। संसद में कहा गया उनका ये वाक्य... सरकारें आएंगी, जाएंगी, पार्टियां बनेंगी, बिगड़ेंगी मगर ये देश रहना चाहिए...आज भी मंत्र की तरह हम सबके मन में गूंजता रहता है। वो भारतीय लोकतंत्र को समझते थे। वो ये भी जानते थे कि लोकतंत्र का मजबूत रहना कितना जरूरी है। आपातकाल के समय उन्होंने दमनकारी कांग्रेस सरकार का जमकर विरोध किया, यातनाएं झेली। जेल जाकर भी संविधान के हित का संकल्प दोहराया।

पीएम पद पर रहते हुए उन्होंने विपक्ष की आलोचनाओं का जवाब हमेशा बेहतरीन तरीके से दिया। वो ज्यादातर समय विपक्षी दल में रहे, लेकिन नीतियों का विरोध तर्कों और शब्दों से किया। उन में सत्ता की लालसा नहीं थी। 1996 में उन्होंने जोड़-तोड़ की राजनीति न चुनकर, इस्तीफा देने का रास्ता चुन लिया। राजनीतिक षड्यंत्रों के कारण 1999 में उन्हें सिर्फ एक वोट के अंतर के कारण पद से इस्तीफा देना पड़ा। कई लोगों ने उनसे इस तरह की अनैतिक राजनीति को चुनौती देने के लिए कहा, लेकिन पीएम अटल बिहारी वाजपेयी शुचिता की राजनीति पर चले। अगले चुनाव में उन्होंने मजबूत जनादेश के साथ वापसी की। संविधान के मूल्य संरक्षण में भी, उनके जैसा कोई नहीं था। वो आपात के खिलाफ लड़ाई का भी बड़ा चेहरा बने। इमरजेंसी के बाद 1977 के चुनाव से पहले उन्होंने 'जनसंघ' का जनता पार्टी में विलय करने पर भी सहमति जता दी। मैं जानता हूं कि ये निर्णय सहज नहीं रहा होगा, लेकिन वाजपेयी जी के लिए हर राष्ट्रभक्त कार्यकर्ता की तरह दल से बड़ा देश था, संगठन से बड़ा, संविधान था। भारत के विदेश मंत्री बनने के बाद जब संयुक्त राष्ट्र संघ में भाषण देने का अवसर आया, तो उन्होंने अपनी हिंदी से पूरे देश को खुद से जोड़ा। पहली बार किसी ने हिंदी में संयुक्त राष्ट्र में अपनी बात कही। उन्होंने भारत की विरासत को विश्व पटल पर रखा। उन्होंने सामान्य भारतीय की भाषा को संयुक्त राष्ट्र के मंच तक पहुंचाया। राजनीतिक जीवन में होने के बाद भी, वो साहित्य और अभिव्यक्ति से जुड़े रहे। अटल जी की 100वीं जयंती, भारत में सुशासन के एक राष्ट्र पुरुष की जयंती है। आइए हम सब इस अवसर पर, उनके सपनों को साकार करने के लिए मिलकर काम करें। हम एक ऐसे भारत का निर्माण करें, जो सुशासन, एकता और गति के अटल सिद्धांतों का प्रतीक हो। मुझे विश्वास है, भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी के सिखाए सिद्धांत ऐसे ही, हमें भारत को नव प्रगति और समृद्धि के पथ पर प्रशस्त करने की प्रेरणा देते रहेंगे।

(लेखक भारत के प्रधनमंत्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

श्रद्धांजलि
जी. किशन रेड्डी

भारतीय राजनीति में अटल विचारों की जरूरत

भारत रत्न व पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म जयंती को आज 100 (शताब्दी) वर्ष पूरा हो रहा है। भाजपा सहित अटल जी को चाहने वालों के लिए ये वर्ष एक गौरवशाली और उनकी अतीत की स्मृतियों से प्रेरणा लेने का ऐतिहासिक वर्ष होगा। उनकी जन्म शताब्दी देशवासियों और राजनीतिक पार्टियों के नेताओं को जीवन में उच्च मानदंड और उच्च कसौटी गढ़ने की नई प्रेरणा देगी। उनकी जन्म जयंती पर जब मैं श्रद्धेय अटल जी का स्मरण कर रहा हूं तो मुझे आज के राजनीतिक परिपेक्ष्य में उनका 31 मई 1996 को संसद में विश्वास मत के दौरान दिया गया भाषण याद आता है। जिसमें उन्होंने कहा कि 'देश आज संकटों से घिरा हुआ है, ये संकट हमने पैदा नहीं किए हैं, जब भी कभी आवश्यकता पड़ी, संकटों के निराकरण में हमने उस समय की सरकार की मदद की है, सत्ता का खेल तो चलेगा, सरकारें आएंगी-जाएंगी, पार्टियां बनेंगी बिगड़ेंगी, मगर ये देश रहना चाहिए, इस देश का लोकतंत्र अमर रहना चाहिए।' उनकी ये पंक्तियां भारतीय राजनीति से सदैव लोकतंत्र की रक्षा हेतु अपेक्षा करती रहेंगी। आज जब देश "आजादी का अमृत महोत्सव" मना कर विकसित भारत के विशाल लक्ष्य के साथ "अमृत काल" की यात्रा पर नई ऊर्जा, नई शक्ति, नए जोश, नए उत्साह, नए विचार और नए लक्ष्यों के साथ तेज गति से आगे बढ़ रहा है। तब लोकतंत्र के मंदिर में प्रतिपक्ष से अच्छे व्यवहार और देश के विकास में सहयोग की अपेक्षा तो की ही जा सकती है। क्योंकि विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत की इस यात्रा में हमारे व्यक्तिगत और पार्टी के हितों से बड़ा देश का हित होना चाहिए। संसदीय व्यवस्था में सत्ता-पक्ष व विपक्ष के बीच सतत संवाद-सहमति, सहयोग-सहकार, स्वीकार-सम्मान का भाव प्रबल होना चाहिए। विपक्ष का काम सरकार की गलत नीतियों का विरोध करना है, गलत निर्णयों में बदलाव करवाना है। मगर साथ ही विपक्ष सरकार की ऐसी नीतियों का समर्थन भी करे, जिससे गरीब, मजदूर, पिछड़े, महिला, किसान और युवाओं का उत्थान होता हो। भारतीय राजनीति में 6 दशक से अधिक कांग्रेस पार्टी को सत्ता में रहने का अवसर मिला, वहीं दूसरी ओर जन संघ और भाजपा को लंबे समय तक विपक्ष में रहना पड़ा।

1971 का युद्ध हो या 1991 का आर्थिक संकट हो अथवा देश हित का मुद्दा हो, अटल जी के नेतृत्व में जन संघ और भाजपा ने तत्कालीन सरकारों का समर्थन किया। इतना ही नहीं भाजपा ने 'शिक्षा का अधिकार 2009', 'सूचना का अधिकार 2005', 'भूमि अधिग्रहण में उचित मुआवजे और पारदर्शिता का अधिकार 2012', महिला सुरक्षा के लिए कानून 2013', 'स्ट्रीट वेंडर्स बिल 2012', 'खाद्य सुरक्षा', 'भारतीय कंपनी अधिनियम 2013' और 'परमाणु क्षति के लिए नागरिक दायित्व 2010' जैसे अनेक विधेयकों पर सरकार के निर्णयों का खुले दिल से स्वागत किया। अटल जी के विचार, संस्कार और व्यवहार में उनके पिता कृष्णबिहारी वाजपेयी (अध्यापक) एवं माता कृष्णादेवी जी के संस्कारों की सुगंध जीवन भर आती रही, तथा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पं. दीनदयाल उपाध्याय के मार्गदर्शन में संघ की व्यक्ति निर्माण की भट्टी में तपकर अटल जी राष्ट्र प्रथम की भावना से और अंत्योदय के उद्देश्य से राजनीति के मैदान में आए। सन 1957 में जब वो पहली बार बलरामपुर लोकसभा से सांसद निर्वाचित होकर लोकसभा में पहुंचे, तब उन्होंने अपने एक भाषण में कहा था- "सभापति महोदय, मैं विरोधी दल में खड़ा हूँ, लेकिन विरोध के लिए विरोध मेरा उद्देश्य नहीं हो सकता। इस सदन में भारतीय जनसंघ के सदस्यों की संख्या यद्यपि कम है, किन्तु हमारे सामने स्वर्गीय डॉ. श्यामप्रसाद मुखर्जी का आदर्श है और हम इस बात का प्रयत्न करेंगे कि उस से अनुप्राणित होकर राष्ट्र निर्माण के महान यज्ञ में अपना भी योगदान दें"। अटल जी ने स्वतंत्रता की रजत जयंती के अवसर पर अपने वक्तव्य में कहा था कि "कितने ही प्रश्न हैं जो अनुत्तरित पड़े हैं। कितनी ही चुनौतियाँ हैं जो हमारा सामना कर रही हैं। राजनीतिक मतभेदों के बावजूद कुछ मामलों में सबको मिलकर चलने की जो हमारी पुरानी पद्धति है, वही लोकतंत्र का आधार है। आज विपक्ष के करण जो परिस्थितियां दिखाई देती हैं, इससे निश्चित ही लोकतंत्र तो कमजोर होगा ही साथ ही नेताओं के लिए जो जन भावनाएं निर्माण हो रही हैं, वो भी भविष्य के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं। अब जब पूरी दुनिया भारत की ओर आशा भरी निगाहों से देख रही है, तब हमारे माननीय सांसदों के द्वारा देश की सर्वोच्च पंचायत संसद और लोकतंत्र को भी दुनिया के लिए प्रेरणा का केंद्र बनाना चाहिए।

(लेखक केन्द्रीय कोयला एवं खान मंत्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

चेतना की चौथी अवस्था है शिव तत्व

संकलित
दर्शन

शिव को अनुभव करने का प्रयास न करें। आपको बस उस पल में मौजूद रहना है और निश्चिंत रहना है, शिव तत्व पहले से ही वहां मौजूद है। हमारी चेतना की 3 अवस्थाएं हैं-जाग्रत, स्वप्न और सुषुप्ति, और चेतना की एक चौथी अवस्था भी है, जहां हम न तो जाग्रत होते हैं, न स्वप्न देखते हैं और न ही सोते हैं। इसका अनुभव ध्यान में होता है। उस चौथी अवस्था की झलक को ही शिव तत्व कहा जाता है। उपनिषद कहते हैं शिवम्, शांतम्, अद्वैतम्, चतुर्थम्, मन्यन्ते, सा आत्मा, सा विज्ञेय। अर्थात शुभ, शांतिपूर्ण चौथी अवस्था, जहां दो नहीं हैं, वह तुम्हारा स्वरूप है, वही जानने योग्य है। आपको क्या लगता है कि आप क्या हैं? आप केवल एक नाम नहीं हैं, मात्र एक रूप नहीं हैं। आप वह प्रकाशमान चेतना हैं जो शिव तत्व है। शिव का मंदिर पत्थरों से नहीं मनुष्य की चेतना से बना है। वह जो संपूर्ण ब्रह्मांड को समाहित करता है, वह सत्ता जिसमें हर जीवन समाया है, वह रहस्यमय शिव तत्व है। नटराज स्वयं चेतना हैं, उनमें पांच तत्वों को दर्शाया गया है। चेतना का नृत्य संपूर्ण ब्रह्मांड है। यह ब्रह्मांड संघर्ष या कष्ट नहीं दे रहा है; यह हर क्षण उत्सव मना रहा है। ये आनंद है, जो यह नहीं जानता, वह दुःखी होता है, निराश होता है, पीड़ित होता है। जो यह जानता है कि यह संपूर्ण सृष्टि एक नृत्य है, उसे आनंद मिलता है। यह सत्य शिव तत्व है।

अच्छे कार्य करने से गुरु शिष्य को कभी न रोके

संकलित
प्रेरणा

दैत्यों के गुरु शुक्राचार्य बताए गए हैं। भगवान शिव ने शुक्राचार्य को मृत संजीवन विद्या दी थी। इस विद्या से शुक्राचार्य मरे हुए दैत्यों को फिर से जीवित कर देते थे। जब दैत्यराज बलि का राज था। तब एक दिन भगवान विष्णु ने वामन अवतार लिया और बलि के पास पहुंचे। बलि अपनी दानवीरता की वजह से बहुत प्रसिद्ध थे। वे किसी भी मांगने वाले को खाली हाथ नहीं जाने देते थे। राजा बलि उस समय यज्ञ कर रहे थे। बलि ने वामन देव को देखा तो वह उनके पास पहुंचा। वामन देव ने राजा बलि से तीन पग भूमि दान में मांगी। शुक्राचार्य वामन देव को पहचान गए थे कि ये विष्णु जी हैं। इसलिए उन्होंने बलि को दान देने से रोकना चाहा। राजा बलि ने अपने गुरु की बात नहीं मानी और वामन देव को दान देने के लिए तैयार हो गए। तब शुक्राचार्य राजा बलि के कमंडल में सूक्ष्म रूप में बैठ गए, जिससे की पानी बाहर न आए और राजा बलि भूमि दान करने का संकल्प न ले सकें। वामन भगवान जानते थे कि शुक्राचार्य बलि के कमंडल में बैठे हैं। उन्होंने बलि के कमंडल में एक तिनका डाल दिया, जिससे शुक्राचार्य की एक आंख फूट गई। इसके बाद शुक्राचार्य कमंडल से बाहर आ गए और बलि ने वामन देव को भूमि दान दे दी। अगर कोई गुरु अपने शिष्य को नेक काम करने से रोकता है तो उसे इसका बुरा फल भोगना पड़ता है।

अंतर्मन

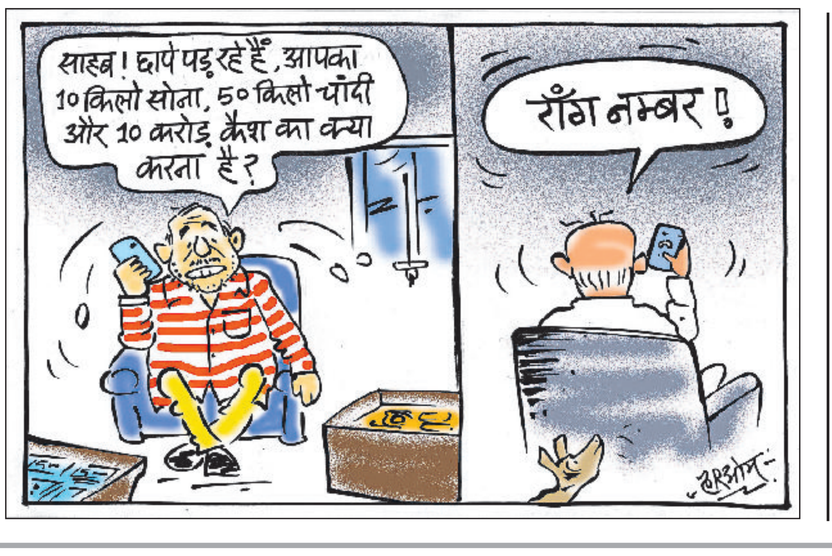

आज की पाती

कार्यस्थल पर लैंगिक असमानता की चुनौती

भारतीय समाज में कार्यरत महिलाएं आज एक अभूतपूर्व संघर्ष का सामना कर रही हैं। एक ऐसी व्यवस्था में जहां पारंपरिक और आधुनिक मूल्य लगातार टकरा रहे हैं, इन महिलाओं को पेशेवर सफलता और पारिवारिक जिम्मेदारियों के बीच एक असंभव संतुलन बनाने की चुनौती दी जा रही है। आज के आधुनिक समाज में, कार्यरत महिलाएं देश के सामाजिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। हालांकि, उनके सामने कई स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां हैं जो उनके मानसिक, शारीरिक और सामाजिक कल्याण को प्रभावित करती हैं। कार्यस्थल और घरेलू जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाए रखना महिलाओं के लिए एक बड़ी मानसिक चुनौती है। *- प्रदीप अग्रवाल, धमतरी*

ट्रेंड

भविष्य का मार्ग प्रशस्त

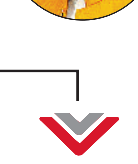

पिछले दशक में, भारत ने गरीबी उन्मूलन और आर्थिक विकास में परिवर्तनकारी प्रगति हासिल की है। अब हम युवा और नारी शक्ति को सशक्त बना रहे हैं, एक उज्जवल और अधिक आत्मविश्वास वाले भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

जनतंत्र का अधिकार

वो लोकतंत्र कैसा जहां जनता के आवाज़ उठाने पर ही पाबंदी लग जाए। मतदाता का अधिकार मारना, जनतंत्र के अधिकार को मारना है। अगर तर्क ये है कि चुनाव आयोग किस-किस को जवाब देगा तो फिर कल को यही भाजपा सरकार 'सूचना के अधिकार' को भी ख़त्म कर देगी।

-अखिलेश यादव, सपा सांसद

एपीएसी बायोफार्मा

नवाचार, सहयोगात्मक प्रयासों और निवेश से प्रेरित एपीएसी तेजी से बायोफार्मा क्षेत्र में एक वैश्विक पावरहाउस के रूप में उभर रहा है। एपीएसी बायोफार्मा के भविष्य को फिर से परिभाषित करने के लिए तैयार है।

-किरण मजूमदार-शॉ, उद्यमी

सनातन धर्म की व्याख्या

चर्चा सनातन धर्म पर हो और उस मंच पर स्वामी चक्रपाणि जी ना हो, ऐसा मुमकिन नहीं। आख़िर वो अखिल हिंदू महासभा के अध्यक्ष ठहरे। वो आए और बोले, अच्छा बोले। व्याख्या की सनातन धर्म की।

-मुकेश खन्ना, अभिनेता

करंट अफेयर

ग्रीनलैंड को खरीदने का ट्रंप ने किया आह्वान

अमेरिका के राष्ट्रपति निर्वाचित हुए डोनाल्ड ट्रंप ने डेनमार्क से ग्रीनलैंड खरीदने के अपने आह्वान को दोहराया है। अपने पहले कार्यकाल में भी उन्होंने यह आह्वान किया था लेकिन सफलता नहीं मिली थी। इसके साथ उन मित्र देशों की सूची में डेनमार्क भी शामिल हो गया है, जिनके साथ ट्रंप 20 जनवरी को पदभार ग्रहण करने से पहले ही टकराव का रुख अख्तियार कर रहे हैं।

रविवार को डेनमार्क में अपने राजदूत के नाम की घोषणा करते हुए ट्रंप ने लिखा, 'पूरी दुनिया में राष्ट्रीय सुरक्षा और स्वतंत्रता के उद्देश्य से, अमेरिका को लगता है कि ग्रीनलैंड का स्वामित्व और नियंत्रण एक परम आवश्यकता है।' ट्रंप ने फिर से ग्रीनलैंड पर योजना बनाई है। इससे पहले उन्होंने सप्ताहांत में सुझाव दिया था कि यदि अटलांटिक और प्रशांत महासागरों को जोड़ने वाले पनामा जलमार्ग का उपयोग करने के लिए आवश्यक बढ़ती पोत परिवहन लागत को कम करने के लिए कुछ नहीं किया जाता है, तो उनका देश पनामा नहर पर फिर से नियंत्रण कर सकता है। वह कनाडा को 51वां अमेरिकी राज्य बनाने और कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को 'ग्रेट स्टेट ऑफ कनाडा' का 'गवर्नर' बनाने का सुझाव भी दे रहे हैं। ग्रीनलैंड दुनिया का सबसे बड़ा द्वीप है जो अटलांटिक और आर्कटिक महासागरों के बीच स्थित है।

ऑफ बीट

सांता कहां रहता है? मुश्किल है इस पहेली को सुलझाना

सांता क्लॉज को पत्र भेजना मुश्किल हो सकता है क्योंकि कोई भी इस बात पर सहमत नहीं हो सकता कि सांता वास्तव में कहां रहता है। कई देश सांता को

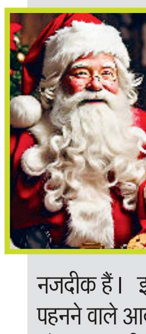

अपना नागरिक मानने की होड़ में हैं। फिनलैंड के पर्यटन उद्योग का मानना है कि लैपलैंड में कोरवाटुंटुरी वह जगह है जहां सांता अपना कामकाज करते हैं, तथा सांता और लैपलैंड के बीच का संबंध करोड़ों डालर का पर्यटन कारोबार है। डेनमार्क के मूल निवासियों कहना है कि सांता ग्रीनलैंड में रहते हैं। वहीं, स्वीडन का मानना है कि मोरा वह जगह है और उसने वहां थीम पार्क सांतावर्ल्ड बनाया है। ये जगहें सर्दियों में सफेद बर्फ और रेंडियर के साथ निश्चित रूप से आकर्षक लगती हैं। वे उत्तरी ध्रुव के भी नजदीक हैं। इतनी भी मजेदार परंपराएं नहीं उनके पास लाल रंग की पोशाक पहनने वाले आदमी के बारे में पुरानी और अक्सर काफी परेशान करने वाली लोककथाएं भी हैं। पगान फिन्स ने जनवरी की सर्दियों में सेंट नट दिवस मनाया, जिसमें फरी जैकेट पहने हुए पुरुषों को उपहारों के एक झोले के साथ घर-घर भेजा जाता था। नुट्टीपुक्की (एक डरावनी कृति)सिर्फ उपहार नहीं देते थे, वे संभवतः बच्चों को रुलाते थे। वे उपहारों की मांग करते हुए आते थे और उपहार न देने वाले किसी भी घर को दुर्भाग्य का श्राप देते थे।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

रायपुर
बुधवार, 25 दिसंबर 2024
पौष कृष्ण पक्ष दशमी
वर्ष : 23, अंक : 159
पृष्ठ : 14+8 = 22 मूल्य : 5.00**
मौसम
अधि. 28.8
न्यून. 17.7
haribhoomi.com
हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
मेरी क्रिसमस

हाईकोर्ट का फैसला- मौजूदा कानून में शव के साथ रेप में सजा का प्रावधान नहीं, मां की याचिका खारिज

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

खास खबर

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने अपने महत्वपूर्ण फैसले में कहा कि कानून में शव के साथ रेप करना अपराध की श्रेणी में नहीं आता, इसलिए इस अपराध के लिए सजा का प्रावधान नहीं है। इस टिप्पणी के साथ हाईकोर्ट ने मृतका बच्ची की मां की याचिका को खारिज कर दिया है। दरअसल, 9 साल की मासूम बच्ची की मां ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को चुनौती दी थी। इस फैसले के तहत बच्ची के शव के साथ दुष्कर्म करने के दोषी को सजा नहीं सुनाई थी। लोअर कोर्ट ने इस केस में महज सबूत मिटाने का दोषी मानते हुए 7 साल की सजा सुनाई थी। इस पर बच्ची की मां ने हाईकोर्ट में गुहार लगाई। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस बीडी गुरु की डिवीजन बेंच ने लोअर कोर्ट के ही फैसले को सही ठहराया। साथ ही मां की हस्तक्षेप याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा है कि मौजूदा कानून में नेक्रोफीलिया क्राइम ⏭ शेष पेज 2 पर

गरियाबंद के मामले पर सुनवाई, मौजूदा कानून में नेक्रोफीलिया क्राइम नहीं

साल 2018 में घर से गायब हो गई थी बच्ची

ज्ञात हो कि मासूम बच्ची की हत्या का यह मामला 18 अक्टूबर 2018 का है। गरियाबंद निवासी महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि, वो एक अफसर के यहां काम करती थी। घटना के दिन वो काम पर गई थी। घर पर उसकी 9 साल की बेटी और मां थी। काम के बाद दोपहर में जब वह घर आई तब बेटी नहीं मिली। आसपास खोजबीन के बाद रिश्तेदारों और पहचान वालों ⏭ शेष पेज 2 पर

मुख्य आरोपी को आजीवन कारावास

इस मामले की सुनवाई के बाद ट्रायल कोर्ट ने मुख्य आरोपी नितिन यादव को दुष्कर्म और हत्या का दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। वहीं, नीलकंठ को साक्ष्य छिपाने के आरोप में ट्रायल कोर्ट ने 7 साल कैद की सजा सुनाई। ट्रायल कोर्ट के फैसले के खिलाफ आरोपियों ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से हाईकोर्ट ⏭ शेष पेज 2 पर

कैंप गोमगुड़ा में नक्सली हमला, दो जवान घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

सुकमा जिले के चिंतलनार थाना क्षेत्र में खोले गए नए कैंप में बीती रात नक्सलियों ने फायरिंग की, जिसके बाद जवानों की जवाबी कार्रवाई में नक्सली भाग खड़े हुए। इस हमले में दो जवानों को मामूली चोट आई है, जिनका उपचार ⏭ शेष पेज 2 पर

- सुकमा जिले के चिंतलनार थाना क्षेत्र की घटना

सर्च ऑपरेशन जारी

घायलों को प्राथमिक इलाज कैंप में ही दिया जा रहा है, जहां डॉक्टर उनकी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। इस हमले के बाद सुरक्षाबलों ने भी जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी। जिसके बाद नक्सली जंगल की ओर भाग निकले। घटना के बाद इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और नक्सलियों की तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

दिल्ली से यूपी तक बारिश, उत्तर भारत में बेदर्द होगा मौसम

शिमला में बर्फबारी, हिमाचल में 177 सड़कें बंद, छत्तीसगढ़ में होगी बारिश!

जानें देश का हाल

- मध्यप्रदेश में अगले दो दिन कड़ाके की ठंड
- उत्तरप्रदेश के कई इलाकों में हो सकती है बारिश
- उत्तराखंड में आज बारिश और बर्फबारी के आसार
- राजस्थान में कई इलाकों में बारिश-ओले गिरने की संभावना

उत्तर भारत शीतलहर और भीषण ठंड की चपेट में है। सुबह कोहरे और दिनभर चलने वाली ठंडी हवाओं ने लोगों की परेशानी को और ज्यादा बढ़ा दिया है। इस बीच एक बार मौसम में बड़ा बदलाव हो सकता है। आने वाले 48 घंटे में बारिश के आसार है। इसके बाद ठंड और ज्यादा बढ़ सकती है। छत्तीसगढ़ के कुछ इलाकों में हल्की बारिश का अनुमान मौसम विभाग ने जताया है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

हिमाचल प्रदेश के कई जिलों में लगातार बर्फबारी के चलते 177 सड़कें बंद हो गईं। इनमें तीन राष्ट्रीय राजमार्ग भी शामिल हैं। शिमला, लाहौल-स्पीति, किन्नौर और कुल्लू सहित कई इलाकों में बर्फबारी से ठंड का प्रकोप बढ़ गया है। शिमला होटल एंड टूरिज्म स्टेकहोल्डर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष एमके सेठ ने बताया कि बर्फबारी के कारण शिमला में होटल बुकिंग 70 प्रतिशत से अधिक हो गई है। बर्फबारी के चलते पर्यटक सफेद क्रिसमस की उम्मीद में बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। कश्मीर के ऊंचे इलाकों में मंगलवार को बर्फबारी होने के साथ ही घाटी में शीतलहर जारी रही और न्यूनतम तापमान हिमांक बिंदु से कई डिग्री नीचे दर्ज किया गया। रात के समय पर्यटन स्थल सोनमर्ग और घाटी के ऊंचाई वाले कुछ ⏭ शेष पेज 2 पर

बस्तर और आसपास जिलों में पड़ेंगे छींटे

छत्तीसगढ़ में 25 दिसंबर को बस्तर संभाग और उससे लगे जिलों में एक दो स्थानों पर हल्की वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। पश्चिमी विक्षोभ पंजाब और उसके उससे लगे क्षेत्र में 3.1 किलोमीटर से 4.5 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। इसके प्रभाव से प्रदेश में हवा की दिशा में परिवर्तन हो गया है, जिसके कारण पर्याप्त मात्रा में नमी आ रही है।

अटल टनल में फंसे 500 पर्यटकों का रेस्क्यू

अतिरिक्त मुख्य सचिव ओंकार शर्मा ने बताया कि कुल्लू जिले के अटल टनल के पास फंसे 500 से अधिक पर्यटकों को सोमवार देर रात सुरक्षित बचा लिया गया। बर्फबारी के कारण अटल टनल के रास्ते पर लगभग 1000 गाड़ियां फंस गई थीं।

ऋण पुस्तिका बनाने पटवारी और कोटवार ने ली रिश्वत, गिरफ्तार

चिन्मय अग्रवाल आरोपी

भूषण लाल आरोपी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

पाटन क्षेत्र में एसीबी की टीम ने दबिश देकर पटवारी और कोटवार को गिरफ्तार किया है। ऋण पुस्तिका बनाने के लिए 70 हजार रुपए में डील हुई थी। इसमें पहली किस्त 20 हजार रुपए देते वक्त एसीबी की टीम ने दबिश दी। दोनों के खिलाफ धारा 7 पीसीएक्ट 1988 के तहत ⏭ शेष पेज 2 पर

- पहली किस्त 20 हजार देते पकड़ाया

ऐसे हुई थी डील

शिकायत सत्यापन दौरान मोलभाव कर 70 हजार रुपए में सहमति बनी। पीड़ित ने 20 हजार रुपए की व्यवस्था कर पाया। जिसे 24 दिसंबर को ट्रैप आयोजित कर पीड़ित से आरोपी पटवारी चिन्मय अग्रवाल ग्राम सुरपा, तहसील पाटन और सहयोगी कोटवार भूषण लाल टेमरी को पीड़ित ने पहली किश्त 20 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा गया।

तहसील कार्यालय में हड़कंप

एसीबी की टीम पहुंचने के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पटवारी और कोटवार के गिरफ्तारी की जानकारी लगने पर तहसील कार्यालय में हड़कंप मच गया।

गहरी खाई में गिरा सेना का ट्रक, पांच जवानों की मौत

एजेंसी ⏭ मेंढर/जम्मू

जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में मंगलवार शाम सेना का ट्रक सड़क से फिसलकर करीब 350 फुट गहरी खाई में गिर गया। इसमें पांच सैनिकों की मौत हो गई और तीन जवान लापता हो गए। इस हादसे में पांच अन्य घायल हो गए। यह दुर्घटना घरोआ इलाके में उस समय हुई, जब सेना का एक ट्रक जिले के बनोई जा रहा था। उन्होंने बताया कि बचाव दल ने पांच शव बरामद कर लिए हैं। अधिकारियों ने बताया कि ट्रक करीब 350 फुट गहरी खाई में गिर गया। व्हाइट नाइट कोर की ओर से बताया गया कि रेस्क्यू ऑपरेशन देर रात तक जारी रहा।

पिछले माह पांच जवानों की हुई थी मौत

इससे पहले, नवंबर में दो अलग-अलग घटनाओं में 5 जवानों की मौत हो गई थी। 4 नवंबर को राजौरी में सड़क हादसे में नायक दो जवानों की जान चली गई थी। वहीं, 2 नवंबर को रियासी जिले में कार खाई में गिर जाने से तीन लोगों की मौत हो गई थी।

छग में भी होंगे 14 मंत्री, सीएम बोले- सब होगा, थोड़ा इंतजार करें

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरियाणा की तरह ही अब छत्तीसगढ़ में साय मंत्रिमंडल में 14 मंत्री बनाने की तैयारी है। एक दिन पहले ही प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दिल्ली में रात को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर मंथन किया है। दिल्ली से लौटने के बाद हरियाणा की तरह ही 14 मंत्रियों के सवाल पर मुख्यमंत्री साय ने साफ कहा, सब होगा, बस थोड़ा इंतजार करें। हरिभूमि ने 24 ⏭ शेष पेज 2 पर

हरिभूमि फॉलोअप

देर रात विष्णुदेव साय पहुंचे राष्ट्रीय अध्यक्ष के निवास मंत्रिमंडल विस्तार पर चर्चा
नड्डा से मिले विष्णु, हरियाणा की तरह 14 मंत्री संभव
बिलासपुर, रायपुर, बस्तर को मिल सकते हैं एक-एक

हरियाणा में भाजपा की सरकार में हमेशा 14 मंत्री

हरियाणा और छत्तीसगढ़ के संदर्भ में देखा जाए तो दोनों राज्यों में विधानसभा की 90-90 सीटें हैं। हरियाणा में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनी है। इस बार भी सरकार में 14 सदस्यों का मंत्रिमंडल बनाया गया है। पहले जब मनोहर लाल खट्टर की सरकार बनी थी तो उसकी सरकार में छह कैबिनेट मंत्री, तीन स्वतंत्र प्रभार और पांच राज्य मंत्री थे। इसके बाद दूसरी बार मनोहर लाल खट्टर के मंत्रिमंडल में दस कैबिनेट मंत्री और चार राज्य मंत्री थे। मनोहर लाल खट्टर के स्थान पर जब नायब सैनी मुख्यमंत्री बनाए गए तो उनकी कैबिनेट में सात कैबिनेट और सात राज्य मंत्री थे। अब एक बार फिर से नायब सैनी मुख्यमंत्री बने हैं तो उनके कैबिनेट में 12 कैबिनेट मंत्री और दो राज्य मंत्री है। जहां तक छत्तीसगढ़ का सवाल है तो डॉ. रमन सिंह के तीन बार मुख्यमंत्री रहते हुए ⏭ शेष पेज 2 पर

आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी कार्यक्रम का किया ऐलान

दुबई में 23 फरवरी को भिड़ेंगे भारत और पाक

एजेंसी ⏭ दुबई

भारत चैंपियंस ट्रॉफी के अपने सभी लीग मैच दुबई में खेलेगा। इसमें 23 फरवरी को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबला होगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। पीटीआई ने पिछले सप्ताह ही बता दिया था कि भारत अगर क्वालीफाई करता है तो सेमीफाइनल और फाइनल सहित अपने सभी मैच दुबई में खेलेगा। आईसीसी आयोजनों में जैसा कि होता आया है, भारत और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखा गया है। इस ग्रुप में न्यूजीलैंड और ⏭ शेष पेज 2 पर

इस बार 15 मैच

पिछली बार 2017 में खेले गए 50 ओवर के इस प्रमुख आयोजन में इस बार 15 मैच होंगे। इसमें से कम से कम 10 मैच पाकिस्तान में खेले जायेंगे। पाकिस्तान में रावलपिंडी, लाहौर और कराची तीन मेजबान स्थल होंगे और दूसरा सेमीफाइनल लाहौर के पुनर्निर्मित गद्दाफी स्टेडियम में होगा।

20 फरवरी को शुरुआत करेगा भारत

भारत अपने अभियान की शुरुआत 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ करेगा और तीन दिन बाद पाकिस्तान से भिड़ेगा। टीम का अंतिम लीग मैच दो मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ होगा। ग्रुप बी का अभियान 21 फरवरी को कराची में खेले जाने वाले अफगानिस्तान बनाम दक्षिण अफ्रीका मुकाबले से शुरू होगा।

जैकेट के शेष

ग्रामीणों से नक्सलियों ....

जारी किया हैं। नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी की चपेट में आने से ग्रामीणों की मौत के बाद नक्सली संगठन से बयान जारी कर आदिवासियों को जंगल जाने से रोका जा रहा हैं। सूत्रों के मुताबिक नक्सलियो के द्वारा अपने प्रभाव वाले इलाके में बकायदा मुनादी भी कराई जा रही है।

गांव गांव में ग्रामीणों को दो टूक नक्सलियों के द्वारा कहा जा रहा हैं कि पहाड़ियों और जंगलों में घूमना बंद करो,वहां सैकड़ों बम लगा रखा हैं। पहाड़ों और जंगलों में आम जनता को नहीं जाने की अपील करते हुए नक्सली संगठन की ओर से कहा जा रहा कि हिदायत देने के बाद भी जंगल और पहाड़ियों में कोई जाते हैं और कुछ घटना होती हैं तो नक्सली संगठन किसी की मौत के लिए जिम्मेदार नहीं होगा। 15 दिसंबर को दंतेवाड़ा जिले में आईईडी की चपेट में आने से ग्रामीण की मौत की जिम्मेदारी लेते हुए नक्सलियों ने मृतक के परिवार और आम जनता से माफी मांगी है।

धमाकों में कई हुए ....

लेकिन कई बार इनकी चपेट में आम ग्रामीण और बेजुबान जानवर भी आ जाते हैं। विस्फोट की चपेट में आकर कई ग्रामीण दिव्यांग हो चुके हैं और कई ने अपनी जान भी गंवाई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस साल बस्तर के अलग-अलग इलाकों में 45 विस्फोट की घटनाएं हुई हैं जबकि वर्ष 2023 में 47 विस्फोट की घटनाएं हुई थी। पिछले पांच सालों में करीब 250 से ज्यादा विस्फोट की घटनाएं हो चुकी हैं।

एक के बाद ....

कोर इलाके में कैंप खोलकर जवान डटे हुए हैं। दंतेवाड़ा में नक्सलियों के बारूद से एक ग्रामीण की मौत के बाद नक्सलियों के द्वारा ग्रामीणों को जंगल और पहाड़ियों में नहीं जाने का फरमान जारी किया गया है। नक्सली हिदायत के बाद इलाके में सर्च अभियान बहुत ही तेज गति से किया जा रहा है। जिसके चलते बस्तर के इतिहास में पहली बार पुलिस के जवानों को जमीन के अंदर दफन पांच पांच किलो के 15 नग आईईडी बरामद हुआ है। अबूझमाड़ के कच्चापाल की पहाड़ियों में मिले बम से पुलिस भी हैरान है। दो दिन पहले इसी जगह पर डीआरजी के दो जवान आईईडी की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हुए थे। जिनका रायपुर में उपचार किया जा रहा है।

5-5 किलोग्राम का था विस्फोटक : मौके पर बीडीएस टीम पहुंचकर सुरक्षा बलों के मदद से सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए अलग- अलग स्थानों पर श्रृंखलाबद्ध तरीके से लगाए गए 15 नग आईईडी बरामद किया गया। जिसका अनुमानित वजन करीब 05-05 किलोग्राम है, जिसे सुरक्षित तरीके से मौक पर नष्टीकरण किया गया।

इस साल 30 से ज्यादा ग्रामीण भी हो चुके घायल : कुछ दिन पहले इसी जगह पर डीआरजी नारायणपुर के दो जवान घायल हुए थे। माओवादियों द्वारा लगाए गए आईईडी से इस साल अब तक 30 से ज्यादा ग्रामीण घायल हो चुके हैं। 18 दिसम्बर 2024 को जिला मुख्यालय नारायणपुर से दुर्गम, पहुंच विहीन अबूझमाड़ क्षेत्र के ग्राम कच्चापाल में नवीन सुरक्षा एवं जनसुविधा कैम्प स्थापित किया गया है। घटना थाना कोहकामेटा क्षेत्र का है।

गंभीर नुकसान पहुंचाने ....

अभियान पर ग्राम तोक-मुसेर की ओर रवाना हुई थी। सुरक्षा बल जब कच्चापाल-तोके क्षेत्र के एरिया का सर्चिंग करते जा रहे थे, तभी सर्चिंग के दौरान यह पता चला कि कच्चापाल-तोके के बीच पहाड़ी में माओवादियों द्वारा सुरक्षा बलों को जान से मारने और गंभीर नुकसान पहुंचाने की नीयत से पूर्व से श्रृंखलाबद्ध तरीके से आईईडी लगाई गई है। सुरक्षा बलों को उक्त आईईडी के दिखने पर अपनी बेहतर सूझबूझ से घटना स्थल की घेराबंदी कर तत्काल बीडीएस टीम को बुलाया गया।

'कुंवारी महतारी'... तीन ....

कांग्रेस नेता जानकी राम के परिवार की महिलाएं बुधमनी पति लखमू राम बघेल पंजीयन क्रमांक 006073739,पार्वती पति पदम पंजीयन क्रमांक 006076077 और कलावती पति कुरसो पंजीयन क्रमांक 6081187 को मिल रहा है। शिकायत के बाद जांच शुरू हो गई है इसलिये उन्हें दी गई राशि का खाता होल्ड कर दिया गया है। साथ ही वसूली की कार्रवाई भी की जायेगी। भाजपा नेताओं का दावा है कि यह तीनों महिलाएं कांग्रेस नेता के परिवार की है जिन्हें फर्जी दस्तावेज बनाकर महतारी वंदन योजना का लाभ दिया गया है।

सरपंच, सचिव पर....

साथ ही सरपंच, सचिव को नोटिस जारी किया गया है, इन्होंने प्रमाण जारी किया है। यदि प्रमाणपत्र फर्जी पाया जायेगा तो जालसाजी का मामला पुलिस को सौंपा जायेगा।

गलत फायदा उठाने ....

फर्जी दस्तावेज बनाकर योजना का लाभ दिलाया है यह गंभीर बात है। एसडीएम बकावण्ड जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करें,ताकि अपात्र को लाभ न मिले।

ये हैं असली हकदार...

यहां रहने वाली श्यामवती गावड़े ने बताया कि हम लोग महतारी वंदन योजना के लिए संबंधित अधिकारी के पास फरियाद लेकर गए, मंत्री से भी मिले, लेकिन हमारी समस्या का समाधान ही नहीं किया गया। गांव से आने-जाने में काफी दिक्कत होती है। रास्ता बहुत खराब है। एक आदमी को आने जाने में 100 रुपए खर्च होता है, हम कहां से किराए करके जाएंगे। हमारी दयनीय स्थिति है। राशन पानी के लिए लाले पड़ जाते हैं। अपना पैसा लगाकर प्रयास कर रहे हैं कोई नहीं सुन रहा है। गांव में ऐसे परिवार है जिनके यहां कुछ भी नहीं होता है सुबह खाना बना तो शाम को क्या बनाएंगे सोच के पड़ जाते हैं। उनके लिए एक हजार रुपए एक सहारा हो जाता। गरीब परिवार को सहारा मिल जाता है। एक आस लेकर हम लोग बैठे हैं, लेकिन अभी तक इस योजना का लाभ नहीं दिया गया है। अगली बार वोट होगा तो हम वोट डालने नहीं जाएंगे, हमें ठग देते हैं।

अब हम वोट ....

रहा मैं नहीं जानती। इसके बाद हम सब महिला बाल विकास के कार्यालय गए। यहां पर हमें बताया गया कि अब दूसरी बार फॉर्म डालना। हम सभी बोलते हैं, दुनिया में सभी को मिल रहा है तो हमें लाभ कैसे नहीं मिल रहा है। अब वोट मांगने आएंगे तो हम वोट नहीं देंगे

12 साल बाद ....

सिद्दीकी और नरेंद्र मेहेर के माध्यम से हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका में बताया है कि जांजगीर चांपा जिले के रक्षित केंद्र में पदस्थापना के दौरान उसके विरुद्ध धारा 306 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया था। विवेचना के बाद 16 फरवरी 2012 को सेवा से पृथक करने का आदेश पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा ने जारी किया था। पुलिस अधीक्षक के फैसले को चुनौती देते हुए आईजी बिलासपुर रेंज के समक्ष अपील पेश की थी। आईजी ने एसपी के आदेश को सही माना। आईजी के आदेश के खिलाफ उसने डीजीपी के समक्ष अपील पेश की। अपील व दया याचिका पर सुनवाई करते हुए डीजीपी ने 31 मार्च 2017 को उसकी दया याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी कि उसके कृत्य से पुलिस विभाग की छवि धूमिल हुई है। इसके बाद हाईकोर्ट में अपील की गई। मामले की सुनवाई जस्टिस रजनी दुबे की सिंगल बेंच में हुई।

ग्राम चारभांठा में आयोजित बाबा गुरु घासीदास जयंती समारोह में पहुंचे थे विधायक

बेमेतरा विधायक दीपेश पर पेट्रोल बम से हमला बाल-बाल बचे, साउंड सिस्टम आपरेटर घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बेमेतरा

सोमवार रात बाबा गुरु घासीदास जयंती कार्यक्रम के दौरान बेमेतरा विधायक दीपेश साहू पर हमले का मामला सामने आया है। बता दें कि सोमवार को जिला मुख्यालय से लगभग 7 किलोमीटर दूर ग्राम चारभांठा में बाबा गुरु घासीदास जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में बेमेतरा विधायक दीपेश साहू लगभग 10 से 11 बजे के बीच मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए थे। इस बीच मंच पर उपस्थित अतिथियों के स्वागत के दौरान मंच के बाजू से अचानक किसी अज्ञात उपद्रवी तत्व ने शराब की बोतल में पेट्रोल भरकर मंच पर फेंक दिया। हालांकि विधायक दीपेश साहू पर फेंका गया पेट्रोल बम उन्हें नहीं लगा, लेकिन वहीं साउंड सिस्टम ऑपरेटर युवक के सर में लगा। इससे युवक के सिर में गंभीर चोट आई और वह लहूलुहान हो गया। घायल युवक को ग्रामीण तत्काल प्राथमिक उपचार के लिए डॉक्टर के पास ले गए। उधर मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस कार्यक्रम स्थल पर पहुंची और जांच में जुट गई।

अतिथियों के स्वागत कार्यक्रम के दौरान किसी ने मंच पर फेंकी पेट्रोल से भरी शराब की बॉटल

पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

घटना के दूसरे दिन मंगलवार को पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू ग्राम चारभाटा पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बताया जा रहा है कि ग्राम में सतनामी समाज के दो गुट बन गए हैं और दोनों गुटों द्वारा अलग-अलग जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

रात 11 बजे तक समर्थकों के साथ कलेक्टोरेट में बैठे रहे विधायक ईश्वर

इससे पहले सोमवार रात जिले की राजनीति में बावला मचा रहा। रात 11 बजे तक साजा के भाजपा विधायक ईश्वर साहू अपने समर्थक व पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ जिला मुख्यालय स्थित कलेक्टोरेट में कलेक्टर रणवीर शर्मा के खिलाफ मोर्चा खोलकर जमकर नारेबाजी करते हुए धरने पर बैठे थे, जो काफी मशक्कत और मान मनोव्वल के बाद शांत हुआ।

सोशल मीडिया में पोस्ट करने वाले को जमानत देने पर जताई नाराजगी

बता दें कि इससे विधायक ईश्वर साहू और उनके समर्थकों ने कांग्रेस नेता द्वारा सोशल मीडिया में किए गए पोस्ट से नाराजगी जताते हुए पुलिस से शिकायत की थी, लेकिन कुछ घंटों में ही एसडीएम ने उसे जमानत दे दी थी। इस पर नाराज विधायक और उनके समर्थकों ने कलेक्टर रणबीर शर्मा पर कांग्रेस के इशारे पर काम करने का आरोप लगाते हुए उनके कार्यालय परिसर में ही धरना दे दिया, जो बड़ी मुश्किल से शांत हुआ।

रूस में जेल में बंद अमेरिकी को 15 साल की कैद

मॉस्को। रूस में रिश्वतखोरी के आरोप में जेल में बंद एक अमेरिकी नागरिक को जासूसी के जुर्म में 15 साल के कारावास की सजा सुनाई गई है। रूस की समाचार एजेंसियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मॉस्को की एक अदालत ने अगस्त 2023 में जीन स्पेक्टर के खिलाफ जासूसी के आरोपों पर सुनवाई शुरू की थी।

पेज एक के शेष

हाईकोर्ट का फैसला- मौजूदा...

नहीं है। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि मेडिकल में नेक्रोफीलिया एक तरह की अजीब बीमारी है, जिसमें पीड़ित व्यक्ति का शव की तरफ यौनाकर्षण होता है। विशेषज्ञों का दावा है कि, दुनिया में इस मानसिक बीमारी के कई मामले सामने आ चुके हैं।

साल 2018 में घर...

से भी बेटी की तलाश की, पर वो नहीं मिली। कहीं पता नहीं चलने पर बच्ची की मां पुलिस के पास गई, जिसके बाद पुलिस ने खोजबीन शुरू की। सुनसान इलाके में बेटी की लाश मिली। पुलिस ने घटनास्थल से खून से सनी मिट्टी समेत अन्य सामान जब्त किया। 22 अक्टूबर 2018 को आरोपी नीलकंठ उर्फ नीलू नागेश को पुलिस ने गिरफ्तार कर पूछताछ की। उसके बताए जगह से पुलिस ने कुदाल, मृतका की एक जोड़ी पायल, घटना के समय आरोपी नीलकंठ की फुल शर्ट समेत अन्य सामान जब्त किए। आरोपी नीलकंठ के बयान के बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी नितिन यादव को भी गिरफ्तार कर लिया।

मुख्य आरोपी को आजीवन...

में अपील की। इस मामले में मृतका बच्ची की मां ने हाईकोर्ट में हस्तक्षेप याचिका दायर की थी। डिवीजन बेंच ट्रायल कोर्ट के फैसले को सही ठहराते हुए आरोपियों की अपील भी खारिज कर दी है।

कैंप गोमगुड़ा में...

किया जा रहा है। घटना की पुष्टि करते हुए आईजी सुंदरराज पी ने बताया कि सोमवार रात नक्सलियों द्वारा फायरिंग किया गया,सुरक्षा बलों द्वारा आत्मरक्षार्थ में फायरिंग किया गया। नक्सलियों के फायरिंग से 206 कोबरा बटालियन के 2 जवान घायल हो गए जिन्हें प्राथमिक उपचार के लिए रवाना किया गया है। दोनों जवान खतरे से बाहर हैं। जानकारी के मुताबिक सुकमा जिले के कैंप गोमगुड़ा में नक्सलियों ने अचानक हमला कर दिया। नक्सलियों द्वारा आउटर कार्डन ड्यूटी पर तैनात जवानों को निशाना बनाते हुए बीजीएल (ग्रेनेड लांचर) दागा गया। इस हमले में दो जवान घायल हो गए।

शिमला में बर्फबारी, हिमाचल...

अन्य इलाकों में हल्की बर्फबारी हुई। तापमान में गिरावट के कारण जलापूर्ति वाली पाइप लाइन में पानी जम गया जबकि कई जलाशयों की सतह पर बर्फ की पतली परत जम गई। कश्मीर में भीषण ठंड जारी है और सोमवार को श्रीनगर में अधिकतम तापमान 2.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से छह डिग्री कम रहा। मौसम विभाग के अनुसार, श्रीनगर में न्यूनतम तापमान शून्य से 6.6 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो पिछली रात से तीन डिग्री कम है। दक्षिण कश्मीर में वार्षिक अमरनाथ यात्रा के आधार शिविर पहलगाम में न्यूनतम तापमान शून्य से 7.8 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। विभाग ने बताया कि उत्तरी कश्मीर में 'स्कीइंग' गतिविधियों के लिए मशहूर पर्यटक स्थल गुलमर्ग में रात का तापमान शून्य से 7.4 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो पिछली रात से लगभग तीन डिग्री सेल्सियस कम है।

ऋण पुस्तिका बनाने...

कार्रवाई की गई है। बताया जा रहा है कि ग्राम रानीतराई पाटन निवासी प्रकाश चंद्रा देवांगन ने रायपुर एसीबी की टीम से शिकायत की थी। इसमें उसके माता के नाम पर ग्राम सुरपा तहसील पाटन जिला दुर्ग में कृषि भूमि खरीदी थी। इस जमीन का प्रमाणीकरण कर ऋण पुस्तिका देने के लिए पटवारी चिन्मय अग्रवाल ने इसके लिए 90 हजार रुपए का रिश्वत की मांग की थी। पीड़ित रिश्वत नहीं देना चाहता था, बल्कि आरोपी को रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़वाना चाहता था।

छग में भी होंगे...

दिसंबर के अंक में ही इस खबर को प्रमुखता के साथ प्रकाशित किया है। छत्तीसगढ़ जब नया राज्य बना था तो पहले मुख्यमंत्री अजीत जोगी और इसके बाद डॉ. रमन सिंह के मंत्रिमंडल में पहले 17 से 18 मंत्री होते थे, लेकिन मंत्रिमंडल में संख्या को जब केंद्र सरकार द्वारा 2003 में संविधान में संशोधन करके प्रतिशत में तय किया गया, तो इसके बाद बड़े राज्यों के लिए विधायकों की संख्या का दस फीसदी और छोटे राज्यों के लिए 15 फीसदी तय किया गया है। इसके बाद से ही छत्तीसगढ़ में मंत्रिमंडल को 13 सदस्यों तक सीमित कर दिया गया है, जबकि जानकारों का साफ कहना है कि यहां पर आसानी से 14 मंत्री हो सकते हैं। हरियाणा में भी 90 विधायक है और छत्तीसगढ़ में भी विधायकों की संख्या 90 ही है। हरियाणा में भाजपा सरकार में हमेशा ही 14 मंत्री रहे हैं। अब छत्तीसगढ़ में भी 14 मंत्री बनाने की तैयारी प्रारंभ हो गई है।

हरियाणा में ..

उनके मंत्रिमंडल में सदस्यों की संख्या 13 ही रही है। पहली बार 2018 में प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनी तो मुख्यमंत्री भूपेश बघेल बने। उनके मंत्रिमंडल में भी 13 ही मंत्री रहे हैं।

दुबई में 23 फरवरी...

बांग्लादेश भी हैं। ग्रुप बी में दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान और इंग्लैंड शामिल हैं। टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच 19 फरवरी को कराची में खेला जाएगा। इस मैच में मेजबान पाकिस्तान का सामना न्यूजीलैंड से होगा। इसका फाइनल नौ मार्च को होगा। टूर्नामेंट की मेजबानी को लेकर गतिरोध समाप्त होने के बाद टूर्नामेंट का कार्यक्रम काफी विलंब से जारी हुआ। इसमें आईसीसी ने भारत के मैचों को उसकी इच्छानुसार तटस्थ स्थान पर रखा है। आईसीसी ने 2027 तक भारत में होने वाले वैश्विक आयोजनों के लिए पाकिस्तान के लिए भी समान व्यवस्था की है। चैंपियंस ट्रॉफी में भाग लेने वाली आठ टीमों का निर्धारण पिछले साल भारत में हुए एकदिवसीय विश्व कप की अंक तालिका के आधार पर हुआ। इसमें शीर्ष आठ स्थान पर रहने वाली टीमों ने इसका टिकट पक्का किया। आईसीसी ने सेमीफाइनल और फाइनल में रिजर्व दिवस का प्रावधान रखा है। आईसीसी ने पाकिस्तान की यात्रा करने से भारत के इंकार बाद हाइब्रिड मॉडल के साथ कार्यक्रम की घोषणा की।

स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड
भिलाई इस्पात संयंत्र
सेल SAIL भिलाई, जिला - दुर्ग, छत्तीसगढ़, भारत, 490001
Great Place To Work. Certified

भिलाई इस्पात संयंत्र एवं इसके खदानों के चिकित्सालयों में कन्सल्टेन्टस (डॉक्टर्स इन मेडिकल डिसिप्लीन्स) की नियुक्ति हेतु वॉक-इन-इन्टर्व्यू

भिलाई इस्पात संयंत्र एवं इसके खदानों के चिकित्सालयों में कन्सल्टेन्टस (डॉक्टर्स इन मेडिकल डिसिप्लीन्स) स्पेशलिस्ट / जी डी एम ओ की नियुक्ति हेतु नीचे दिये गये पात्रता मानदण्डों को पूरा करने वाले चिकित्सकों हेतु वॉक-इन-इन्टर्व्यू आयोजित किया जा रहा है:-

S. No.	Discipline	No. of Posts	Essential Qualification	Rates of Monthly Consolidated Remuneration (Rs. per month)		Place of posting
				Bhilai	Mines	
Specialist:						
1	General Medicine	01 OBC (NCL)-BL*	MBBS with PG Diploma/ PG Degree in relevant speciality	For PG Diploma 1,20,000/- For PG Degree 1,60,000/-	For PG Diploma 1,40,000/- For PG Degree 1,80,000/-	Mines
2	Radio-diagnosis	01 (UR)				Bhilai
3	Obstetrics & Gynacology	01 (UR)				
GDMOs						
1	General Duty Medical Officers (GDMOs)	11(3 UR, 2SC 1ST 3 OBC (NCL) -1 BL 2 EWS)	MBBS	90,000/-	1,00,000/-	09 posts for Bhilai (Including CSR) & 02 posts for Mines

*BL = Backlog
GOMOs have been identified suitable for PwBD candidates with minimum 40% disability of (a) OA, OL, BL, OAL, CP, LC, Dw, AAV (Non-Surgical jobs), (b) SLD & (c) MD involving (a) to (b) above.

नोटः सिर्फ वही डॉक्टर जो मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया (एम.सी.आई.) या नेशनल मेडिकल कमीशन (एन.एम.सी.) या स्टेट मेडिकल काउंसिल (एस.एम.सी.) में पंजीकृत है अथवा स्टेट रजिस्टर या नेशनल रजिस्टर में वैध प्रेक्टीशनर लाइसेन्स रखते हों साथ ही एडवर्टाइसमेन्ट में दर्शित अन्य शर्तों को पूर्ण करतें हों, आवेदन कर सकते हैं।
10/01/2025 को ऊपरी आयु सीमा 69 वर्ष (वॉक-इन-इन्टर्व्यू की तिथि को)

वॉक-इन-इन्टर्व्यू का कार्यक्रम

दिनांक	समय	स्थान
10/01/2025	रिपोर्टिंग समय प्रातः 09:30 बजे	मानव संसाधन विकास केंद्र (मेन गेट के पास) भिलाई इस्पात संयंत्र

विज्ञापन, आवेदन प्रारूप आदि की पूरी जानकारी के लिये, कृपया हमारी कंपनी की वेबसाइट www.sail.co.in के "Careers" लिंक या https://sailcareers.com. पर जाये।
विज्ञापन.क्र.-बीएसपी-10 (भर्ती) / 24-25/ दिनांकः 24.12.2024
पंजीकृत कार्यालय : इस्पात भवन, लोधी रोड, नई दिल्ली - 110003
Corporate Identity Number : L27109DL1973GOI006454, Website : www.sail.co.in
हर किसी की जिंदगी से जुड़ा हुआ है सेल

कार्यालय नगरपालिका परिषद् दन्तेवाड़ा, जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.)

क्रमांक/1059/ तक./न.पा.परि / 2024-25 दन्तेवाड़ा, दिनॉक : 24.12.2024

मैनुअल पद्धति से निविदा आमंत्रण सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत फर्म / ठेकेदारों / एंजेसी / कंपनी से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु नगरपालिका परिषद, दंतेवाड़ा द्वारा मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	कार्य का नाम	अनु. लागत राशि (रूपये लाख में)	निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन की अंतिम तिथि
1	आकांक्षी शौचालय अंतर्गत 06 सीटर यूरिनल सहित शौचालय निर्माण कार्य।	16.92	03.01.2025
2	आकांक्षी शौचालय अंतर्गत 10 सीटर यूरिनल सहित शौचालय निर्माण कार्य।	28.20	
3	सार्वजनिक / सामुदायिक 02 शौचालयों का मरम्मत एवं उन्नयन कार्य।	8.17	

2. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय के तकनीकी शाखा से प्राप्त की जा सकती है। साथ ही यह जानकारी विभागीय वेबसाइट https://www.uad.cg.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद दन्तेवाड़ा
जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.)

Public Notice to General Public of Caveat to be lodged in the High Court of Chhattisgarh Under Rule 1(4) of High Court of Chhattisgarh Rules, 2007

[illegible]

Raja Sharma, Advocate
Counsel for CSPTCL

कार्यालय, नगर पालिका परिषद महासमुन्द (छ.ग.)
Telly Phone No-07723-224985, Email ID- nppmahasamund@gmail.com

क्र./672/ न.पा./ लो.नि.वि./ 2024-25 महासमुन्द, दिनांक 24.12.2024

// द्वितीय मैन्युअल पध्दति निविदा आमंत्रण सूचना//

नगरपालिका परिषद् महासमुन्द के अधीन निम्न निर्माण कार्य हेतु एकीकृत पंजीयन प्रणाली में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निविदा प्रपत्र- "A" में छ.ग. लोक निर्माण विभाग में प्रचलित भवन / सड़क एस.ओ.आर. (दिनांक 01.01.2015 से प्रभावशील) प्रचलित दर अनुसूची के आधार पर प्रतिशत दर पर आमंत्रित की जाती है-

1. निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि :- 30.12.2024 कार्यालयीन समय 5.30 बजे
2. आवेदन परीक्षण उपरांत निविदा प्रपत्र जारी करने की तिथि :- 06.01.2025 कार्यालयीन समय 5.30 बजे
3. पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट से निविदा पहुचने की अंतिम तिथि :- 14.01.2025 कार्यालयीन समय 3.00 बजे
4. निविदा खोलने की तिथि :- 14.01.2025 कार्यालयीन समय 4.00 बजे

क्र.	कार्य विवरण	निविदा राशि (रू. लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र की मुल्य	निविदा प्रपत्र	समयावधि	एस.ओ.आर. आयटम
1	वार्ड क्र. 15 में स्वामी चौक से बस्ति मल तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य।	6.45	4900.00	750.00	"A"	04 माह	CG PWD Road SOR 01.01.2015
2	वार्ड क्र. 25 में आर. सी.सी. नाली एंव पुलिया निर्माण कार्य।	19.91	15000.00	750.00	"A"	04 माह	CG PWD Road SOR 01.01.2015

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्ते एवं जानकारी कार्यालयीन अवधि मे कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। छत्तीसगढ नगरीय प्रशासन एवं विकास के वेब साईट http://uad.cg.gov.in/ मे देखी जा सकती है।
टीपः- निर्धारित गुणवत्ता युक्त सामग्री नही होने पर देयक का भुगतान नही किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद् महासमुन्द

राशिफल

मेष मानसिक शान्ति रहेगी, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। वस्त्रों पर खर्च बढ़ेंगे। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

वृष परिवार का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। किसी मित्र के सहयोग से आय में वृद्धि हो सकती है। यात्रा पर जाना हो सकता है।

मिथुन आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। कार्यभार में वृद्धि होगी। वाहन सुख में वृद्धि भी हो सकती है। व्यर्थ की चिंता बढ़ सकती हैं।

कर्क क्रोध के अतिरेक से बचें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा। संयत रहें।

सिंह आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। मन प्रसन्न भी रहेगा, परन्तु सन्तान के स्वास्थ्य से मन परेशान भी हो सकता है। किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं।

कन्या आत्मविश्वास में कमी रहेगी। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। स्वास्थ्य का ध्यान भी रखें। भागदौड़ अधिक रहेगी। खर्चों की अधिकता रहेगी।

तुला किसी मित्र के सहयोग से कारोबार में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार पर ध्यान रखें। कारोबारी कार्यों में कठिनाइयां आ सकती हैं।

धनु आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। संयत रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यर्थ की परेशानी बढ़ सकती है।

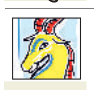
मकर क्रोध के अतिरेक से बचें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। शैक्षिक कार्यों में मनचाही सफलता मिलेगी।

कुंभ आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। धार्मिक कार्यों के लिए प्रयास करें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

मीन मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। पठन-पाठन में रुचि रहेगी, परन्तु शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों की अधिकता रहेगी।

शब्द पहेली - 5727

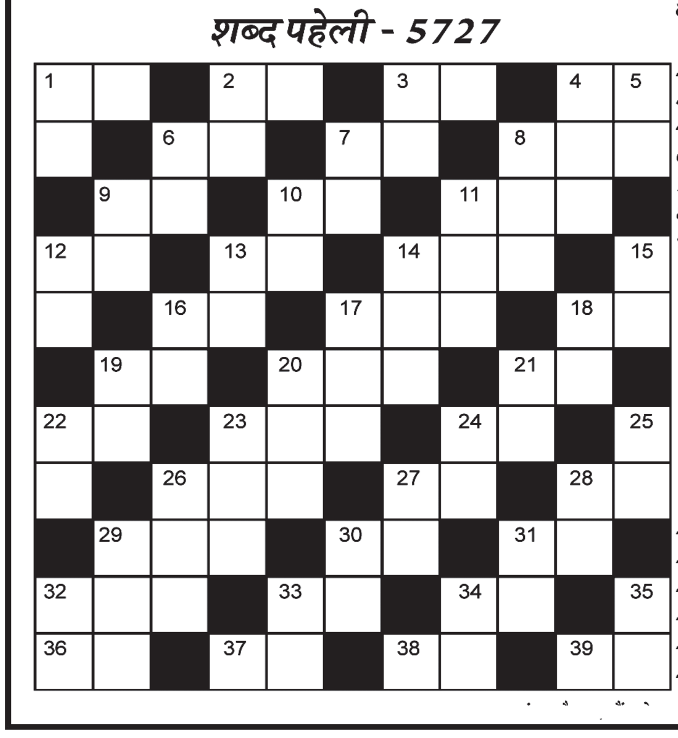

बाएँ से दाएँ
1.कार्य,काम-2
2.अग्नि,अनल-2
3.संग,संगत-2
4.मदिरा,शराब-2
6.चुटीली बात-2
7.उम्मीद-2
8.समाचार,सूचना-3
9.भगवान कृष्ण के खेल-2
10.छाया,परछाईं-2
11.कहासुनी-3
12.जी,चित-2
13.शिशा-2
14.पासों का खेल-3
16.करीना की फिल्म-2
17.आगे वाला-3
18.सीधा,सरल-2
19.वीर,बहादुर-2
20.दलदल,गाद-3
21.तांत,टेलीग्राम-2
22.वंश,खानदान-2
23.नशा,नशापानी-3
24.चिट्ठी,पत्र-2
26.सही का विलोम-3
27.ठिकाना-2
28.प्राण,दम-2
29.नरक (उर्दू-3)
30.बीता हुआ दिन-2
31.पोखर,तालाब-2
32.हताहत-3
33.दर,मूल्य-2
34.आयु-2
36.अंधकार-2
37.पांव,पैर-2
38.कान्हा-2
39.टैक्स,हाथ-2

ऊपर से नीचे
1.समय,वक्त-2
2.आगमन-2
3.पति की मां-2
4.भोर,सवेरा-3
5.झगड़ा-2
6.लॉक,द्वारयंत्र-2
7.घाव,नर्स,दर्द-2
8.अवरोध,रुकावट-3
9.मगन,मग्न-2
10.सप्त,सप्तम-2
11.लक्ष्मी,रमा-3
12.मौज,मजा-2
13.महाराजा-2
14.घिसन,रगस-3
15.गमन,जाना-2
16.पुनः,वापस-2
17.स्थिर-3
18.निश्चय-2
19.कांटा-2
20.मूल्य,दाम-3
21.पितामह-2
22.मजदूर-2
23.ईश्वर-3
24.भूल,गलती-2
25.मछली-2
26.नगमा-3
27.क्षण-2
28.पाश-2
29.दूसरा-3
30.थोड़ा-2
31.तांबा-2
32.हमला-2
33.कलंक-2
34.गरम-2
35.मयूर-2

शब्द पहेली -5726 का हल

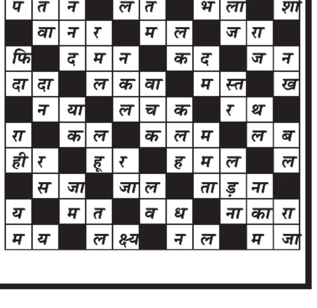

सूडोकू नवताल 5737

★★★★ कठिनतम

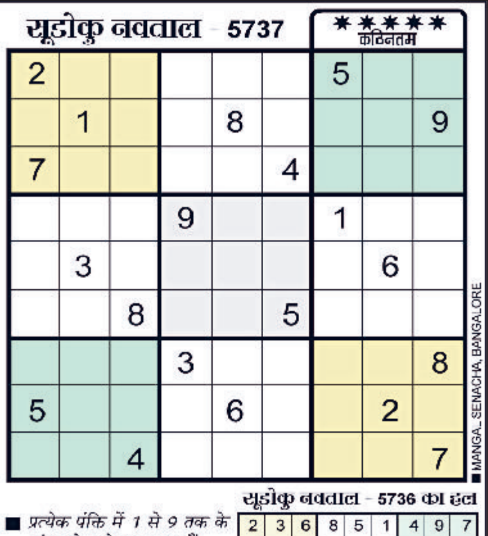

सूडोकू नवताल - 5736 का हल

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

मुंबई में अदालत कक्ष में सांप, कार्यवाही हुई बाधित

मुंबई। मुंबई के एक अदालत कक्ष में मंगलवार को फाइलों के ढेर पर एक सांप मिला, जिससे कार्यवाही करीब एक घंटे तक बाधित हुई। मुलुंड में मजिस्ट्रेट अदालत के कक्ष नंबर 27 में दोपहर तक कामकाज सामान्य था, लेकिन तभी एक पुलिसकर्मी ने फाइल के ढेर खंगालते समय दो फुट लंबा एक सांप देखा। अदालत कक्ष में मौजूद एक वकील ने बताया कि इस घटना से अदालत कक्ष में मौजूद लोगों में दहशत फैल गई, जिसके कारण न्यायाधीश को सुनवायी कुछ समय के लिए रोकनी पड़ी।

किरण सिंहदेव को मिलेगी दोबारा प्रदेश भाजपा की कमान

मंडल अध्यक्षों और जिलाध्यक्षों की लिस्ट 30 तक हो जायेगी तैयार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

छत्तीसगढ़ भाजपा अध्यक्ष की जिम्मेदारी एक बार फिर किरण सिंहदेव को मिलना तय हो गया है। अंतिम समय में शीर्ष नेतृत्व ने कोई परिवर्तन नहीं किया तो बूथ से मंडल होते हुए नव निर्वाचित जिलाध्यक्ष एकमत से किरण सिंहदेव का मनोनयन करेंगे। प्रदेश भाजपा संगठन के चुनावों को लेकर दिल्ली के छत्तीसगढ़ सदन में विमर्श रखा गया उसका मूलाधार यही था कि मंडल अध्यक्षों के बाद 30 तक जिलाध्यक्षों का निर्वाचन भी हो जाए। औपचारिक रूप से संगठन चुनव प्रभारी गजेंद्र राव सिंह पटेल और खुबचंद् पारख ने अब तक हुए चुनाव शीर्षासन की विस्तृत रिपोर्ट प्रदेश प्रभारी नितिन नवीन को सौंपी। दावा किया गया कि मंडल अध्यक्षों से लेकर जिलाध्यक्षों के चयन में नेतृत्व के मानदंडों का ख्याल रखते हुए अपेक्षाकृत युवा नेतृत्व देने की कोशिश है। मंडल अध्यक्षों के लिए उम्र

सीमा इस बार 45 वर्ष अधिकतम रखी गई जबकि जिलाध्यक्षों की उम्र 60 से कम तय की गई है।

भाजपा के युवा शाखा, भाजयुमो के अध्यक्ष केवल 32 साल के होंगे। केवल 86 दिनों में 60 लाख भाजपा संगठन में नये सदस्य जोड़ने के बाद सुबाई संगठन नेतृत्व उत्साहित है।

अंतिम मुहर लगना बाकी

सूत्रों ने बताया कि हर स्तर पर सभी को साथ लेकर चलने और संगठन को लेकर पूरी मजबूती से जूटे रहने वाले किरण सिंहदेव के नाम पर पुनः प्रदेश अध्यक्ष रूप में नियुक्ति पर राज्य के सभी शीर्ष नेताओं ने मंजूरी दी है, बस अंतिम मुहर दिल्ली का लगना बाकी है। नगरी निकाय चुनाव, विष्णुदेव सरकार में खाली पड़े विभिन्न राजनीतिक पदों पर नियुक्ति को लेकर भी आपसी चर्चा हुई। कुछ मंडल और जिला में आपसी खीचतान खत्म कर एकराय बनाने पर सहमति बनी। बैठक में प्रदेश प्रभारी नितिन नवीन, संगठन प्रभारी पवन साय, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री अरुण साव और विजय शर्मा, पार्टी अध्यक्ष किरण देव सहित संगठन के अन्य प्रमुख पदाधिकारियों ने भाग लिया।

परिवहन विभाग में भ्रष्टाचार: दिग्विजय की न्यायाधीश से जांच की मांग

भोपाल। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर मध्यप्रदेश परिवहन विभाग में भ्रष्टाचार की जांच उच्च न्यायालय के मौजूदा न्यायाधीश से कराने की मांग की। मध्यप्रदेश लोकायुक्त के विशेष पुलिस प्रतिष्ठान ने इस सप्ताह की शुरुआत में विभाग के एक पूर्व आरक्षक की संपत्तियों की तलाशी ली और रियल एस्टेट निवेश से संबंधित दस्तावेजों के अलावा करीब आठ करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की।

RAIPUR SMART CITY LIMITED
CIN U74999CT2016SGC007534
Registered Office: Floor 4, 5 & 6, City Kotwali Police Station, Chhotapara Road, Chhotapara, Raipur, Chhattisgarh 492001
Website:-https://smartcityraipur.cgstate.gov.in

Dis.No.23006/HR./RSCL/2024 Date:24/12/2024

APPOINTMENT OF KEY PERSONNEL ON CONTRACT BASIS

Raipur Smart City Limited (RSCL) intends to hire following Personnel on Contract Basis:

General Manager - Communications - 01 Post (Full Time)

1. Details of qualification & experience requirement can be viewed on https://smartcityraipur.cgstate.gov.in/recruitments.
2. Interested Candidates can apply ONLY ONLINE (mention "Post Name_Recruitment 2024" in Mail Subject) with their resume at hr.rscl.raipur@gmail.com from 24/12/24 to 30/12/2024 till 3:30 PM.
3. For queries & clarification, you may send your queries at hr.rscl.raipur@gmail.com.
4. The Managing Director, Raipur Smart City Limited has power to stop or cancel this process at any stage.

-sd-
Managing Director Raipur Smart City Limited

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग
नार्थ ब्लॉक, सेक्टर-19, नवा रायपुर अटल नगर (छ.ग.)

क्रमांक/4804/04/विज्ञापन / 2024 नवा रायपुर, दिनांक : 23/12/2024

संक्षिप्त विज्ञापन
व्यवहार न्यायाधीश (कनिष्ठ श्रेणी) परीक्षा - 2024

(1) छत्तीसगढ़ शासन, विधि और विधायी कार्य विभाग के अंतर्गत "**व्यवहार न्यायाधीश (कनिष्ठ श्रेणी)**" के 57 रिक्त पदों की पूर्ति हेतु छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करने के लिए विज्ञापन क्रमांक 04/2024/परीक्षा/दिनांक 23/12/2024 जारी किए गए हैं, जो छत्तीसगढ़ संवाद के समाचार पत्र "रोजगार और नियोजन" के अंक दिनांक 25/12/2024 में विज्ञापन एवं अन्य जानकारी प्रकाशित है। उक्त विज्ञापन में दर्शित शर्तों के अनुसार रिक्त पदों, जिसका विवरण नीचे की तालिका में दर्शित है, के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं:-

स. क्रं	पद का नाम	कुल रिक्तियों की वर्गवार संख्या				कुल रिक्तियों की वर्गवार संख्या में से महिलाओं के लिए माध्यम) आरक्षित पद				कुल रिक्तियों में से निःशक्तजनों के लिए आरक्षित पद	योग	वेतनमान
		अनारक्षित	अजा	अजजा	अपिव	अनारक्षित	अजा	अजजा	अपिव			
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
1	व्यवहार न्यायाधीश (कनिष्ठ श्रेणी)	24	7	18	8	7	2	5	2	2(LV/B/HH(Excluding Deaf) / Locomotor Disabilities/LC/Dw/AAV/MD/CP/Autism and Multiple Disabilities)	57	77840-136520 (Level-J-1)

Abbreviation Used: (LV-Low Vision, B-Blindness, HH-Hard of Hearing, LC-Leprosy Cured, Dw-Dwarfism, AAV-Acid Attack Victims, MD-Muscular Dystrophy, CP-Cerebral Palsy

(2) विज्ञापित पदों की आवश्यक अर्हताएं, आयु सीमा, शुल्क, निर्देश, परीक्षा योजना, पाठ्यक्रम आदि के संबंध में विस्तृत जानकारी "रोजगार और नियोजन" के अंक दिनांक 25/12/2024 में देखे जा सकते हैं। (3) उपर्युक्त पद हेतु आवेदकों की अर्हता निर्धारण के लिए उच्चतर आयु एवं आयु में छूट की गणना की निर्धारित तिथि 1 जनवरी 2025 है, जिसके संदर्भ में ही आयु की गणना की जाएगी। (4) ऑनलाइन आवेदन दिनांक 26/12/2024 मध्यान्ह 12:00 बजे से दिनांक 24/01/2025 रात्रि 11:59 बजे तक किया जा सकता है। (5) आयोग के वेब-साईट **www.psc.cg.gov.in** में भी विज्ञापन एवं विस्तृत जानकारी देखी जा सकती है। (6) आवेदक, उपरोक्त पदों हेतु आयोग के विज्ञापन क्र. 04/2024/परीक्षा/दिनांक 23/12/2024 में उल्लेखित कंडिकाओं के अनुसार ही ऑनलाइन आवेदन करें। (7) रोजगार और नियोजन का उक्त अंक छत्तीसगढ़ संवाद के निम्न पते से भी प्राप्त किया जा सकता है:- संपादक, रोजगार और नियोजन, छत्तीसगढ़ संवाद, नार्थ ब्लॉक, सेक्टर-19, अटल नगर, नवा रायपुर, छत्तीसगढ़ दूरभाष 0771-2512567.

सही/-
सचिव, छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग
नवा रायपुर अटल नगर

G-242504836/2

कार्यालय, प्रबंध संचालक, छ.ग. राज्य कृषि विपणन (मण्डी) बोर्ड
"सरदार वल्लभ भाई पटेल भवन" सेक्टर-24, कयाबांधा, अटल नगर, नवा रायपुर - 492018
फोन- 0771-2990592, email-mdcgmandiboard@gmail.com, website-www.agriportal.cg.nic.in

क्र. / बी-6 / वि. स. क्षेत्र रायपुर ग्रामीण / 48/24-25 / 6231 रायपुर, दिनांक 23/12/2024

मैनुअल निविदा आमंत्रण सूचना

छ.ग. राज्य कृषि विपणन मंडी बोर्ड रायपुर के द्वारा छ.ग. लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत 'द' एवं उच्च श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निविदा प्रपत्र 'अ' में निम्न दर्शित कार्यों हेतु लो.नि.वि. भवन, सड़क एवं ब्रिज निर्माण कार्य हेतु दिनांक 01.01.2015 से प्रभावशील एस.ओ. आर एवं इस निविदा सूचना जारी दिनांक तक संशोधित निविदाएं पंजीकृत डाक द्वारा आमंत्रित की जाती है। कार्य क्र. 01 से 19 तक निविदा प्रपत्र कार्यपालन अभियंता जिला रायपुर संभागीय कार्यालय पंडरी तराई रायपुर कार्य क्र. 20 जिला कोण्डागांव संभागीय कार्यालय जगदलपुर एवं कार्य क्र. 21 एवं 22 जिला बिलासपुर संभागीय कार्यालय बिलासपुर द्वारा विक्रय एवं खोले जाएंगे।

1. निविदा विक्रय की अंतिम तिथि - 17.01.2025 को सायं 5.00 बजे तक
2. निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि - 23.01.2025 को सायं 5.00 बजे तक
3. निविदा प्रपत्र खोले जाने की तिथि - 24.01.2025 को 3.00 बजे दोपहर से

क्र.	कार्य का नाम / स्थल	अनु. लागत (लाख में)	अमानत राशि रू में	निविदा प्रपत्र मूल्य	समयावधि
	वि.स. क्षेत्र रायपुर ग्रामीण जिला रायपुर वि.खं धरसींवा के ग्राम / ग्राम पंचायतों में विभिन्न निर्माण कार्य :-				
1	ग्राम माना बस्ती में साई मंदिर से शितला मंदिर तक सी.सी. रोड निर्माण ।	15.31	11500/-	1000/-	04 माह
2	ग्राम दतरेंगा में माध्यमिक स्कूल से उच्च स्कूल तक सी.सी. रोड निर्माण ।	19.71	15000/-	1000/-	04 माह
3	ग्राम काठाडीह में मेन रोड से शिवांश स्कूल तक सी सी रोड निर्माण कार्य।	15.84	12000/-	1000/-	04 माह
4	ग्राम सेजबहार में तालाब के पास सी. सी. रोड निर्माण कार्य।	10.27	8000/-	1000/-	04 माह
5	बाबू जगजीवन राम वार्ड नं. 53 में लालपुर अरोरा धर्मकांटा गली में धमतरी रोड को जोड़ने हेतु सी.सी. रोड निर्माण कार्य ।	19.51	15000/-	1000/-	04 माह
	वि.स. क्षेत्र धरसींवा जिला रायपुर वि.खं. धरसींवा के ग्राम / ग्राम पंचायतों में विभिन्न निर्माण कार्य :-				
6	ग्राम पंचायत कोदवा में दुर्गा चौक से ईश्वरी के घर से संतु देवांगन के घर तक 150 मी. सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य ।	8.88	7000/-	1000/-	04 माह
7	ग्राम पंचायत बंगोली में सुदामा कंडरा के घर से गनियारी सड़क 150 मी. सी. सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य।	9.64	7500/-	1000/-	04 माह
8	ग्राम पंचायत देवगांव में शाला परिसर में 200 मी.सी.सी. रोड निर्माण।	13.28	10000/-	1000/-	04 माह
9	ग्राम पंचायत बुड़ेनी में बोधी साहू के घर से बड़े तालाब तक 150 मी. सी. सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य ।	10.15	8000/-	1000/-	04 माह
10	ग्राम पंचायत कपसदा में 300 मी. सी. सी. रोड एवं नाली निर्माण।	19.21	15000/-	1000/-	04 माह
11	ग्राम पंचायत खपरीडीह खुर्द सीताराम सेन के घर से आत्माराम वर्मा के ब्यारा तक 250 मी. सी. सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य।	16.28	12500/-	1000/-	04 माह
12	ग्राम पंचायत खपरीडीह खुर्द में मेन रोड से द्वारिका के घर तक 250 मी. सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य।	15.81	12000/-	1000/-	04 माह
13	ग्राम पंचायत खपरीडीह खुर्द में रेशम बारले के घर से संदीप बारले के घर तक 300 मी. सी सी रोड एवं नाली निर्माण।	19.21	14500/-	1000/-	04 माह
14	ग्राम पंचायत खपरीडीह खुर्द में सुधु वर्मा के घर से मुख्य सड़क तक 200 मी. सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य।	15.30	11500/-	1000/-	04 माह
15	ग्राम पंचायत अकोली (देवरी) में गणेश कोसे के घर से गौठान तक एवं गौठान से महेश वर्मा के घर तक 300 मी. सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य।	18.71	14000/-	1000/-	04 माह
16	ग्राम पंचायत सोनतरा में मेन रोड से श्मशान घाट तक बस्तीपारा में 150 मी. सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य।	8.69	6500/-	1000/-	04 माह
17	ग्राम पंचायत सोनतरा में मेन रोड से श्मशान घाट तक भाठापारा में 180 मी. सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य।	10.18	8000/-	1000/-	04 माह
	वि.स.क्षे. अभनपुर वि. खं. अभनपुर में निर्माण कार्य :-				
18	ओवर हेड साईन बोर्ड मानिकचौरी में 12 मी. स्पॉन। (द्वितीय आमंत्रण)	10.87	8500/-	1000/-	03 माह
19	कृषि उपज मंडी समिति नवापारा के अभनपुर से नवापारा मेन रोड के बीच ओवर हेड साईन बोर्ड गोबरा में 25 मी. स्पॉन। (द्वितीय आमंत्रण)	18.91	14500/-	1000/-	03 माह
	वि.स. क्षेत्र केशकाल जिला कोण्डागांव के ग्राम पंचायतों में विभिन्न निर्माण कार्य :-				
20	वि. खं. बड़ेराजपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत बस्तरबुड़ा में जीवन मण्डावी घर के पास लं. 03 मीटर पुलिया निर्माण कार्य (द्वितीय आमंत्रण)	12.46	9500/-	1000/-	06 माह
	वि.स.क्षे. बिल्हा वि.खं. बिल्हा जिला बिलासपुर के ग्राम पंचायतो में विभिन्न निर्माण कार्य				
21	ग्राम / ग्राम पंचायत गतौरी में लक्ष्मण घर से जैतस्तंभ तक 200 मी सी. सी. रोड निर्माण। (द्वितीय आमंत्रण)	5.57	4000/-	1000/-	03 माह
22	वि. खं. बिल्हा जिला बिलासपुर के ग्राम / ग्राम पंचायत गतौरी में जैत स्तंभ से बुधराम घर तक 200 मी. सी.सी. रोड निर्माण। (द्वितीय आमंत्रण)	5.57	4000/-	1000/-	03 माह

शर्तें :- कार्यो के सम्मुख दर्शित अमानत राशि एफ.डी.आर./टी.डी.आर. के रूप में प्रबंध संचालक, छ.ग. राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड, रायपुर के नाम देय होगा, एवं निविदा से संबंधित शेष शर्ते कार्यालयीन समय में तथा निविदाएँ पंजीकृत डाक से कार्यालय संयुक्त संचालक, छ.ग. राज्य कृषि विपणन बोर्ड, प्रथम तल पण्डरी तराई कांपा रायपुर, संयुक्त संचालक, छ.ग. राज्य कृषि विपणन बोर्ड, पुराना कृषि उपज मंडी परिसर, केवरामुंडा संभागीय कार्यालय जगदलपुर एवं कार्यालय संयुक्त संचालक, छ.ग. राज्य कृषि विपणन बोर्ड, छ.ग. गृह निर्माण मण्डल अभिलाषा परिसर, एच. आई.जी. 1 डी 53 हाईटेक बस स्टेण्ड के पीछे तिफरा बिलासपुर मे निर्धारित दिनांक 17.01.2025 तक प्राप्त / देखी जाएंगे।

S-42549/3 **प्रबंध संचालक**

बिना ट्रेनर विमानों की पूर्ण उपलब्धता के खाक प्रशिक्षण लेंगे वायुसेना के पायलट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

मौजूदा समय में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनी हुई सुरक्षा चुनौतियों के बीच भारतीय वायुसेना के सामने खड़ी पायलटों के प्रशिक्षण की समस्या हर गुजरते दिन के साथ पहाड़ जैसी बड़ी होती जा रही है। वर्तमान में हालात यह हैं कि वायुसेना के पास कुल आवश्यकता के मुताबिक न तो प्रशिक्षण देने वाले ट्रेनर विमान हैं और न ही उन पर प्रशिक्षण लेने वाले पायलट मौजूद हैं। रक्षा मंत्रालय के ताजा आंकड़े इस तथ्य की पुष्टि करते हुए बताते हैं कि वायुसेना को तीन प्रकार (बेसिक, इंटरमीडिएट और एडवांस्ड) के कुल 368 ट्रेनर विमानों की आवश्यकता है। लेकिन उसके बेड़े में केवल 238 विमान हैं यानी 130 की आज भी कमी बनी हुई है। फरवरी 2015 के वायुसेना के आकलन के हिसाब से बल में 486 पायलटों की कमी थी। इसके अगले साल 2016 से 2021 तक इस कमी को पूरा करने के लिए 222 प्रशिक्षुओं की नियोजित आरंभिक भर्ती की जानी थी।

- वर्तमान में कुल 368 ट्रेनर विमानों की तुलना में 238 विमानों से काम

अब अमेठी में मिला 120 साल पुराना मंदिर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में संभल, वाराणसी और बुलंदशहर के बाद अमेठी में भी 120 साल पुराना शिव मंदिर मिला है, जिस पर अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों द्वारा कब्जा करने का आरोप है। इस मामले में स्थानीय लोगों ने एसडीएम को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई करने की मांग की है। एसडीएम ने इस मामले की जांच तहसीलदार को सौंप दी है। ये पूरा मामला मुसाफिरखाना थाना क्षेत्र के औरंगाबाद गांव का है, जहां गांव में स्थित 120 साल पुराने पंच शिखर शिव मंदिर को लेकर विवाद सामने आया है।

गांव वालों का आरोप है कि विशेष समुदाय के कुछ लोगों ने मंदिर पर कब्जा कर रखा है और पिछले 20 सालों से पूजा-पाठ पर रोक लगा दी गई है। ग्रामीणों का कहना है कि मंदिर की स्थापना करीब 120 साल पहले गांव के एक दलित परिवार ने करवाई थी, जिसके बाद यह मंदिर क्षेत्र के लोगों की आस्था का केंद्र रहा है।

NAVA RAIPUR ATAL NAGAR VIKAS PRADHIKARAN
Paryavas Bhawan, North Block, Sector- 19, Nava Raipur Aatal Nagar- 492 002, Chhattisgarh. Tel No: +91 771 2512000; Fax No.: +91 771 2512400.
Website: www.navaraipuratalnagar.com, http://eproc.cgstate.gov.in

E-Procurement Tender Notice

The Chief Executive Officer, **NRANVP** invites tender for following work:
NIT No 68/ARS/EEC-III/CE/NRANVP/2024-25, Nava Raipur Atal Nagar, Dist. Raipur, Date 23.12.2024
Name of Work: "Approach Road to Connect MLA, IAS,SAS,MKS & EWS Colony at Serikhedi and Other Allied Infrastructure work at NAVA Raipur Atal Nagar, Dist. Raipur (C.G.) (1st Call) ".
Estimated cost: **INR 21.95 Crs.**, EMD: **INR 22,95 Lakh,** Period of Completion: **15 Months**
Last Time & Date of Online Submission: 15:00hrs on 15.01.2025
The E-Procurement tender documents can be downloaded from the portal (Website) **http://eproc.cgstate.gov.in** directly and shall be submitted online on the same website only after making on payment of bid participation fees online.
Amendment in tender, if any, will only be uploaded on the website and shall not be published in any newspaper.

S-42542/3 **Chief Engineer NRANVP**

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग कवर्धा जिला - कबीरधाम (छ. ग.)

मैनुअल पद्धति निविदा सूचना क्र 08 (प्रथम आमंत्रण)

क्रमांक /3035/ निविदा /ग्रा.यां. सेवा /2023-24 कबीरधाम दिनांक 23/12/2024

छत्तीसगढ़ राज्य के राज्यपाल के ओर से केवल एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अन्तर्गत पंजीकृत "द" श्रेणी एवं उच्च वर्ग ठेकेदारों से निम्न दर्शित कार्य हेतु मैनुअल निविदा दिनांक 07.01.2025 तक आमंत्रित की जाती है । :-

क्र.	कार्य का विवरण	प्रत्येक कार्य की अनुमानित लागत (रू. लाख में)
1	2	3
1	सखी वन स्टॉप सेंटर भवन निर्माण कार्य कवर्धा (विद्युत कार्य छोड़कर)	47.25

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी विभागीय वेबसाईट **https://res.cg.gov.in** में अथवा कार्यालयीन अवधि में कार्यालय में उपस्थिति होकर दिनांक 24.12.2024 से देखी जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता,
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग कवर्धा
जिला कबीरधाम (छ.ग.)

G-242504830/3

छत्तीसगढ़ शासन, वन विभाग
दन्तेवाड़ा वनमण्डल, दन्तेवाड़ा

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जगदलपुर वृत्त के अन्तर्गत दन्तेवाड़ा काष्ठागार में उपलब्ध नीचे ईमारती नये / पुराने काष्ठ का ई-ऑक्शन द्वारा निवर्तन निम्नानुसार किया जावेगा। इच्छुक बोलीदारों से अनुरोध है कि, वे ई-ऑक्शन में भाग लेवें। ई-आक्शन की शर्ते एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमण्डल कार्यालय/ वन काष्ठागार डिपो दन्तेवाड़ा से प्राप्त की जा सकती है।

1. नीलाम दिनांक - 01.01.2025
2. नीलाम स्थल का नाम - काष्ठागार दन्तेवाड़ा (आंवराभाठा)
3. डिपो का नाम जहां वनोपज रखी गई है - दन्तेवाड़ा आंवराभाठा दन्तेवाड़ा
4. नीलाम समय - 10:00 बजे पूर्वान्ह से

प्रजाति	नयी काष्ठ			पुरानी काष्ठ		
	नग	घ.मी.	बल्ली / डेंगरी	नग	घ.मी.	बल्ली / डेंगरी
सागौन	465	105.310	2	1066	84.335	116/125
साल	193	32.438	0	826	77.900	6/17
बीजा	190	33.986	0	261	28.201	2/2
साजा	7	1.222	0	17	1.520	29/2
हल्दू	0	0.000	0	2	.464	4
धावड़ा	14	0.911	0	15	1.414	7
तिन्सा	0	0.000	0	1	0.106	0
अन्य	23	1.983	0	221	26.720	62/12
योग : -	**892**	**175.850**	**2**	**2409**	**220.66**	**222/162**

(1) क्रेताओं को ई-ऑक्शन से पूर्व एम. एस. टी. सी. ई-कॉमर्स पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है ।
(2) क्रेताओं को ई-ऑक्शन के पूर्व क्रय लाटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वालेट में रखना अनिवार्य है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई. एम. डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है ।
(3) लॉट की थप्पी सूची एवं फोटो एम. एस. टी. सी. ई-कॉमर्स पोर्टल में अपने आई.डी. से लॉग इन करके देख सकते है।
(4) ई- ऑक्शन में लॉट क्रय के पश्चात प्रथम क्रेता को 40 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा, उसी लॉट में अन्य क्रेताओं द्वारा 40 सेकण्ड के पूर्व क्रय करने पर 30 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा।

वनमण्डलाधिकारी
दन्तेवाड़ा वनमण्डल, दन्तेवाड़ा

G-242504844/3

पं. सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

निविदा विज्ञापन क्र. 16/भंडार /क्रय/2024 बिलासपुर, दिनाँक 25/12/2024

:: द्वितीय खुली निविदा सूचना ::

पं. सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय द्वारा पुस्तक क्रय हेतु पंजीकृत फर्मों से मुहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा फार्म / तिथि एवं अन्य विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय के वेबसाईट **www.pssou.ac.in** से प्राप्त की जा सकती है।

S-42551/2 **कुलसचिव**

कार्यालय, नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)
नगर पालिक निगम, गांधी भवन, गांधी चौक, रायपुर (छ.ग.)
फोन न. 0771-2535780,90, फैक्स: 077122273395
ईमेल:- dcrmc@reddiffmail.com

क्रमांक 1163/ स.प्रा.वि./ 2024 रायपुर, दिनांक 24.12.2024

-: दावा-आपत्ति सूचना पत्र :-

नगर पालिक निगम रायपुर में सेवाकाल के दौरान दिवंगत कर्मचारियों के आश्रित आवेदको के अनुकंपा नियुक्ति हेतु जोन / मुख्यालय से प्रकरण प्राप्त हुये अनुकंपा आवेदन का छानबीन करने पर 72 प्रकरण पाये गये और उसके अनुसार सूची तैयार की गई है। यदि कोई आवेदको का नाम सूची में शामिल नही है। वे आवेदक 07 दिवस अर्थात दिनांक 01.01.2025 तक अपना दावा समस्त दस्तावेज के साथ एवं यदि किसी आवेदक के नाम पर कोई आपत्ति हो तो समस्त दस्तावेजो के साथ आवेदन आयुक्त नगर पालिक निगम रायपुर के कार्यालय में जमा करे। सूची का प्रकाशन नगर पालिक निगम रायपुर के सूचना पटल में किया जा रहा है।

घरो से निकलने वाले गीला और सुखा कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें

अपर आयुक्त (सा.प्र.वि)
नगर पालिक निगम
रायपुर (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग कार्यालय अधीक्षण अभियंता, जल संसाधन एवं भू-जल सर्वेक्षण मण्डल, रायपुर (छ.ग.)

ई - प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(प्रथम आमंत्रण)

इस कार्यालय द्वारा निम्नलिखित कार्यो के लिए दिनांक 13.01.2025 समय 17:30 तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है, जिसकी जानकारी निम्नानुसार है :-

स. क्र.	कार्य का नाम	सिस्टम निविदा क्र. / निविदा सूचना क्र. एवं दिनांक	अनुमानित लागत राशि (रू. लाख में)
1	रायपुर जिले के विकासखंड धरसींवा अंतर्गत परसतराई तटबंध तक सी. सी. रोड निर्माण कार्य	163054/09/SAC/ 24-25 dt. 23.12.2024	174.04
2	रायपुर जिले के विकासखंड धरसींवा की मूरा जलाशय योजना के शीर्ष कार्य का जीर्णोद्धार, 03 नग व्ही. आर. बी., 10 नग आउटलेट तथा मुख्य नहर आर.डी. 0 मी. से 1020 मी. तक सी.सी. लाइनिंग कार्य	163055/10/SAC/ 24-25 dt. 23.12.2024	138.91
3	रायपुर जिले के विकासखंड धरसींवा की सेरीखेड़ी जलाशय का सौंदर्यीकरण जीर्णोद्धार कार्य, वेस्ट वियर, हेड स्लूस का मरम्मत कार्य, बांध का रिसेक्सनिंग एवं मिट्टी का कार्य तथा नहर सी.सी. लाईनिंग कार्य	163056/11/SAC/ 24-25 dt. 23.12.2024	288.76
4	रायपुर जिले के विकासखंड धरसींवा की कोल्हान नाले पर नगरगांव स्टापडेम का निर्माण कार्य	163057/12/SAC/ 24-25 dt. 23.12.2024	222.25

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट **https://eproc.cgstate.gov.in** पर दिनांक 30.12.2024 समय 17:31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते है । **नोट** : निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट **https://eproc.cgstate.gov.in** पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता,
जल संसाधन सम्भाग, रायपुर (छ.ग.) कृते,
मुख्य अभियंता, महानदी गोदावरी कछार,
जल संसाधन विभाग, रायपुर (छ.ग.)

G-242504848/1

छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता, खारंग जल संसाधन संभाग, बिलासपुर जिला – बिलासपुर (छ.ग.)

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

निविदा सूचना क्र. 19 एवं 20 / व. ले.लि. / 2024-25 दिनांक. 23.12.2024

निम्नलिखित कार्यो के लिए दिनांक 10.01.2025 17:30 तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है : -

(1) कार्य का नाम- खारंग जलाशय दांयी तट नहर के आर.डी. 1300 मी. से 1350 मी. के बीच नहर लायनिंग की मरम्मत और रिटेनिंग वॉल का निर्माण, आर.डी. 10560 मी. से 10575 मी. के बीच नहर लायनिंग की मरम्मत, आर. डी. 8890 से 8905 मी. के बीच नहर लायनिंग की मरम्मत, पौंसरा वितरक नहर के बैमा माईनर के आर.डी. 720 मी पर पाईप व्ही. आर. बी. का निर्माण, पाँसरा वितरक के बैमा माईनर के आर.डी. 1080 मी. पर पाईप व्ही. आर. बी. का निर्माण, पौंसरा वितरक के आर. डी. 1290 मी. पर स्लैब व्ही. आर. बी. का निर्माण, बिलासपुर कार्यालय भवन वाटर पुफिंग तथा अन्य मरम्मत कार्य, खारंग जलाशय परियोजना के बांयी तट नहर के आर. डी. 19000 मी. का मरम्मत कार्य, खारंग जलाशय परियोजना के बांयी तट नहर के आर. डी. 17600 मी. से 17630 मी. पर मुख्य नहर की मरम्मत, सीपत माईनर के आर. डी. 500 मी. पर प्रोटेक्शन वाल का निर्माण, मोहतरा वितरक नहर के आर. डी. 4560 मी. पर हयूम पाईप व्ही. आर. बी. का निर्माण, खजुरी माईनर के आर.डी. 1740 मी. पर हयूम पाईप व्ही. आर. बी. का निर्माण, खारंग जलाशय बांयी तट नहर के आर.डी. 38280 मी. पर नहर की सी.सी. लाईनिंग और डायरेक्ट आउलेट की मरम्मत, कर्रा वितरक नहर के आर.डी. 1376 मी. पर स्लैब व्ही. आर.बी. का निर्माण, खारंग जलाशय के एल. बी. सी. नहर के आर.डी. 21030 मी. पर फुट ब्रिज की मरम्मत, पोंडी शाखा नहर के आर.डी. 6060 मी. डी. सी. की नहर मरम्मत, पोंडी उपशाखा नहर के आर.डी. 6120 मी. पर व्ही. आर. बी. का निर्माण, खारंग जलाशय एल.बी.सी. के आर. डी. 33015 मी. पर व्ही. आर. बी. के स्लैब का निर्माण, खारंग जलाशय परियोजना के हिंदाडीह माईनर के आर.डी. 6750 मी. पर माईनर हेड की मरम्मत कार्य ।
(द्वितीय आमंत्रण) निविदा सिस्टम क्रं. 163234 अनुमानित लागत- रू. 142.99 लाख
(2) कार्य का नाम - बिलासपुर जिले के विकास खण्ड कोटा अंतर्गत खारंग जलाशय के स्पील चैनल के शूटफॉल बांयी तट पर प्रोटेक्शन वॉल तथा स्पील चैनल के बेड में कांक्रीटिंग कार्य ।
(प्रथम आमंत्रण) निविदा सिस्टम क्रं. 163236, अनुमानित लागत- रू. 218.23 लाख

(निविदा की अनुमानित लागत एस. ओ. आर. दिनांक 22.08.2022 के आधार पर) अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 30.12.2024 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है ।

नोट : 1. निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य ळें 2. निविदाकार को इस निविदा में वर्ष 2024 में जारी किए गये Pre Bid Qulification certificate (Valid up to 30.09.2025) का उपयोग अनिवार्य है ।

कार्यपालन अभियंता
खारंग जल संसाधन संभाग
बिलासपुर (छ.ग.)

G-242504800/3

आस्था
पुष्पा तिवारी

धार्मिक महत्व के स्थलों में गुपनसर पहाड़ी का शंकर कुंड

बस्तर अंचल में जगदलपुर से 40 कि मी दूरी पर कोटमसर नामक बन ग्राम से लगभग 3 कि मी पूर्व की ओर पहाड़ी पर शंकर कुंड स्थित है। पहाड़ी के एक नाले पर गहरी खाई पर पानी गिरता है, यह खाई ही यहां गुफा का प्रवेश द्वार है। पानी के बहाव वाले रास्ते से आगे जाने पर एक गड्ढा है जो भूमिगत नाले के बहाव से जलप्रपात बनाता है। रस्सी के सहारे पार कर यहां नीचे उतरना होता है। यहां लगभग 5 मीटर लंबा जलकुंड है। यह कुंड गुपनसर पहाड़ी पर स्थित शिवलिंग के ठीक नीचे है इसलिए इसे शंकर कुंड कहते हैं। इस कुंड की दाईं ओर अंधकार में छिपी नीली चुने की चट्टानें हैं। बाई ओर जल सतह को छूती लटकती सी तारों जैसी झिलमिलाती रंगीन चट्टानों की झालरें हैं। इनकी चमकीली आभा कुंड जल पर भी प्रतिबिंबित होती हैं। यह स्थल पर्यटकों को भी अपनी ओर आकर्षित करता है। यहां का पानी बहुत मीठा है तथा पानी का आवाज भी किसी संगीत की स्वर से कम प्रतीत नहीं होती। इसके साथ ही अन्य छोटी छोटी गुफा और कुंड भी मिलते हैं जो दिखने में भी काफी आकर्षक होते हैं।

धार्मिक
आचार्य सरयूकांत झा

शाबर मंत्र का प्रभाव पौराणिक काल में

गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरित मानस में शाबर मंत्रों की चर्चा की है। छत्तीसगढ़ में प्राचीन निवासियों को शाबर नाम से जानने का उल्लेख मिलता है। चित्रोतपला गंगा, महानदी और शिव स्वरूप शिवनाथ का संगम जहां पर हुआ है, उसे नारायण क्षेत्र के रूप में एक बड़े तीर्थ का महत्व मिला हुआ है। यहीं भीलनी शबरी ने श्रीराम को झूठे बेर खिलाए थे। महान तांत्रिक मतंग ऋषि का आश्रम यहीं पर था। ऋषिवर ने तंत्रों की सहायता से अनेक चमत्कारिक आविष्कार किए थे। भगवान जगन्नाथ की मूर्ति का विधान भी यहीं किया गया था। इंद्रभूति यहां से मूर्ति को अपनी राजधानी संबलपुर से समलाई की एक गुफा में ले गए थे, जहां उनके सम्मुख वे अपनी तंत्र साधना करते थे। शबरो की इस मंत्र प्रणाली को इंद्रभूति ने बौद्ध धर्म की वज्रयान शाखा का मूल आधार निर्धारित किया गया था, जिसके कारण वज्रयान का दूसरा नाम मंत्रयान हो गया। इनमें से कई मंत्र बड़े गूढ़ रहस्यों से भरे हैं, इन्हें भी शाबर मंत्र कहा जाता है और महादेव इनके अधिष्ठाता माने गए हैं। अनुमान लगाया जाता है कि सातवीं - आठवीं शताब्दी में इंद्रभूति ने इन्हीं शाबर मंत्रों की ऊंची दार्शनिकता दी थी।

सुरता
डा. विनय कुमार पाठक

चर्चित कवियों में रहे उमेश शर्मा

अपनी गहरी काव्य रचना से कम समय में प्रसिद्धि प्राप्त करने वाले कवि उमेश शर्मा का जन्म 5 सितंबर 1930 को हुआ था। फोटोग्राफी में विशेष रुचि होने के कारण इसे व्यवसाय के रूप में अपनाया, जिसमें आपकी जय स्तंभ चौक रायपुर में फोटो स्टूडियो थी। आप गीता, वेद, उपनिषद के साथ अन्य धार्मिक ग्रंथों को पढ़ने में विशेष रुचि लेते थे। 1958 में आपने लेखन करना आरंभ किए और विभिन्न पत्र -पत्रिकाओं में आपकी रचना को स्थान मिलने से आपका उत्साह बढ़ता गया। काव्य गोष्ठियों में भी आप सक्रियता से भाग लेते रहे। आपकी काव्य लेखनी में जीवन दर्शन, राष्ट्रीयता और व्यंग्य परक दृष्टि और बाल्य जीवन का चित्रण होता था। आपके लिखे काव्य संग्रह ' तरल पाषाण ' को स्वामी आत्मानंद ने भी सराहे थे। उनकी अनेक रचनाएं आज भी प्रासंगिक हैं। देखें उनकी कविताओं के अंश -

सियानी असन बहकिस,
तोर मया के खेती।
पनही चिरागे मोर,
गिनजरत तोर सेती।

हिंदी और छत्तीसगढ़ी में लेखन करते 56 वर्ष की उम्र में इस संसार से विदा हो गए।

सिरपुर में तालाबों की भरमार है, शायद ही ऐसा कोई प्राचीन मंदिर हो जिसके समीप पोखरी या तालाब नहीं है। निस्तारी के लिए नित्य उपयोग में आने वाले प्रमुख तालाब रायकेरा बंधवा और कमार डेरा तरिया है।

प्राचीन तथ्यों का साक्षी सिरपुर का रायकेरा तालाब

चिन्हारीः ललित शर्मा

रायकेरा बंधवा के विषय में जनश्रुति है कि प्राचीन काल में एक साधु था, उसके पास एक गाय थी। साधु ने स्थानीय चरवाहे को गाय चराने के लिए दी। एक साधु ने चरवाहे की सेवा से प्रसन्न होकर एक पत्थर दिया। चरवाहे ने पत्थर तो ले लिया पर मन ही मन साधु को कोसने लगा, कि बरसों की सेवा के बदले कुछ दिया, तो वह भी एक पत्थर। चरवाहे सोचा कि इस पत्थर का क्या किया जाए। उसने रायकेरा तालाब में जाकर पत्थर से कुल्हाड़ी को मांजा और तालाब में फेंक दिया। जब चरवाहे घर पहुंचा और कांधे से कुल्हाड़ी उतारी तो देखा वह सोने की हो गई थी। वह आश्चर्यचकित हो गया और अपने भाग्य को कोसने लगा।

उसने तालाब में जाकर खूब डुबकियां लगाई पर वह पत्थर नहीं मिला। यह जानकारी गांव से राजा तक पहुंची। राजा के मन में पारस पत्थर प्राप्त करने के लिए लोभ जागृत हो गया। एक पारस पत्थर राजा की दश सुधार सकता था और उसके सेना समेत राज्य को सबल बना सकता था। यही सोचकर राजा ने चरवाहे को बुलाकर सत्यता की जांच की। चरवाहे ने सारी घटना की जानकारी

राजा को दी। राजा ने हाथी के पैर में लोहे की जंजीर बांध कर तालाब में घुमाने का आदेश दिया। हाथी सारे दिन तालाब को मथता रहा। शाम को जब उसे तालाब से बाहर निकाला गया तो उस लोहे की जंजीर की एक कड़ी सोने की हो गई थी। उसके बाद से किंवदंती चल रही है कि रायकेरा तालाब में पारस पत्थर है, यह वर्तमान सिरपुर है।

पर्यटनः सुधीर पाठक

मनमोहक सौंदर्य का स्थल कोठली जलप्रपात

जशपुर जिला के खुडिया के बीहड़ जंगल में एक पर्वतीय शिला के मध्य से कन्हर का उदगम होता है,यह स्थान का नाम है - खुडिया रानी। अपने उदगम स्थल से कन्हर नदी पश्चिम दिशा में बहती हुई जशपुर - सरगुजा की सीमा बनाती हुई प्रवाहित होती है। ग्राम असारी से मुड़ कर पडरा पाठ का जल समेटती हुई उत्तर दिशा में तीव्र गति से पहाड़ी चट्टानों को रौंदती हुई डीपाडीह के पश्चिम किनारे से बहती हुई बेनगंगा का पानी समेटकर लगभग 18 कि मी की दूरी पर ग्राम कोठली से 5 कि मी की दूरी पर घोड़ा पहाड़ को दो भागों में बांटती हुई पवई जल प्रपात में मिल जाती है जिसे कोठली का पानी जलप्रपात के नाम से जाना जाता है। महाराजा रामानुजशरण सिंह के शासन काल में अंग्रेज लोग अक्सर शिकार खेलने यहां आते थे, तब इसी स्थान पर अक्सर उनका पड़ाव रहता था।

कला जगत
डा. रचना मिश्र

छत्तीसगढ़ी संस्कृति में श्रम गीत

मेहनत लोक जीवन का श्रृंगार है। अंचल में खेती बारी में लगे लोगों के लिए मेहनत से बढ़ कर कोई पूजा नहीं होती। प्रस्तुत गीत में श्रम की एक झांकी दृष्टव्य है, जिसमें कांदा बारी सिंचाई का संकेत है। फसल होगी तभी भलाई है, बच्चों के लिए नए कपड़े बन सकेंगे, देखने वाले भी अचरज में पड़ जाएंगे -

सींचे जाबो, चलो सींचे जाबो रे।
कांदा बारी ल अपन सींचे जाबो रे।
डबरा के पानी ले सींचे जाबो रे ।
सावन में सावा अऊ भादो मा कासी।
कांदा हमर दिन दिन बाढ़त जाय रे।
टूरी बर लहंगा अउ टूरा बर साफी।
देखइया मन घलो अकचकाय।
चलो सींचे जाबो रे।

इस तरह वर्ष किसान भोर से जगने के समय से लेकर शयन के समय तक काम करते गुनगुनाने की मानों आदत सी पड़ गई हो। बिना गीत के श्रम साध्य वास्तव में बहुत कठिन है।

ऐतिहासिक
आचार्य मोतीरावण कंगाली

बस्तर के बारसूर में गण्ड राज्य और समुदाय

छत्तीसगढ़ में बारसूर गण्ड राज्य में नल (राजहंस) गण्ड चिन्ह धारक समुदाय के राजाओं का राज्य वकाटकों के समय में था। इस गण्ड राज्य नृपतियों के चार शिलालेख प्राप्त हो चुके हैं, जिनमें से एक रिद्धिपुर में, दूसरा बस्तर के ओडिशा सीमावर्ती क्षेत्र में स्थित पोड़ागढ़ में, तीसरा इसी राज्य के केसरीबेड़ा में और चौथा रायपुर जिले के राजिम के मंदिर में प्राप्त हुआ है। इसके अलावा इनके द्वारा चलाए गए सिक्के भी प्राप्त हो चुके हैं। नल गण्ड चिन्ह धारक समुदाय का प्रथम नृपति भवदत्त वेरमा हुआ, जिसने वकाटको को पराजित कर अपने राज्य की सीमा वर्तमान कन्हान और वेनगंगा नदियों के घाटियों तक विस्तारित किया था। उसके बाद स्कंदवेरमा, पृथ्वीराज, विरूपाक्ष, विलासतुंग आदि नृपतियों ने राज्य किया। नृपतियों का शासन काल ई. स.230 से 500 तक गोंडवाना के महाकोयंतर में रहा। यहां गोपराज, नरेंद्र, राहुदेव, प्रसन्नमात और जयराज आदि राजाओं ने राज्य किया। लगभग छठी शताब्दी के अंतिम चरण में पाण्डु गण्ड चिन्ह धारक राजाओं ने अपनी राजसत्ता सीरीपुरी में स्थापित की और इस वंश का अंत हो गया।

‘परम सुंदरी’ में सिद्धार्थ संग आएंगी नजर

एजेंसी ▸▸ मुंबई

अगले साल कई लव स्टोरी बेस्ड फिल्म बॉलीवुड में रिलीज होंगी, इसमें से एक दिनेश विजान के मैडॉक फिल्म्स की ‘परम सुंदरी’ भी होगी। हाल ही में इस फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा उठ गया है। के मैडॉक फिल्म्स की मूवी ‘परम सुंदरी’काफी समय से चर्चा में बनी हुई है। इसमें जान्हवी कपूर और सिद्धार्थ मल्होत्रा की जोड़ी नजर आने वाली हैं। हाल ही में इस फिल्म की रिलीज डेट का भी पता चल गया है। फिल्म ‘परम सुंदरी’ के डायरेक्शन की जिम्मेदारी दिनेश विजान ने तुषार जलोटा को दी है। यह फिल्म अगले साल 25 जुलाई 2025 को रिलीज होगी। फिल्म एक लव स्टोरी है, लेकिन इसमें कहानी को जरा अलग अंदाज में कहा जाएगा। कहा जा रहा है कि फिल्म ‘परम सुंदरी’की कहानी दर्शकों के दिलों को छू लेगी। फिल्म ‘परम सुंदरी’ की एक फ्रेश लव

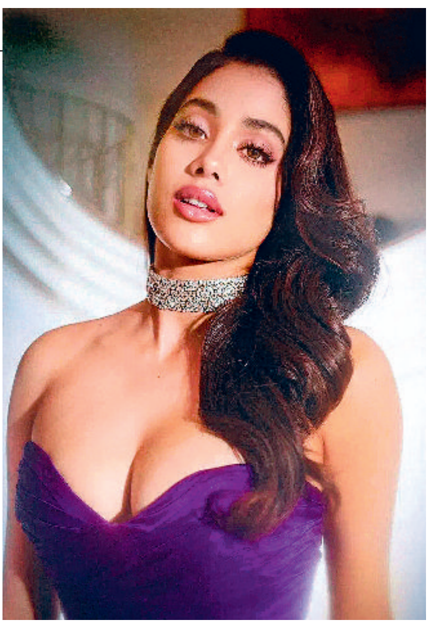

स्टोरी को दिखाया जाएगा। इसमें सिद्धार्थ मल्होत्रा परम नाम का किरदार निभा रहे हैं, जो कि उत्तर भारत से बिलॉन्ग करता है, वहीं जान्हवी कपूर ने सुंदरी नाम की लड़की का रोल किया है, जो दक्षिण भारत से आती है। इन दोनों के बीच कैसे प्यार होता है, यह फिल्म की स्टोरी लाइन है। इस तरह के सब्जेक्ट पर पहले भी फिल्में बनी हैं, लेकिन दिनेश विजान और तुषार जलोटा, इसी कहानी को अलग ढंग से कहने वाले हैं। फिल्म का जो पोस्टर और लुक अभी तक रिलीज हुआ है, उसमें जान्हवी और सिद्धार्थ मल्होत्रा काफी अच्छे नजर आ रहे हैं, इन दोनों के बीच केमिस्ट्री भी अच्छी दिख रही है। फिल्म ‘परम सुंदरी’में केरल को भी दिखाया जाएगा, वहां की सुंदरता को भी फिल्म में दिखाया जाएगा। साथ ही एक हंसाने-रुलाने वाली प्रेम कहानी को भी कहा जाएगा। उम्मीद है कि यह फिल्म भी मैडॉक की बाकी फिल्मों की तरह ही सफल होगी।

फिल्म ‘बॉर्डर 2’ की शूटिंग शुरू...

मुंबई। ‘बॉर्डर 2’ की शूटिंग अब शुरू हो चुकी है। सनी देओल एक बार फिर भारतीय सेना के सैनिक के रूप में लौटने के लिए तैयार हैं। साल 1997 में

रिलीज हुई फिल्म बॉर्डर उस समय एक बड़ी हिट साबित हुई थी। आखिरकार यह इंतजार अब 29 साल बाद पूरा होने जा रहा है। फिल्म का निर्देशन अनुराग सिंह कर रहे हैं। सनी देओल इस फिल्म में मुख्य भूमिका में होंगे। इसके अलावा वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और आहान शेट्टी जैसे नए कलाकार भी इस फिल्म का हिस्सा बनेंगे। शूटिंग के दौरान फिल्म की टीम ने सेट से एक तस्वीर साझा की, इसमें क्लैपबोर्ड पकड़े हुए एक शख्स का हाथ नजर आ रहा है। ‘द बॉर्न आइडेंटिटी’ जैसी फिल्म के एक्शन सीन को कोरियोग्राफ कर चुके हॉलीवुड के मशहूर एक्शन कोरियोग्राफर निक पॉवेल बॉर्डर 2 के युद्ध एक्शन सीन डिजाइन करेंगे। वह ‘द मम्मी’ (1999) और भारतीय फिल्म ‘आरआरआर’ (2022) में भी काम कर चुके हैं। देशभक्ति और साहस के परिपेक्ष्य में बन रही ‘बॉर्डर 2’ फिल्म में जबर्दस्त एक्शन, रोमांचक ड्रामा और भावनात्मक गहराई दर्शकों को देखने को मिलेगी।

क्रिस्टोफर की अगली फिल्म होगी ‘द ओडिसी’ : लॉस एंजिल्स। क्रिस्टोफर नोलन की अगली फिल्म द ओडिसी होगी। इस फिल्म का निर्माण यूनिवर्सल की ओर से किया जा रहा है। यह फिल्म होमर की प्रसिद्ध कविता ओडिसी पर आधारित करीब 8वीं शताब्दी ईसा पूर्व लिखा गया था। इस फिल्म की शूटिंग नए आईमैक्स फिल्म तकनीक का उपयोग से दुनियाभर के स्थानों पर की जाएगी। यूनिवर्सल स्टूडियो ने सोमवार को एक बयान में कहा, ‘क्रिस्टोफर नोलन की अगली फिल्म द ओडिसी एक एक्शन फिल्म है।

फ्लैट बेचना है किराये से देना है
शंकर नगर में श्रीराम RESIDENCY में 4BH का फ्लैट सर्वसुविधा युक्त बेचना है किराये से देना है।
इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें :-
मो. : 9977345867

‘पुष्पा 2’ इतिहास रचने से एक कदम दूर...

मुंबई। फिल्म ‘पुष्पा 2’ ने सिनेमाघरों में धमाल मचा रहा है। सोमवार को ‘पुष्पा 2’ ने 12.25 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया। इसमें से हिंदी भाषा में इसने 9.75

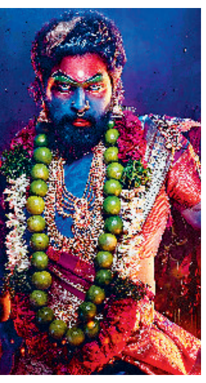

करोड़ रुपए की शानदार कमाई की। इसके साथ ही फिल्म का कुल नेट कलेक्शन अब 1074.85 करोड़ रुपए तक पहुंच चुका है। हिंदी में इस फिल्म ने अब तक 689.4 करोड़ की कमाई की है। यह फिल्म अब हिंदी में 700 करोड़ रुपए क्लब में शामिल होने के करीब है। अगर ऐसा हुआ, तो यह फिल्म हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के 100 साल के इतिहास में एक अहम मील का पत्थर साबित होगी। वहीं, नाना पाटेकर, उत्कर्ष शर्मा और सिमरत कौर की मुख्य भूमिकाओं वाली फिल्म ‘वनवास’ को समीक्षकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी। हालांकि, दर्शकों ने इसे सिनेमाघरों में उतना अच्छा रिस्पॉन्स नहीं दिया। सोमवार को इस फिल्म का कलेक्शन महज 45 लाख रुपए था। अब तक फिल्म ने कुल तीन करोड़ 40 लाख रुपए की कमाई की है। ‘वनवास’ बॉक्स ऑफिस पर पूरी तरह से फ्लॉप साबित हो रही है।

टीवी मसाला

ये हैं सबसे खराब आईएमडीबी रेटिंग वाले 7 टीवी शोज...

नई दिल्ली। टीवी शोज के मामले में कई बार चीजें थोड़ी उलटी पड़ जाती हैं। जिन शोज को सबसे अच्छी टीआरपी मिल रही है, जरूरी नहीं कि उन्हें आईएमडीबी रेटिंग भी हाई मिले। आमतौर पर खराब कहानी और लूज स्क्रीनप्ले की वजह से ऐसा होता है। बीआर चोपड़ा की महाभारत सुपरहिट रही थी, लेकिन जब एकता कपूर ने ‘कहानी हमारे महाभारत की’ नाम से दोबारा महाभारत बनाई तो यह बुरी तरह पिटी। दर्शकों ने टीवी पर इसे देखा तो सही लेकिन असल रिस्पॉन्स आईएमडीबी रेटिंग में नजर आया। इस शो को सिर्फ 10 में से 1 की आईएमडीबी रेटिंग मिली थी। साल 2011 में शुरू हुआ टीवी सीरियल ‘ससुराल सिमर का’ घर-घर में देखा गया। इस शो की आईएमडीबी रेटिंग सिर्फ 1.1 रही थी। एक सास की अपनी तीन बहुओं के साथ खट्टी-मीठी जिंदगी के बारे में कहानी सुनाते सीरियल ‘क्योंकि सास भी कभी बहू थी’ सीरियल में दिखाई गई थी। यह अपने दौर का सुपरहिट शो था जिसकी टीआरपी काफी अच्छी थी, लेकिन आईएमडीबी रेटिंग सिर्फ 1.7 रही थी। रियलिटी शोज की बात करें तो लिस्ट में अनिल कपूर होस्टेड ‘बिग बॉस ओटीटी’ (1.9) और रणवीर सिंह होस्टेड शो ‘द बिग पिक्चर’ (2.1) भी शुमार है। लेकिन, क्योंकि बात टीवी शोज की हो रही है इसलिए जिक्र ‘कुंडली भाग्य’ नाम के शो का करना होगा, जिसकी आईएमडीबी रेटिंग सिर्फ 2.2 रही है। लिस्ट में साल 2000 में शुरू हुए धारावाहिक ‘कहानी घर घर की’ को भी जगह मिली है। क्योंकि इस सुपरहिट टीवी शो को घर-घर में बहुत प्यार मिला था, लेकिन इसकी आईएमडीबी रेटिंग सिर्फ 2.3 रही है। ‘ये रिश्ता क्या कहलाता है’ की आईएमडीबी रेटिंग सिर्फ 2.4 ही है। ‘अनुपमा’ भी IMDb रेटिंग के मामले में सिर्फ 3.8 तक ही रैंक कर सका।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

Appointment आवश्यकता

सिक्योरिटीगार्ड

आवश्यकता है- सुपरवाइजर, सुरक्षा गार्ड, लेडी गार्ड, मार्केटिंग अधिकारी, योग्यता 10वीं-स्नातकोत्तर, गार्ड ऊंचाई 5.7) वेतन 11000/- से 15000/- **संपर्क:- ALERT SGS PRIVATE LIMITED, 434, चतुर्थतल, प्रोग्रेसिव पॉइंट, लालपुर, रायपुर मोबाइल:- 7746000016, 7747000019.** (RO-3160)

अर्जेन्ट आवश्यकता है - रायगढ और रायपुर प्लांट हेतु सिक्युरिटी गार्ड एवं सिक्युरिटी सुपरवाइजर की आवश्यकता है योग्यता : - 10वीं, 12वीं हाइट :- 5.6 इंच सुविधा :- रहना + खाना + PF + ESIC वेतन :- 14500 - 18000 **पता :- 6 फ्लोर, ऑरेंज हाइव मेन रोड मोवा थाना रायपुर सम्पर्क :- 8109070600, 7869230888.** (RO-2459)

आवश्यकता है- सनी सिक्योरिटी सर्विसेज को सुरक्षा गार्ड, सुरक्षा सुपरवाइजर की भारी मात्रा में तत्काल आवश्यकता है रायपुर प्राइवेट लिमिटेड कंपनियों के लिए वेतन 13000/- से 15000/- (आवास +मेडिकल फ्री.) **संपर्क:- 9752566656, 9179192803, 9752028803, 9229260100.** (RO-3177)

आवश्यकता

आवश्यकता है- उरला कन्हेरा स्थित पेट्रोल पंप पर कार्य करने हेतु लड़को एवं ड्राइवर की आवश्यकता है। इच्छुक व्यक्ति - आवेदन Bio-data एवं समस्त दस्तावेज सहित **सम्पर्क करे- डागा पेट्रोल पंप, कन्हेरा 94242-25533.** (RO-440)

सेल्सगर्ल/सेल्समैन

आवश्यकता है- इटली रवा के विक्रय हेतु अनुभवी सेल्स गर्ल एवं सेल्समैन की आवश्यकता है। जो रायपुर शहर में जाकर माल विक्रय कर सके। **संपर्क करे- मो. न. 9300905560.** (RO-509)

क्लासीफाईड

आवश्यकता है- ज्वेलरी शॉप में कार्य करने हेतु अनुभवी 10 सेल्समैन और सेल्सगर्ल की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार, बायोडाटा के साथ **ज्वेलर्स स्वरूपचंद, मेन रोड, मोवा 9009854321** (RO-27)

आवश्यकता है- रेडीमेड गारमेंट्स शॉप (पंडरी, रायपुर) मे काम करने के लिए लड़का/लड़की की आवश्यकता एंव अनुभवी सेल्समैन की आवश्यकता हैं एंव बिलिंग (TALLY)के लिए लड़का/ लड़की की आवश्यकत । **मो. 7067048454.** (RO-2464)

आवश्यकता है- ज्वेलरी शॉप में कार्य हेतु स्मार्ट सेल्स गर्ल /ब्वाय, मार्केटिंग के लिए आवश्यकता है, वेतन 10000/- से 15000/- प्लस कमीशन ,**संपर्क- जवाहर चौक दुर्ग** Mo - **7089508250 मिलने का समय सुबह 10 से 12** (आरो -1857)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- PVC पाइप दुकान में काम करने हेतु लड़के चाहिए 04, Tata Ace ड्राइवर -01 **पता- आर. बी. पाटीदार एंड कंपनी नर्सिंग मील कम्पाऊन्ड प्लेट फार्म नंबर- 7 के पास गुढ़ियारी रायपुर छत्तीसगढ़ मोबाइल नंबर - 843 590 4413** (RO-2462)

आवश्यकता है- कपड़ा दुकान में काम करने के लिए लड़को की आवश्कता हैं,आकर्षक वेतन । **संपर्क - समय 12 से 7 बजे । पूजा साड़ी,महालक्ष्मी क्लॉथ मार्केट,पंडरी,रायपुर ।** (RO-399)

आवश्यकता है- डीजे साउंड सिस्टम दुकान में काम करने हेतु अनुभवी/ बिना अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है, **संपर्क करें:- दीपक साउंड सर्विस, फूल चौक, जोरापारा, काली माता मंदिर के पास 98271-14645, 9131139179.** (RO-3173)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

आवश्यकता है- पाइप एवं नल फिटिंग दुकान में काम करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है वेतन 8000 से 10,000 योग्यता अनुसार मनीष ट्रेडिंग कंपनी भैंसथान रायपुर पंजाब आईल मिल गली मोबाइल नंबर- 9301001974. (RO-1023)

कुक/ड्रायवर

आवश्यकता है- तेलीबांधा के आगे वी.आई.पी. चौक के पास रायपुर में सभी घरेलू कार्य एवं शाकाहारी खाना बनाने के हेतु महिला/पुरुष (ड्राइवर या कुक) चाहिए। ग्रामीणों को प्राथमिकता। पान, गुटखा, तंबाखू या किसी तरह का नशा न करने वाले **संपर्क करें 9300593000.** (RO-1243)

सेल्स मैनेजर/मैकेनिक

आवश्यकता है- सीनियर सेल्स मैनेजर- 4 (ऑटोमोबाइल अनुभवी) सेल्स एक्जीक्यूटिव- 6, डिजिटल मार्केटिंग- 2, ग्राफिक डिजाइनर- 2, टेलीकालर एक्सपर्ट- 4, EV मैकेनिक, इंजीनियर- 6, ITI पास (वेल्डर, इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल) एक्सपर्ट- 6, चौकीदार /प्यून /गार्ड /हेल्पर /लेबर- 4, बायोडाटा भेजे **संपर्क:- रिलेक्टो EV, सोनडोंगरी, रिंगरोड- 2, हीरापुर- आयशर शोरूम के आगे, रायपुर** w/a **6266919195 /200.** (RO-3170)

फील्ड ऑफिसर

आवश्यकता है- छत्तीसगढ़ की प्रतिष्ठित फाइनेन्स कम्पनी को लोन संबंधित कार्य हेतु सभी जिले में फील्ड सेल्स ऑफिसर की आवश्यकता है सैलरी 10000+ 3000 पेट्रोल+ इन्सेंटिव तथा बिलासपुर ब्रांच हेतु अनुभवी कम्प्यूटर ऑपरेटर चाहिए सैलरी 10000 से 12000 **सम्पर्क करे- 6265172206, 9109833166** (RO-3640)

मार्केटिंग मैनेजर

आवश्यकता है- दुर्ग भिलाई- आयुर्वैदिक कंपनी में Online Work एरिया मार्केटिंग मैनेजर (BSC SCIENCE + COMPUTER SCIENCE)की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता। वेतन 18000 + योग्यतानुसार - 6268279954 (आरो 1858)

छोटा विज्ञापन

कैंटीन स्टॉफ

आवश्यकता है- नया राजेंद्र नगर रायपुर (छत्तीसगढ़) हॉस्पिटल के कैंटीन हेतु स्टाफ चाहिए **संपर्क- जैन रसोई घर व कैटर्स श्री कृष्णा हॉस्पिटल न्यू राजेंद्र नगर (तपेश जैन भंसाली) 9425559771** (RO-2465)

स्टॉफ नर्स

आवश्यकता है- स्टाफ नर्स, ट्रेनी नर्स एवं वार्ड बॉय की आवश्यकता है आकर्षक वेतन एवं रहने की सुविधा, **संपर्क:- बांठिया हॉस्पिटल राजा तालाब रोड़ रायपुर 0771-2425009.** (RO-3178)

आवश्यकता

आवश्यकता है- थोक वस्त्र व्यवसाय में कार्य करने हेतु व्यक्तियों की आवश्यकता है **संपर्क चुन्नीलाल केसरीमल बरलोटा शॉप नंबर 29-30 प्रथम गेट टैक्सटाइल मार्केट पंडरी रायपुर 9425506658, 9424200658.** (RO-1649)

ड्रायवर

आवश्यकता है- ड्राइवर- 2, ऑटोमेटिक लग्जरी कारों हेतु सिनियर जो घर आफिस कार्य भी कर सके मेहनती हो साथ ही परिवार के लिए घरेलू खाना बनाने या घर कार्य भी आदतन शराबी न हो वेतन 15000 +चौकीदार, प्यून, गार्ड सिनियर अनुभवी मेहनती हो रूम उपलब्ध है वेतन 9/10/12+ **मिलें- हीरापुर, रायपुर 6266919193, /95.** (RO-3171)

सेल्स इंजीनियर

Required Urgently- required Sales Engineer for Sales and Marketing inside Bhilai Steel Plant. Candidates must be local to Bhilai and experienced. Salary negotiable. Send CV to report@rajsales.net or contact **7999185103, 9827926841.** (आरो न.-649)

हरिभूमि क्लासीफाईड छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

लैब/कुक/आया

आवश्यकता है- महिला ऑफिस एग्जीक्यूटिव, लेब टेक्नीशियन ,कंप्यूटर टेक्नीशियन ,सिक्योरिटी गार्ड, ड्राइवर, आया, घर कार्य के लिए महिला कुक,चपरासी की । **संपर्क - मॉडल स्कूल,रायपुर । वाट्स अप या काल। 9425214413, 329621221.** (RO-403)

सिक्योरिटीगार्ड

आवश्यकता है- Vishwa सिक्योरिटी सर्विसेस 8th,10th,12th पास जरूरतमंद बेरोजगार युवक/युवती सिक्युरिटी गार्ड जॉब के लिए **संपर्क करे 99264-09605, 88272-35662.** (आरो न.-648)

अन्य

आवश्यकता है- Reliance Jio 5G **कंपनी** (SMS SENDING CALLING JOB) **करके लड़के- लडकिया, गृहणिया, रिटायर्ड पर्सन, स्टूडेंट घर बैठे कमाए (21500- 48500) महीना (लैपटॉप +मोबाइल मुफ्त)** NAME, **पता** QUALIFICATION, CALL /SMS /WHATSAPP **करें:- 8918984004.** (RO-3128)

आवश्यकता है- पेंसिल पेन रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही आपको नौकरी की जरूरत है **संपर्क करें- 8240426971, 9040788128.** (RO-817)

आवश्यकता है- (नववर्ष भर्ती) जरूरतमंद लोग की आयुवेदिक कंपनी में दवा पैक करने के लिए संपर्क करें शिक्षित/ बेरोजगार जरूरतमंद लड़कें- लड़कियाँ हाउसवाइफ घर बैठे दवाई पैकिंग करके पार्टटाइम/ फुलटाइम 30,500/- से 45,500/- महीना कमाएं (जरुरतमंद लोग WHATSAPP या कॉल करें) NOC - 2150/- +91 8602999284 (RO-1335)

आवश्यकता है- पेंसिल पेन रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही आपको नौकरी की जरूरत है **संपर्क करें- 7450945537** (RO-752)

सर्विस

जगह उपलब्ध- कोचिंग एवं ट्यूशन क्लास के लिए शहर के प्राइम लोकेशन में फुल्ली फर्निश्ड जगह उपलब्ध। 1,सिविल लाइन 2,चौरसिया कॉलोनी,संतोषी नगर,रायपुर में,पार्किंग सुविधा के साथ । संपूर्ण सुविधायुक्त क्लासरूम,टेबल,चेयर और बोर्ड्स सहित । **समय 2 बजे से रात 10 तक संपर्क 7828253335, 9300253335.** (RO-403)

For Rent किराया

किराये से देना है- भाटागांव ढेबर सिटी, रोड पर 3000 स्क्वायर फीट का गोडाउन किराए पर देना है 3 फेस कनेक्शन एवं बोरिंग के साथ **संपर्क सुबह 10:00 बजे से पहले शाम 6:00 के बाद 8818928932.** (RO-2461)

किराए से- गोदाम किराए में देना है 3200 वर्गफीट एरिया इलेक्ट्रिकल पैनल के लिए बहुत पर्याप्त है 25 HP लोड के साथ **संपर्क:- जी. के वीडियो हाल, साकरा, रायपुर (छत्तीसगढ) 9755927976.** (RO-3179)

Property प्रापर्टी

प्लाट

प्लॉट बेचना है - पूर्व मुखी छोटा कमर्शियल प्लॉट 12600 वर्गफीट, 52×241 पुराना धमतरी हाइवे रोड कल्पवृक्ष के पास, जैन ब्रिक्स के सामने, छछानपैरी रायपुर। 2650/- 3000/- **सम्पर्क- 9752473779 (कृपया दलाल सम्पर्क ना करें)** (RO-36308)

जमीन

बेचना है- जमीन 6.32 एकड़ फार्म हाउस (सिंचित) देवगहन अर्जुंदा डामर रोड पर पोल्ट्री फॉर्म, कृषि, राइस मिल हेतु, **ग्राम देवगहन, तह- गुंडरदेही संपर्क - 9752408700.** (आरो न.-645)

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें 62638-18152

जमीन बेचना है- भिलाई तीन और चरोदा एवम जामुल से 5 किलोमीटर की दूरी ग्राम रिंगनी मैं नंदोरी रोड से लगी 50 डिसमिल एवं 30 डिसमिल जमीन बेचना है **संपर्क करें:- मो.- 9329012985** (आरो न.-647)

Home Buildup भवन निर्माण

कन्ट्रक्शन- घर बनवाये मात्र 1160/- वर्गफिट की दर से, टाइल्स, पुट्टी, पेटींग, बिजली फिटिंग, नल सभी कार्यपूर्ण कार्यक्षेत्र - दुर्ग, भिलाई, पाटन, राजनांदगांव, धमधा, गुण्डरदेही आसपास क्षेत्र। **संपर्क-** K.D. Constructions, Durg Mob - **9406203448.** (आरो -646)

Finance फायनेंस

फाइनेंस - दुर्गा फाइनेंस (Govt. Regd) सर्व योजना अंतर्गत, आधारकार्ड, पर्सनल, प्रॉपर्टी, बिजनेस सभी प्रकार के लोन आसान किस्तों पर, 2% ब्याज, 40% छूट, महिलाओं एवं दुकानदार हेतु विशेष छूट **संपर्क:- 9455768860.** (RO-3172)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पुर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Healthcare

सोरायसिस एवं समस्त चर्म रोग हर्पिस एवं यौन रोग, हेपाटाइटिस एच.आई.वी. रोग (AIDS) एड्स

इन रोगों का स्थाई इलाज केवल आयुर्वेद के रस-रसायन के अलावा दूसरी चिकित्सा है ही नहीं। यह बीमारी शरीर के जीवन चक्र को ही खराब कर देता है अतः इसे किसी तरह दबाने की गलती भूल कर भी न करें।

- सोरायसिस रोग एवं समस्त चमड़ी रोग शरीर मे तांबे रंग के छिलके, पपड़ी युक्त दाग, सर मे रुसी का भ्रम, नाखूनों का सड़ना, उंगलियों का टेढ़ा पन, घुटने मे काट दर्द एवं शरीर अपंग होकर बदबू जैसी आने लगते है, सावधान।
- एच.आई.वी., एड्स (HIV, AIDS) एवं हर्पिस रोग (जोस्टर, जेंटलियस एवं हर्पिस, सिम्पलेक्स) स्त्री, पुरुष के गुप्तांगों में दानें, छाले, फफोले, फुंसी, चमड़ी फटना, जलन, दर्द, योनि मार्ग से बदबू, सफेद पीले पानी जाते हो तो यह हर्पिस रोग या एच.आई.वी हो सकता है। कइयों को हो चुका है, यह न्यूरोट्रोपिक वायरस है जो शरीर के अंग को लकवा मारने जैसा कर देता है एवं हेपटायटिस, सिफलिस, गोनोरिया (मूत्र मार्ग से पस जाते) हो तो तुरंत खून की जांच करायें, यहाँ जांच की पूर्ण व्यवस्था है। यदि खून का रिपोर्ट पॉजिटिव हुआ तो रोने पछताने के अलावा कुछ नहीं बचेगा क्योंकि अन्य चिकित्सा मे इसका उपाय है ही नहीं।
- समस्त यौन रोग एवं यौन (सेक्स) कमजोरी, शीघ्रपतन, प्रोस्टेट विकार, यूरेथ्रास्ट्रक्चर बूंद बूंद पेशाब आना इत्यादि।
- बहुचर्चित विख्यात चिकित्सक डॉ. एच.सी. अग्रवाल के 42 वर्षो के चिकित्सा अनुभव का लाभ बहुतों ने उठाया है आप भी ले सकते हैं। हम आयुर्वेद चिकित्सा विज्ञान के विभिन्न प्रयोग से प्रगतिशील एवं अग्रसर है। केंद्र से दो बार राष्ट्रीय चिकित्सा सम्मान पुरस्कार एवं भारत चिकित्सा रत्न से नवाजे जा चुके है। जब सब उपाय असफल हो गए हो तो अवश्य ही मिलें। आने के पूर्व फोन करें।

वायरो रिसर्च एन्ड स्किन केयर सेंटर
आई.एस.ओ. सर्टिफाईड
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच.सी.अग्रवाल (एम.डी.)
9425555659, 9617789223,
निशांत अग्रवाल, फार्मा साइंटिस्ट
गुरुद्वारा, रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरुप टाकीज के सामने, बजाज (गोल्ड) फाइनेंस के पीछे दुर्ग। 9303242200, 7987365434
समय शाम 4.00-7.30 बजे तक
अपाईटमेंट फोन से (गुरुवार अवकाश)

खबर संक्षेप

ममता मशीनरी के आईपीओ को 195 गुना मिला अभिदान

नई दिल्ली। पैकेजिंग मशीन बनाने वाली कंपनी ममता मशीनरी के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को पेशकश के अंतिम दिन कुल 194.95 गुना अभिदान मिला। एनएसई पर उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, करीब 179 करोड़ रुपये के इस आईपीओ के तहत 51,78,227 शेयरों की पेशकश के मुकाबले कुल 1,00,94,81,802 शेयरों के लिए बोलियां लगाई गईं। गैर-संस्थागत निवेशकों के हिस्से को 274.38 गुना अभिदान मिला जबकि पात्र संस्थागत खरीदारों के खंड को 235.88 गुना अभिदान मिला।

ओबेरॉय अलीबाग में बनाएगी पांच सितारा होटल और विला

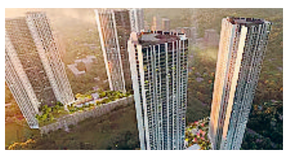

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी ओबेरॉय रियल्टी ने मुंबई के पास अलीबाग में 81 एकड़ भूमि पर पांच सितारा होटल व लक्जरी विला विकसित करने के लिए भूस्वामियों के साथ साझेदारी की है। ओबेरॉय रियल्टी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि कंपनी ने महाराष्ट्र के गांव टेकाली, तालुका अलीबाग, जिला रायगढ़ में 3,28,010 वर्ग मीटर के बराबर करीब 81.05 एकड़ भूमि विकसित करने के लिए समझौता किया है। कंपनी ने कहा, इस लेन-देन के लिए भूस्वामियों को उक्त आवासीय परियोजना से प्राप्त राजस्व और क्षेत्र हिस्सेदारी के रूप में प्रतिफल दिया जाएगा।

इरेडा ने नवीकरणीय ऊर्जा के लिए 3000 करोड़ किए मंजूर

नई दिल्ली। इरेडा के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक प्रदीप कुमार ने दास ने ओडिशा के नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जतायी और कहा कि कंपनी ने राज्य में हरित ऊर्जा परियोजनाओं के लिए

3,000 करोड़ रुपये के ऋण की मंजूरी दी है। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के तहत आने वाली भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी मुख्य रूप से नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को वित्त प्रदान करती है। दास ने एक बयान में कहा, 'इरेडा ने पहले ही ओडिशा में सौर, पनबिजली, एथनॉल और नवीकरणीय ऊर्जा विनिर्माण क्षेत्र समेत हरित ऊर्जा परियोजनाओं के लिए 3,000 करोड़ रुपये से अधिक की मंजूरी दे चुकी है।'

म्यूचुअल फंड उद्योग में तेजी, 2024 में संपत्ति 17 लाख करोड़ बढ़ी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

म्यूचुअल फंड उद्योग ने 2023 में शानदार प्रदर्शन के बाद 2024 में अपनी वृद्धि की गति को बनाए रखा और संपत्ति में 17 लाख करोड़ रुपये की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की। यह तेजी से बढ़ते शेयर बाजारों, मजबूत आर्थिक वृद्धि और निवेशकों की बढ़ती भागीदारी से प्रेरित रहा।

विशेषज्ञों का अनुमान है कि सकारात्मक रुझान 2025 में भी जारी रहेगा। मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के निदेशक-प्रबंधक अनुसंधान कौस्तुभ बेलापुरकर ने कहा, 2025 में म्यूचुअल फंड उद्योग की परिसंपत्तियों में स्वस्थ गति से वृद्धि जारी रहने की उम्मीद है। सीईओ ने कहा, 'यह बदलाव भारतीय अर्थव्यवस्था के विस्तार और खुदरा निवेशकों के बीच बढ़ती वित्तीय जागरूकता से समर्थित है, जो कम लागत और अधिक सुविधा के साथ उच्च 'रिटर्न' की तलाश में हैं।' इस उद्योग की 45 कंपनियों में 2024 (नवंबर तक) में कुल 9.14 लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जबकि पिछले साल 2.74 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश हुआ था।

तेजी बढ़ते शेयर बाजारों और निवेशकों की भागीदारी से प्रेरित

एसआईपी ने अकेले 2.4 लाख करोड़ का दिया योगदान

म्यूचुअल फंड उद्योग संघ (एम्फी) के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2024 में 9.14 लाख करोड़ रुपये का पर्याप्त शुद्ध प्रवाह देखा गया, साथ ही निवेशकों की संख्या में 5.6 करोड़ की उल्लेखनीय वृद्धि हुई। एसआईपी की लोकप्रियता बढ़ी जिसने अकेले 2.4 लाख करोड़ रुपये का योगदान दिया।

एयूएम नवंबर में बढ़कर 68 लाख करोड़

इस निवेश से उद्योग की प्रबंधन अधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) बढ़कर नवंबर के अंत तक 68 लाख करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गईं, जो 2023 के अंत में दर्ज 50.78 लाख करोड़ रुपये की तुलना में 33 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है।

वित्तीयकरण की प्रवृत्ति बढ़ी

बजाज फिनसर्व एएमसी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) गणेश मोहन ने कहा, "वित्तीयकरण की बढ़ती प्रवृत्ति के कारण शेयर बाजारों और म्यूचुअल फंड में भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जैसा कि म्यूचुअल फंड उद्योग में एयूएम की उल्लेखनीय वृद्धि में परिलक्षित होता है।'

इक्विटी फंडों में एसआईपी बढ़ी

मोतीलाल ओसवाल एएमसी के मुख्य व्यवसाय अधिकारी (सीबीओ) अखिल चतुर्वेदी ने कहा, 'बचत के तरीके में संरचनात्मक बदलाव से इक्विटी फंडों में एसआईपी के माध्यम से निवेश प्रमुख भारतीय निवेशकों के लिए निवेश का स्वाभाविक स्वरूप बन गया है...।'

महामारी के बाद दबी मांग अब बीती बात हुई, उद्योग स्वचालित ड्राइविंग वाहनों की ओर बढ़ रहा

अब भारतीय मोटर वाहन उद्योग विनिर्माता से परिवहन समाधान प्रदाता बनने की ओर

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

पर्यावरण अनुकूल प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहित करने पर जारी बहस के बीच भारतीय मोटर वाहन उद्योग महज वाहन विनिर्माता से परिवहन समाधान प्रदाता बनने का सफर तय कर रहा है। उद्योग नए साल में बिक्री में मंदी की छाया में आगे बढ़ रहा है।

- भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो में इस पर होगा जोर
- भारत वैश्विक मोटर वाहन परिदृश्य में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा

वैश्विक महामारी के बाद की दबी हुई मांग अब बीती बात हो गई है। उद्योग में स्वचालित ड्राइविंग, वाहन इंटेलिजेंस, कनेक्टेड फीचर्स और इलेक्ट्रिफिकेशन जैसी उन्नत प्रौद्योगिकियां से बदलाव को बल मिल रहा है। आगामी भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो में इस पर ओर जोर दिया जाएगा। यह 17-22 जनवरी 2025 को दिल्ली-एनसीआर में आयोजित किया जाएगा।

2025 में भी ईवी वाहनों को अपनाया जाएगा

मर्सिडीज-बेंज इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी संतोष अय्यर ने कहा, " हमें उम्मीद है कि 2025 में भी बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन (बीईवी) को अपनाया जाएगा, जिसमें ईक्यूएस एसयूवी 450 5-सीटर और इलेक्ट्रिक जी-क्लास जैसी नई बीईपी पेशकश को तैयार हैं.."

पर्यावरण अनुकूल कारों को अपनाने की उम्मीद

भारत वैश्विक मोटर वाहन परिदृश्य में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है, इसलिए उम्मीद है कि वाहन विनिर्माता विभिन्न मूल्य बिंदुओं पर विभिन्न प्रौद्योगिकियों के साथ अपने नए मॉडल पेश करेंगे, जो एक्सपो में विभिन्न प्रकार के ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करेंगे, क्योंकि 2025 में पर्यावरण अनुकूल कारों को अपनाने में तेजी आने की उम्मीद है।

मारुति को 40 लाख की क्षमता पाने 40 वर्ष लगे

मारुति सुजुकी इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी हिसाशी ताकेउची ने कहा, 'जैसा कि हम 20 लाख से 40 लाख क्षमता तक अपनी विकास यात्रा के अगले चरण में प्रवेश कर रहे हैं, हम अगले सात से आठ वर्षों में वह हासिल करने की योजना बना रहे हैं जिसे पहले हासिल करने में 40 वर्ष का समय लगा।' वहीं टाटा मोटर्स अपने टिकाऊ परिवहन अभियान को दोगुना करने की सोच रही है।

यात्री वाहन बाजार अधिक आशावादी

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स के प्रबंध निदेशक शैलेश चंद्रा ने कहा, "टाटा मोटर्स उद्योग में प्रमुख बदलावों का अधिकतम लाभ उठाने की मजबूत स्थिति में है, जिसमें हरित, उत्सर्जन-अनुकूल 'पावरट्रेन' से लेकर सुरक्षित कारों और एसयूवी की बढ़ती मांग शामिल है।" उन्होंने कहा कि कंपनी 2025 में भारतीय यात्री वाहन बाजार के विकास के बारे में आशावादी बनी हुई है।

ईवी खंड को अधिक आकर्षक बनाने की होड़

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी सतिंदर सिंह बाजवा ने कहा, 'कंपनी का लक्ष्य इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) खंड को अधिक आकर्षक और सुलभ बनाना है और वह भारत को शीर्ष वैश्विक मोटर वाहन बाजार बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाना चाहेगी।'

भारत में अब हाइब्रिड, सीएनजी व इथेनॉल जैसे विकल्प

टिकाऊ परिवहन की अनिवार्यता पर किआ इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी ग्वांगु ली ने कहा कि भारत में " बहुत सारे विकल्प हैं, और यह केवल विद्युतीकरण ही नहीं है।" उन्होंने कहा कि हाइब्रिड, सीएनजी और इथेनॉल जैसे वैकल्पिक ईंधन ऐसी प्रौद्योगिकियां हैं जिन पर विचार किया जा सकता है।

घरेलू मार्गों पर यात्रियों की संख्या बढ़कर 1.42 करोड़

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

हवाई यातायात की बढ़ती मांग के बीच भारतीय एयरलाइन कंपनियों ने नवंबर में घरेलू मार्गों पर 1.42 करोड़ यात्रियों को यात्री कराई। यह एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में यह करीब 11.90 प्रतिशत अधिक है। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के आंकड़ों के अनुसार, घरेलू बाजार में हिस्सेदारी के मामले में इंडिगो शीर्ष पर रही। उसकी बाजार हिस्सेदारी 63.6 प्रतिशत रही।

इसके बाद एयर इंडिया (24.4 प्रतिशत), अकासा एयर (4.7 प्रतिशत) और स्पाइसजेट (3.1 प्रतिशत) का स्थान रहा।

इन सभी एयरलाइंस की बाजार हिस्सेदारी में वृद्धि हुई है जबकि नवंबर में अलायंस एयर की हिस्सेदारी 0.7 प्रतिशत पर स्थिर रही। डीजीसीए ने अपनी मासिक रिपोर्ट में कहा, जनवरी-नवंबर, 2024 में घरेलू विमानन कंपनियों 14.64 करोड़ से अधिक यात्रियों को सफर कराया। यह पिछले वर्ष की इसी अवधि के 13.82 करोड़ के आंकड़े की तुलना में 5.91 प्रतिशत की वृद्धि है।

एक साल पहले 1.27 लोगों ने की यात्रा

वहीं मासिक आधार पर इसमें 11.90 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। नवंबर में घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या 1.42 करोड़ से अधिक रही, जबकि एक साल पहले समान महीने में घरेलू एयरलाइंस से 1.27 करोड़ लोगों ने यात्रा की थी।

सैमसंग फिर एयर कंडीशन पर दांव लगाने की तैयारी में

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

बिजली उपकरण और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों की दिग्गज कंपनी सैमसंग इंडिया अब आवासीय एयर कंडीशनर बाजार में वापसी करने की योजना बना रही है। इस साल गर्मियों में एयर कंडीशनर (एसी) की बिक्री में अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की गई थी।

इसे ध्यान में रखते हुए सैमसंग भी अगले कुछ सप्ताह में अपने 2025 लाइनअप के लिए इन्वर्टर एसी के एक दर्जन से अधिक मॉडल उतारने की योजना बना रही है। उद्योग के एक अंदरूनी सूत्र ने यह जानकारी दी। सूत्र ने कहा कि सैमसंग के 'रूम एयर कंडीशनर' (आरएसी) में बीस्पोक एआई जैसे स्मार्ट फीचर मौजूद होंगे जो

प्रीमियम एसी खरीदने के इच्छुक ग्राहकों को लक्षित करेंगे। सैमसंग एक दशक पहले आरएसी खंड की दूसरी सबसे बड़ी कंपनी थी और वित्त वर्ष 2014-15 में उसकी बाजार हिस्सेदारी 15 प्रतिशत से अधिक थी। लेकिन मोबाइल फोन, स्मार्ट टीवी, एलईडी डिस्प्ले जैसे उच्च-वृद्धि वाले क्षेत्रों पर कंपनी का ध्यान केंद्रित होने के बाद इस खंड में वह अपनी पकड़ गंवा बैठी।

सैमसंग की बाजार हिस्सेदारी एक फीसदी

वर्ष 2024 में लगभग पांच लाख इकाइयों की बिक्री करने वाली सैमसंग की बाजार हिस्सेदारी एक अंक में है। हालांकि, इस संबंध में टिप्पणी के लिए सैमसंग इंडिया को भेजे गए ईमेल का जवाब अबतक नहीं मिला है। भारत में एयर कंडीशनर की बिक्री आमतौर पर फरवरी के मध्य में दक्षिणी बाजारों में शुरू होती है। भारत में इसकी मांग कई कारकों के कारण बढ़ रही है, जिसमें बढ़ते तापमान, शहरीकरण और उच्च आय शामिल हैं। भारत में रूम एयर कंडीशनर बाजार का आकार करीब 1.1 करोड़ इकाई होने का अनुमान है।

पुष्प मसाला समूह ने ब्रांड एम्बेसडर सोनाली बेंद्रे के साथ मनाया 50 वर्षों का जश्न

इंदौर। भारत के लोकप्रिय मसाला ब्रांड 'पुष्प मसाले' ने अपनी 50 वर्षों की सफलता का शानदार जश्न मनाया। इस अवसर पर पुष्प समूह ने अपने डीलर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, सेल्स टीम और रिटेल विक्रेताओं के साथ इस ऐतिहासिक क्षण का उत्सव मनाया। समारोह में पुष्प मसालें की ब्रांड एम्बेसडर प्रसिद्ध अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे भी मौजूद रहीं। इस मौके पर पुष्प ब्रांड के डायरेक्टर्स ने सेल्स और डिस्ट्रीब्यूशन क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभाओं को

पुरस्कार वितरित किया। पुष्प ब्रांड की मसालों की विस्तृत रेंज में मिर्च, हल्दी, धनिया, गरम मसाला और कई तरह के ब्लेंडेड मसाले शामिल हैं। इसके अलावा, चाट मसाला, किचन किंग मसाला, शाही बिरयानी मसाला, पनीर मसाला और सब्जी मसाला जैसे अन्य मसाले भी काफी लोकप्रिय हैं। साथ ही पाव भाजी मसाला, सम्भार मसाला, रायता मसाला, चाय मसाला जैसे विशिष्ट मसाले भी ग्राहकों के बीच बहुत पसंद किए जाते हैं।

पुष्प मसालों की प्रेरक यात्रा

पुष्प मसालों की यात्रा 1974 में स्व. किशनलाल सुराणा द्वारा की गई नींव से शुरू हुई थी। उनकी मेहनत और गुणवत्ता पर आधारित दृष्टिकोण ने आज पुष्प मसालों को भारत के हर घर में पहचान दिलाई है। 1990 में किशनलाल सुराणा के पोते सुरेंद्र सुराणा ने इस व्यापार को संभाला और उनके नेतृत्व में पुष्प मसालों ने गुणवत्ता के उच्चतम मानकों और आधुनिक उत्पादन तकनीक के साथ नई ऊंचाइयों को छुआ। सुरेंद्र सुराणा की बेटी सुश्री शैली सुराणा ने भी कंपनी की पारंपरिक विरासत को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया है, और व्यवसाय में अपनी युवा ऊर्जा का योगदान दिया है।

डॉ.वाशानी
दर-दाँत (गम पेंट)
बायो-डेंट गम पेंट, मुंह के छाले, दांत दर्द और जलन में लाभकारी यह आर्युवेदिक दवा है, यह हर्बल दवा 100 प्रतिशत सुरक्षित है
HMS देखकर खरीदें
94060-21769
हर्बल लेप
शिव मस्सानाशक
शिव मस्सानाशक को 12-15 घटों तक लगाकर रखेंगे तो यह मस्से को शीघ्र हटा देगा। जब तक मस्सा न हट जाए, रोज 1-2 बार लगाना है। यदि लगाने के बाद किसी कारणवश लेप पुछ जाए तो पुनः लगा दें।
HMS शिव मस्सा नाशक

बिजनेस साइट

आईसीएफएआई टेक ने हैदराबाद में लांच किया अत्याधुनिक वीएलएसआई केंद्र

हैदराबाद। आईसीएफएआई टेक, हैदराबाद परिसर में वीएलएसआई (वेरी लार्ज स्केल इंटीग्रेशन) तकनीक के लिए एक अत्याधुनिक केंद्र का उद्घाटन किया गया। इस उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि पद्म भूषण अजय चौधरी थे, जो प्रसिद्ध टेक्नोक्रेट और एचसीएल के संस्थापक सदस्य तथा ईपीआईसी फाउंडेशन के अध्यक्ष हैं। इस नई पहल के तहत, आईसीएफएआई टेक का उद्देश्य वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग में महत्वपूर्ण योगदान देना और खुद को नवाचार तथा सहयोग का एक प्रमुख केंद्र के रूप में

स्थापित करना है। आईसीएफएआई टेक के निदेशक प्रो. के.एल. नारायण ने बताया कि इस केंद्र का उद्देश्य बहु-विषयक अनुसंधान को बढ़ावा देना, सेमीकंडक्टर क्षेत्र में कुशल पेशेवरों को तैयार करना और 'मेक इन इंडिया' पहल का समर्थन करना है।

बीएमसी की सहायक नर्सिंग अधीक्षक को मिला 'मास्टर ऑफ नर्सिंग' अवार्ड

रायपुर। मध्य भारत के अग्रणी कैंसर अस्पताल बालको मेडिकल सेंटर (बीएमसी) की सहायक नर्सिंग अधीक्षक और नर्सिंग शिक्षक अरुण ज्योति नायक को प्रतिष्ठित जीपीओएन मास्टर ऑफ नर्सिंग' अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार उन्हें लंदन में आयोजित ग्लोबल पावर ऑफ ऑन्कोलॉजी नर्सिंग (जीपीओएन) 2024 सम्मेलन में प्रदान किया

गया। यह अवार्ड उन नर्सों को दिया जाता है जिन्होंने निम्न या मध्य आय वाले देशों में कैंसर नर्सिंग के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया हो। सुश्री नायक को उनकी नर्सिंग प्रैक्टिस में सुधार, कैंसर जागरूकता अभियान चलाने और शिक्षा के क्षेत्र में उनके असाधारण योगदान के लिए सम्मानित किया गया। उन्हें 250 पाउंड का पुरस्कार भी प्राप्त हुआ।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Centre
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479
0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर
ई.एन.टी. हॉस्पिटल
(ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925
SBH साई बाबा नेत्र हॉस्पिटल

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी
• जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
• ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल)
• गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ईरोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित्त की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन
सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्घ पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन
(MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर,
समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

सुविधाएं : मेडिसिन, पॉलीट्रामा, बर्न एण्ड प्लास्टिक लाप्रोस्कोपिक सर्जरी, जनरल सर्जरी, स्पाईन एण्ड न्यूरो सर्जरी, आर्थो, कैंसर (कीमोथैरेपी व सर्जरी), स्त्री रोग, जोड़ प्रत्यारोपण
पाल जी स्वास्तिक नर्सिंग होम
बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
(आयुष्मान भारत स्कीम के तहत निःशुल्क ईलाज की सुविधा उपलब्ध)
श्यामनगर जल विहार कॉलोनी पानी टंकी के पास तेलीबांधा मरीन ड्राइव के पीछे
मो. 7991031330
मो. 0771-4347172

बांठिया हॉस्पिटल
राजा तालाब रोड, रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-2425009, 2424737
आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत हार्ट की एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी एवं सिरियस मरीजों का ईलाज

विज्ञापन हेतु संपर्क करें :
7987119756, 9303508130

भारत सरकार

पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी की 100वीं जन्म जयंती के अवसर पर

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

₹ 44,600 करोड़ लागत की देश की पहली

केन-बेतवा नदी जोड़ो राष्ट्रीय परियोजना का

शिलान्यास

तथा

ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सौर परियोजना का लोकार्पण

1153 अटल ग्राम सुशासन भवनों का भूमिपूजन

माननीय अटल बिहारी वाजपेयी जी की स्मृति में स्टाम्प और सिक्का जारी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

के कर-कमलों द्वारा

परियोजनाओं के लाभ

केन-बेतवा नदी जोड़ो राष्ट्रीय परियोजना

- मध्यप्रदेश के 10 जिले छतरपुर, पन्ना, टीकमगढ़, निवाड़ी, दमोह, शिवपुरी, दतिया, रायसेन, विदिशा और सागर के 8.11 लाख हेक्टेयर क्षेत्र एवं उत्तरप्रदेश के 2.51 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को मिलेगी सिंचाई सुविधा। परियोजना से कुल 65 लाख परिवारों को मिलेगी पेयजल की सुविधा।
- जल विद्युत परियोजनाओं से हरित ऊर्जा में 130 मेगावॉट का योगदान एवं औद्योगिक इकाइयों को पर्याप्त जल आपूर्ति से औद्योगिक विकास और रोज़गार को मिलेगा बढ़ावा।
- चंदेल कालीन लगभग 42 पुरातन तालाबों का होगा विकास एवं पुनर्निर्माण।
- दौधन बांध के निर्माण से बाढ़ का बेहतर प्रबंधन होगा संभव।

ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सौर परियोजना

- 518 मेगावॉट क्षमता की यह परियोजना विश्व की सबसे बड़ी फ्लोटिंग परियोजनाओं में से एक है।
- परियोजना से कृषि एवं उद्योग हेतु उपयोगी भूमि की बचत होगी।
- जल संरक्षण एवं हरित ऊर्जा उत्पादन से पृथ्वी के तापमान में वृद्धि को रोकने में सहयोग मिलेगा।

अटल ग्राम सुशासन भवन

- अटल ग्राम सुशासन भवनों का निर्माण ग्राम पंचायतों को स्थायी भवन की सुविधा प्रदान करेगा।
- ग्राम पंचायतों को प्रशासनिक कार्य करने, बैठकों के आयोजन एवं रिकॉर्ड प्रबंधन में सहायता मिलेगी।

गरिमामयी उपस्थिति

मंगुभाई पटेल
राज्यपाल, मध्यप्रदेश

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

सी.आर. पाटिल
केंद्रीय मंत्री, जल शक्ति मंत्रालय

25 दिसम्बर, 2024 | पूर्वाह्न 11:00 बजे | खजुराहो, जिला छतरपुर

D-11135/24

सीधा प्रसारण http://pmindiawebcast.nic.in DD News @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी

आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2024

खबर संक्षेप

इंजीनियर राशिद को झटका रेगुलर बेल से इंकार

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने मंगलवार को टेरर फंडिंग मामले में जम्मू-कश्मीर के सांसद इंजीनियर राशिद की नियमित जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए खारिज कर दिया और याचिका पर आदेश पारित करने से इनकार कर दिया। आरोपी इंजीनियर राशिद की नियमित जमानत पर आदेश सुनाने की मांग करने वाली की मांग वाली आर्जी को अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (एएसजे) चंदर जीत सिंह ने खारिज कर दिया। न्यायाधीश ने कहा कि वर्तमान चरण में वह केवल विविध आवेदन पर फैसला कर सकते हैं, नियमित जमानत याचिका पर नहीं।

श्रीलंकाई नौसेना ने पकड़ा 17 भारतीय मछुआरों को

रामेश्वरम। श्रीलंकाई नौसेना ने सीमा पार मछली पकड़ने के आरोप में 17 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर उनकी दो नावें भी जब्त कर लीं। श्रीलंकाई नौसेना ने मन्नार सागर इलाके में रामेश्वरम के मछुआरों को समुद्री सीमा पार करके श्रीलंकाई जलक्षेत्र में मछली पकड़ने के आरोप में गिरफ्तार किया। मत्स्य विभाग से मछली पकड़ने का परमिट लेने के बाद सोमवार को रामेश्वरम से 400 से ज्यादा नावें समुद्र में उतरीं। धनुषकोडी और तलाईमन्नार के बीच मछली पकड़ते समय कुछ मछुआरे समुद्री सीमा पार करके श्रीलंकाई जलक्षेत्र में चले गए।

राहुल-प्रियंका ने क्रांति को बनाया फैशन शो

नई दिल्ली। संसद में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के भीमराव आंबेडकर पर दिए बयान को लेकर बसपा में आक्रोश है। पहले से निर्धारित कार्यक्रम के तहत मंगलवार को बसपा कार्यकर्ता प्रदेशभर में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इसी बीच बसपा सुप्रीमो मायावती के भतीजे एवं पार्टी के नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद का बयान सामने आया है। आनंद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि पहले देश के गृहमंत्री अमित शाह ने संसद में उनका अपमान किया। इसके बाद राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने हमारी नीली क्रांति को फैशन शो बनाया।

जयपुर हादसा : 15 हुई जान गंवाने वालों की संख्या

जयपुर। जयपुर में एलपीजी टैंकर विस्फोट में मरने वालों की संख्या बढ़कर 15 हो गई है, जबकि दो और लोगों ने मंगलवार को सवाई मान सिंह (एसएमएस) अस्पताल में दम तोड़ दिया। एसएमएस अस्पताल के प्लास्टिक सर्जन डॉ. राकेश जैन ने कहा कि मरने वालों की संख्या अब 15 हो गई है। दो मृतकों की पहचान एटा (उत्तर प्रदेश) के नरेश बाबू और नूंह (हरियाणा) के यूसुफ के रूप में हुई है। इधर, राजस्थान के जयपुर में गैस टैंकर हादसे में शामिल चालक जयवीर को पुलिस के सामने पेश हुआ। घटना की जांच कर रहा विशेष जांच दलजयवीर से पूछताछ करेगा।

मैं भी चिटफंड घोटाले का पीड़ितः मुख्यमंत्री माझी

भुवनेश्वर। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने मंगलवार को दावा किया कि वह भी 'चिटफंड' घोटाले के पीड़ित हैं और उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वह अपनी मेहनत की कमाई को बचाने के लिए 'पोंजी कंपनियों' की गतिविधियों को लेकर सतर्क रहें। यहां राज्य स्तरीय राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस समारोह को संबोधित करते हुए माझी ने यह बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा, ''मैं भी 'चिटफंड' घोटाले का पीड़ित हूं। 1990 और 2002 में दो कंपनियों ने मेरे साथ ठगी की थी।'' वह अपना धन वापस नहीं पा सके क्योंकि पैसा वसूली की प्रक्रिया बहुत लंबी और जटिल थी।

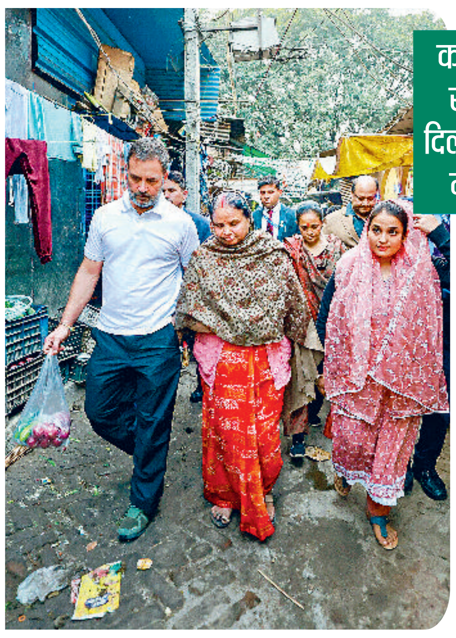

कांग्रेस नेता राहुल गांधी दिल्ली की सब्जी मंडी पहुंचे

40 का लहसुन 400 में बिक रहा सरकार कुंभकरण की नींद सो रही

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस लीडर राहुल गांधी सब्जियों का दाम जानने के लिए सब्जी मंडी पहुंचे। यहां उन्होंने दुकानदार से लहसुन, टमाटर और शलजम सहित कई सब्जियों के दाम पता किए। दुकानदार ने उन्हें बताया कि लहसुन 400 रुपए किलो हैं। अपनी सब्जी मंडी विजिट का वीडियो राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। उन्होंने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा है कि कभी लहसुन 40 रुपए का था और 400 का हो गया है।

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

बढ़ती महंगाई ने आम आदमी की रसोई का बजट बिगाड़ दिया है और सरकार कुंभकरण की नींद सो रही है। राहुल गांधी ने जो वीडियो शेयर किया है, उसमें बताया गया है कि यह दिल्ली के गिरी नगर के सामने हनुमान मंदिर की सब्जी मंडी का वीडियो है। वीडियो में महिलाएं कहती नजर आ रही हैं कि उन्होंने राहुल गांधी को चाय पर बुलाया है। ताकि, वह आकर देखें कि कितनी महंगाई है, जिससे हमारा बजट बहुत ज्यादा बिगड़ रहा है। राहुल गांधी से मिलकर

आमजनता व दुकानदारों से बातचीत की, बोले- जनता महंगाई से परेशान

महिलाएं कह रही हैं कि सैलरी तो किसी की नहीं बढ़ी है, लेकिन रेट बढ़ गया है और वो घटने का नाम नहीं ले रहा है आगे और बढ़ेगा।

लोगों ने कहा, 40-50 से नीचे कुछ भी नहीं मिल रहा

वीडियो में राहुल गांधी महिलाओं से पूछते हैं कि आज क्या खरीद रही हैं? इस पर एक महिला कहती है कि वह थोड़ा सा टमाटर, थोड़ा सा प्याज खरीद रही है, ताकि कुछ काम चल जाए। एक महिला सब्जी वाले से पूछती है कि इस बार सब्जी इतनी महंगी क्यों है। कुछ भी कम ही नहीं हो रहा है। कुछ भी 30-35 रुपए का नहीं है। सब 40-50 से ज्यादा ही है।

सब्जी वाले भी महंगाई से हलाकान

राहुल ने जो वीडियो पोस्ट किया है, उसमें सब्जी वाला कहता दिख रहा है कि इस बार बहुत महंगाई है। इससे पहले इतनी महंगाई कभी नहीं हुई। राहुल गांधी सब्जीवाले से पूछते हैं कि लहसुन कितने का है। इस पर सब्जी वाला बताता है कि लहसुन की कीमत 400 रुपए किलो चल रही है।

महिला बोली- सरकार करती है केवल भाषणबाजी

राहुल गांधी एक महिला से पूछते हैं कि आपको क्या लगता है कि महंगाई क्यों बढ़ रही है। इस पर महिला कहती है कि सरकार इस पर बिल्कुल भी ध्यान नहीं दे रही है, उन्हें तो बस अपने भाषणों से मतलब है। सरकार को इससे मतलब नहीं है कि आम आदमी खाना क्या खाएगा। जो चीज पहले 500 रुपए की आती थी, आज 1000 रुपए की आती है। अब खर्च कम करना है तो फिर कटौती करनी पड़ेगी। इससे तो हम लोगों को परेशानी ही होगी।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार सुलिवन ने यूनुस से की फोन पर बात

हिंदुओं के मुद्दे पर अमेरिका ने बांग्लादेश से जताई नाराजगी

बांग्लादेश से शेख हसीना के जाने के बाद से हिंदुओं पर बढ़ते हमलों को लेकर भारत की तरह अमेरिका भी लगातार चिंता जता रहा है। अल्पसंख्यकों के मुद्दे को लेकर अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने सोमवार को बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस से फोन पर बात की है।

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

बातचीत के दौरान यूनुस बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हमलों को लेकर बढ़ते आक्रोश के बीच सभी धर्मों के लोगों की रक्षा के लिए सहमत हुए। दोनों की बातचीत का ब्योरा देते हुए व्हाइट हाउस ने एक बयान में कहा, 'दोनों नेताओं ने सभी लोगों के मानवाधिकारों का सम्मान करने और उनकी रक्षा करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता जताई है, चाहे वो किसी भी धर्म के हों।' व्हाइट हाउस के बयान में आगे कहा गया, 'सुलिवन ने एक समृद्ध, स्थिर और लोकतांत्रिक बांग्लादेश के लिए अमेरिका के समर्थन को दोहराया और कहा कि बांग्लादेश के सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करने में अमेरिका हमेशा मदद करता रहेगा।'

खास बातें

- अन्य अमेरिकी सांसद भी इस मसले पर बांग्लादेश से नाराज
- टार्गेटेड प्रतिबंध लगाए जाने की अमेरिकी संसद में हो चुकी है मांग

'हिंदू मंदिरों में तोड़फोड़

अमेरिकी सांसद थानेदार ने कहा, 'हिंदू मंदिरों में तोड़फोड़ की गई, उन्हें जलाया गया। इसी महीने, बांग्लादेश के ढाका जिले में हिंदू लोगों पर एक हमले में इस्कॉन नमहट्टा केंद्र को जला दिया गया। इससे पहले, पूरे बांग्लादेश में 70 से अधिक मंदिरों पर हमले किए गए थे। हिंदू धार्मिक नेताओं को नियमित रूप से संदिग्ध आरोपों में गिरफ्तार किया जाता है और कमजोर समुदायों को डर के मारे अपने घरों से भागने पर मजबूर होना पड़ता है।'

कई अमेरिकी सांसदों ने जताई नाराजगी

जेक सुलिवन मोहम्मद यूनुस की बातचीत से कुछ दिनों पहले भारतीय मूल के अमेरिकी डेमोक्रेटिक सांसद श्री थानेदार ने अल्पसंख्यकों पर हमलों के लिए बांग्लादेश को निशाने पर लिया था। उन्होंने कहा था कि बांग्लादेश में बढ़ते मानवाधिकार उल्लंघन को देखते हुए उस पर टार्गेटेड प्रतिबंध लगाए जाने चाहिए। उन्होंने अमेरिका के वित्त और विदेश विभाग से आग्रह किया था कि वो बांग्लादेश के खिलाफ टार्गेटेड प्रतिबंध लगाएं और उन्हें लागू करें। उन्होंने कहा था, 'मैं वित्त और विदेश विभाग से आग्रह करता हूं कि वो बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ जघन्य अपराधों को अंजाम देने वालों पर प्रतिबंध लगाएं और उसे लागू करें।' उन्होंने कहा कि जुलाई से बांग्लादेश में राजनीतिक हिंसा में बढ़ोतरी हुई है। हिंसा की वजह से ही शेख हसीना को इस्तीफा देकर देश छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। अमेरिकी सांसद थानेदार ने कहा, 'तब से हमने बांग्लादेश को राजनीतिक उथल-पुथल में डूबते देखा है। वहां की बहुसंख्यक मुस्लिम आबादी हिंदू, बौद्ध और ईसाई अल्पसंख्यकों और उनके पूजा स्थलों को निशाना बना रही है।'

यूनुस हिंसा काबू करने में विफल

हिंदूएक्टीन नामक संस्था के कार्यकारी निदेशक उत्सव चक्रवर्ती ने अपनी सांसद की बात पर कहा था कि बांग्लादेश में पिछले साढ़े पांच महीनों में जो कुछ हुआ है, उससे साफ पता चलता है कि 'मोहम्मद यूनुस जमात-ए-इस्लामी में अपने सहयोगियों पर काबू करने में विफल रहे हैं जो अब देश भर में घूम रहे हैं, मंदिरों को जला रहे हैं, लोगों की हत्या कर रहे हैं, महिलाओं के साथ बलात्कार कर रहे हैं और हिंदू समुदाय के पुजारियों और नेताओं को कैद करके उनके खिलाफ अत्याचार कर रहे हैं। जैसा कि सांसद थानेदार ने कहा है, बांग्लादेश पर प्रतिबंध लगाना हमारे वर्तमान प्रशासन के साथ-साथ आने वाले प्रशासन का भी कर्तव्य है।'

कांग्रेस ने आपत्ति जताते हुए लगाया आरोप

एनएचआरसी अध्यक्ष की नियुक्ति में नहीं ली सहमति

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) के नए अध्यक्ष और सदस्यों के चयन पर विपक्षी नेताओं राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे ने असहमति जताई है। उनका कहना है कि चयन की प्रक्रिया पहले से तय थी और इसमें आम सहमति की अनदेखी की गई है। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश वी राम सुब्रमण्यम को एनएचआरसी का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। इस पर राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि वे इस पद के लिए न्यायमूर्ति रोहिंटन फली नरीमन और न्यायमूर्ति कुट्टियिल मैथ्यू जोसेफ के नामों की सिफारिश कर चुके थे।

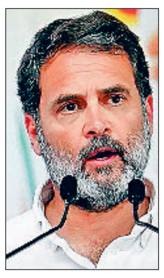

विपक्ष ने चयन समिति की प्रक्रिया पर उठाए सवाल

एनएचआरसीके अध्यक्ष, अरुण कुमार मिश्रा का कार्यकाल जून में समाप्त हो गया था। इसके बाद से यह पद खाली पड़ा था। नए अध्यक्ष और सदस्यों के चयन के लिए 18दिसंबर को संसद में चयन समिति की बैठक हुई थी। इसमें राहुल गांधी और खड़गे ने चयन प्रक्रिया पर सवाल उठाए। उनका कहना था कि यह पूरी तरह से पूर्व निर्धारित थी और इसमें आपसी परामर्श की बजाय बहुमत के आधार पर निर्णय लिया गया। इससे आयोग की निष्पक्षता पर असर पड़ सकता है।

पारदर्शिता पर सवाल

खड़गे ने चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि बहुमत के आधार पर नामों पर मुहर लगाना गलत था। उनका कहना था कि जिन नामों का प्रस्ताव किया गया था, वे आयोग के सिद्धांतों के अनुरूप थे। इन नामों की अनदेखी करने से प्रक्रिया की निष्पक्षता पर संदेह उत्पन्न होता है।

---

27 को छग समेत 12 राज्यों के 240 जिलों के 57 लाख भूस्वामियों को मिलेंगे प्रापर्टी कार्ड

पीएम मोदी ने लगाई केंद्रीय मंत्रियों की ड्यूटी करेंगे लाभार्थियों से ऑनलाइन संवाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

आगामी 27 तारीख को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के 12 राज्यों के 57 लाख ऐसे भूस्वामियों से सीधे मुखातिब होंगे जिनके पास खुद की जमीन तो है मगर कागजातों पर उनका नाम नहीं। कई राज्यों में ऐसी परिस्थिति से जमीन पर दबंगों का कब्जा होने से आपसी विवाद बढते रहे हैं। प्रधानमंत्री ने पंचायती राज मंत्रालय के मार्फत भूमि सुधार का देशव्यापी अभियान शुरू किया है जिसके पहले चरण की शुरूआत 27 को की जाएगी। प्रोपर्टी कार्ड पर प्रोपर्टी ओनर का नाम अंकित होगा, वही प्रोपर्टी कार्ड दर्जनभर राज्यों के 240 जिलों के 57 लाख लाभार्थियों को वितरित किये जाएंगे। प्रधानमंत्री बारी बारी लाभार्थियों से दिल्ली में रहकर ऑनलाइन जुडेंगे, जब कि राज्यों में केंद्रीय मंत्रियों को कैंप करने को कहा गया है। संबंधित राज्यों में केंद्रीय मंत्री प्रोपर्टी कार्ड वितरित करने का काम करेंगे। भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और कार्यक्रम के लिए वहां तैनात किये गये केंद्रीय मंत्री से बेहतर समन्वय कर प्रोफेशनल तरीके से कार्यक्रम हो इसके लिए केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और भूपेंद्र यादव को जिम्मेदारी दी गई है।

इन राज्यों के लाभार्थी होंगे शामिल

छत्तीसगढ, हिमाचल, गुजरात, जम्मू और कश्मीर, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, मिजोरम, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, उत्तरप्रदेश एवं लद्दाख इन सभी राज्य की राजधानियों में बडे इवेंट आयोजित कर बहुत धूमधाम से प्रोपर्टी कार्ड वितरण का काम किया जाएगा।

पीएम की पहल से हो सकेगा न्याय, आंकडे आएंगे सामने, होगा भूमि सुधार

सत्ता प्रतिष्ठान से जुडे विश्वस्त सूत्रों ने बताया कि देश के कई भाग में आज भी भूमि सुधार की आवश्यकता को देखते हुए इस योजना से न सिर्फ भूमि की पैमाइश, भूस्वामियों की जानकारी का आंकडा सरकार के योजनाओं के काम आएगा बल्कि भूस्वामियों को उनका कानूनी हक मिल सकेगा। इसकी शुरूआत प्रधानमंत्री ने 11 अक्टूबर 2020 को किया था तब से अब तक 2 करोड भूस्वामियों को प्रोपर्टी कार्ड बांटे जा चुके हैं। हरियाणा और उत्तराखंड में शत प्रतिशत भूस्वामियों को प्रोपर्टी कार्ड वितरित किये जा चुके हैं जब कि शेष राज्यों में जहां भी ऐसी समस्याएं हैं वहां 2025-2026 तक वितरित किये जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। ऐसे सुधारों से ग्रामीणों न केवल अपनी भूमि के बदले ऋण ले सकेंगे, जरूरत पडने पर बेच सकेंगे, बल्कि आंकडे उपलब्ध होने के बाद ग्राम पंचायतों के मार्फत सरकारों को प्रोपर्टी टैक्स की वसूली ठीक ढंग से हो सकेगी।

महिला ने बच्ची के साथ थाने के सामने लगाई आग, गंभीर

पुलिस ने तत्काल बुझाई आग, अस्पताल में कराया भर्ती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तिल्दा नेवरा

देवारपारा की महिला ने 2 माह की बच्ची के साथ थाने के सामने आग लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया। तिल्दा के देवार पारा निवासी महिला नंदनी सावरा (देवार) पति नानकुन देवार 25 वर्ष ने मंगलवार देर शाम पुलिस थाना नेवरा के सामने अपने 2 माह को बच्ची के साथ पहुंचकर अचानक अपने ऊपर पेट्रोल लगाकर आग लगा ली। तत्काल पुलिस वालों ने देखा और तुरंत आग को बुझाया। पुलिस ने तत्काल महिला और बच्ची को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तिल्दा भिजवाया। दोनों के प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर रायपुर रिफर कर दिया गया है। इस दौरान थाना प्रभारी व तहसीलदार अस्पताल में उपस्थित रहे। जानकारी अनुसार पति-पत्नि के बीच विवाद हुआ था, जिसके चलते महिला ने बच्चे के साथ थाना पहुंचकर पेट्रोल लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया। नेवरा पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पीड़िता रायपुर की गई रिफर

चुनाव संचालन नियम बदला कांग्रेस की सुप्रीम कोर्ट में गुहार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

कांग्रेस ने कुछ इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों के सार्वजनिक निरीक्षण को रोकने के लिए निर्वाचन संचालन नियम में बदलाव किए जाने को मंगलवार को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने बताया कि उन्होंने रिट याचिका दायर की है। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, निर्वाचन संचालन नियम, 1961, में हाल के संशोधनों को चुनौती देते हुए उच्चतम न्यायालय में एक रिट याचिका दायर की गई है। निवार्चन आयोग एक संवैधानिक निकाय है। इस पर स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने की जिम्मेदारी है, इसलिए इसे एकतरफा और सार्वजनिक विचार-विमर्श के बिना इतनी निर्लज्जता से संशोधन करने की इजाज़त नहीं दी जा सकती है।

नड्डा के घर एनडीए नेताओं की बैठक आज, कई बड़े मुद्दों पर होगी चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

खास बातें

- बाबा साहेब अंबेडकर के मुद्दे पर कांग्रेस और इंडी दलों को घेरने पर होगा विचार विमर्श
- वन नेशन वन इलेक्शन पर भी होगा मंथन, जेपीसी की बैठक 8 जनवरी को

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के प्रमुख नेताओं की आज बुधवार को नई दिल्ली में बैठक होगी। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के सरकारी आवास पर होने वाली इस बैठक में मुख्यतौर पर बाबा साहब डॉ. अंबेडकर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की टिप्पणी पर उपजे विवाद के साथ-साथ एनडीए सहयोगियों के बीच बेहतर समन्वय को लेकर चर्चा होगी। बताया जा रहा है कि इस बैठक में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू भी शामिल होंगे। सूत्रों का कहना है कि इस बैठक में एनडीए नेता वन नेशन वन इलेक्शन और वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 जैसे प्रमुख कानूनों पर विचार विमर्श कर सकते हैं। वन नेशन वन इलेक्शन पर जेपीसी की पहली बैठक 8 जनवरी को हो सकती है।

दिल्ली के आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भी जदयू और लोजपा पासवान भाजपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ने के इच्छुक है। ये दोनों दल चाहते दिल्ली में कुछ सीटों पर उनके उम्मीदवार चुनाव लड़ें। हालांकि भाजपा सभी 70 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ना चाहती है। सूत्रों का कहना है कि नीतीश कुमार और चिराग पासवान पूर्वांचल मतदाताओं के असर वाली पांच छह सीटों पर नजर टिकाये हुए हैं। भाजपा 1998 के बाद से दिल्ली की सत्ता से बाहर है। पार्टी इस बार हर हाल में केजरीवाल की पार्टी को सत्ता से बेदखल करना चाहती है, ऐसे में माना जा रहा है कि तीन से चार सीट जदयू और लोजपा को मिल सकती हैं।

बाबा साहब अंबेडकर से जुड़ी अमित शाह की टिप्पणी के बाद कांग्रेस और विपक्षी दलों ने इसे एक बड़ा मुद्दा बनाया है।

काशी में भी दिखेगा महाशिवरात्रि पर महाकुंभ जैसा वैभव

13 अखाड़े करेंगे पेशवाई, घाटों पर धूनी रमाएंगे संन्यासी

एजेंसी ▶▶| वाराणसी

बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी में भी महाकुंभ का वैभव दुनिया देखेगी। महाकुंभ में स्नान के बाद अखाड़ों का अगला पड़ाव काशी ही रहेगी। देवादिदेव महादेव का अभिषेक करके अखाड़ों के महामंडलेश्वर धर्मध्वजा को अनंत काल तक फहराने का आशीर्वाद मांगेंगे। इस दौरान काशी की सड़कों पर अखाड़ों की पेशवाई होगी, वहीं गंगा घाटों पर धुनी रमाए साधुओं की टोली भी डेरा डालेगी।

26 फरवरी को अखाड़ों की होगी पेशवाई

महाकुंभ के समापन के बाद 13 अखाड़े बनारस में बाबा विश्वनाथ के जलाभिषेक के लिए पहुंचेंगे। महाशिवरात्रि पर 26 फरवरी को काशी में अखाड़ों की पेशवाई होगी। गाजे-बाजे, रथ, हाथी और घोड़े के साथ अखाड़ों की पेशवाई अखाड़ों से श्री काशी विश्वनाथ धाम के साथ ही शहर की सड़कों पर निकलेगी। इस दौरान काशी की जनता बाबा विश्वनाथ की सेना के रूप में मशहूर नागा साधुओं का वैभव देखेगी। अपनी-अपनी धर्मध्वजा के साथ अखाड़ों के महामंडलेश्वर पेशवाई का नेतृत्व करेंगे।

26 फरवरी को पड़ेगी तिथि

धर्म ध्वजा के साथ पेशवाई में शामिल होंगे संन्यासी

श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा और उसके भ्राता अखाड़े कहे जाने वाले श्री पंच दशनाम आवाहन अखाड़े और अग्नि अखाड़े के संन्यासी पूरे विधि विधान के साथ अपने-अपने अखाड़ों के इष्ट का आह्वान कर अपनी धर्म ध्वजा के साथ पेशवाई में शामिल होंगे। इसके अलावा महानिर्वाणी, निरंजनी, आनंद और अटल अखाड़े समेत सभी 13 अखाड़े नागा साधुओं के साथ काशी प्रवास करेंगे। जिला प्रशासन की ओर से पेशवाई के इंतजाम के लिए विभागों को अलग-अलग जिम्मेदारी सौंप दी गई है।

अलविदा 2024: इंडियन प्रीमियर लीग में लगे 1260 छक्के, बने कई अनोखे रिकॉर्ड्स

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग 2024 के फाइनल में कोलकाता नाइट राइडर्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को हराकर अपना तीसरा आईपीएल खिताब जीता था। केकेआर की टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर थे जो अब पंजबा किंग्स के लिए खेलते हुए नजर आएंगे। केकेआर ने इससे पहले साल 2012 और 2014 में भी यह ट्रॉफी अपने नाम की थी। इस सीजन आईपीएल में कुछ अनोखे रिकॉर्ड्स भी बने हैं।

पहली बार लगे 1,200 से ज्यादा छक्के

आईपीएल 2024 में 1,260 छक्के लगे जो 1 सीजन में सबसे ज्यादा हैं। इससे पहले केवल 2 सीजन में 1,000 या फिर उससे ज्यादा छक्के लगे थे। साल 2022 के टूर्नामेंट में 1,062 छक्के लगे थे और आईपीएल 2023 में 1,124 छक्के लगे थे। आईपीएल 2024 में 1,000 छक्कों का आंकड़ा 57वें मुकाबले में ही पार हो गया था, यह भी एक रिकॉर्ड है। इस उपलब्धि को हासिल करने में 13,079 गेंदें लगी थी।

सबसे ज्यादा शतक लगने वाला सीजन

आईपीएल 2024 के संस्करण में कुल 14 शतक लगे, जो 1 सीजन में सबसे ज्यादा हैं। इस सीजन जोस बटलर (2), विल जैक्स, जॉनी बेयरस्टो, सूर्यकुमार यादव, साई सुदर्शन, शुभमन गिल, सुनील नरेन, रुतुराज गायकवाड़, ट्रेविस हेड, रोहित शर्मा, मार्कस स्टोइनिस, यशस्वी जायसवाल और विराट कोहली शतक लगाने वाले खिलाड़ी थे। गौरतलब है कि 2024 सीजन के अलावा आईपीएल 2023 एकमात्र ऐसा सीजन रहा है, जिसमें 10 से ज्यादा शतक (12) लगे हैं।

एक मैच में सबसे ज्यादा छक्के

पंजाब किंग्स और केकेआर के बीच खेले गए मुकाबले में 42 छक्के लगे थे, जो किसी भी टी-20 में सबसे ज्यादा है। इसके अलावा हैदराबाद और मुंबई इंडियंस के साथ-साथ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और हैदराबाद के बीच हुए मुकाबलों में 38-38 छक्के लगे थे। इसके अलावा बेंगलुरु में हैदराबाद और आरसीबी के बीच हुए मैच में कुल 549 रन बने थे। किसी भी अन्य टी-20 मैच में अब तक 520 से ज्यादा रन नहीं बन पाए हैं।

आरसीबी ऐसा करने वाली पहली टीम बनी

रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने अपने अंतिम लीग मैच में चेन्नई सुपरकिंग्स को हराकर शानदार तरीके से आईपीएल 2024 के प्लेऑफ में जगह बनाई थी। आरसीबी अपने पहले 8 मैचों में से केवल 1 में जीत हासिल करने के बाद प्लेऑफ में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई थी। आरसीबी को लगातार 6 मुकाबलों में जीत हासिल हुई थी। यह आईपीएल में दूसरा मौका था, जब आरसीबी ने लगातार 6 या उससे ज्यादा मुकाबले जीते थे।

पहले आईपीएल सीजन में जैक फ्रेजर-मैक्गर्क का जलवा

अपने पहले आईपीएल सीजन में ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज जेक फ्रेजर मैकगर्क ने एक के बाद एक कई धमाकेदार पारियां खेलीं और कई रिकॉर्ड तोड़ दिए। वह आईपीएल के इतिहास में 15 गेंदों में 2 अर्धशतक बनाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। कुल मिलाकर उन्होंने 4 अर्धशतक लगाए, जिनमें से तीन 19 गेंद या उससे कम समय में आए। उन्होंने आईपीएल 2024 में 234.04 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। टी-20 क्रिकेट के इतिहास का सबसे सफल लक्ष्य का पीछा भी आईपीएल 2024 में दर्ज किया गया था। सीजन के 42 वें मुकाबले में पंजाब किंग्स ने सबको चौका दिया था।

खबर संक्षेप

लकड़वाला को यंग राइडर शोजंपिंग का खिताब

नई दिल्ली। चेन्नई के अली हातिम लकड़वाला ने लियोनार्डो वान होली पर सवार होकर 33.31 सेकेंड का शानदार समय निकालकर यहां राष्ट्रीय जूनियर घुड़सवारी चैंपियनशिप में यंग राइडर शोजंपिंग चैंपियन का खिताब जीता। आर्मी पोलो एंड राइडिंग क्लब में यंग राइडर (आयु वर्ग 18 से 21) टीम ड्रेसेज इवेंट में सिद्धांत जायसवाल, जयवीर वर्मा और गीतिका टिक्कीसेट्टी ने 178.22 के संयुक्त स्कोर के साथ पहला स्थान हासिल किया।

बैडमिंटनः एम रघु और देविका सिहाग को खिताब

बेंगलुरू। कर्नाटक के एम रघु और हरियाणा की देविका सिहाग ने मंगलवार को यहां 86वीं राष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिप में पहली बार क्रमशः पुरुष और महिला एकल खिताब जीते। रघु ने बेहद करीबी फाइनल में पूर्व चैंपियन मिथुन मंजूनाथ के खिलाफ 14-21, 21-14, 24-22 से जीत दर्ज की। देविका ने सत्र का शानदार अंत करते हुए फॉर्म में चल रही श्रियांशी वलिशेट्टी को सीधे गेम में 21-15, 21-16 से हराकर महिला एकल खिताब जीता। जूनियर राष्ट्रीय चैंपियन अर्श मोहम्मद और संस्कार सारस्वत ने पुरुष युगल फाइनल में उलटफेर करते हुए नवीन पी और लोकेश वी की शीर्ष वरीय जोड़ी को 21-12, 12-21, 21-19 से हराया।

पर्व चौधरी ने भारोत्तोलन चैंपियनशिप में दो पदक जीते

दोहा। प्रतिभाशाली भारोत्तोलक पर्व चौधरी ने मंगलवार को यहां एशियाई युवा और जूनियर भारोत्तोलन चैंपियनशिप में भारत का दबदबा जारी रखते हुए 96 किग्रा वर्ग में दो कांस्य पदक हासिल किये। चौधरी ने क्लीन एंड जर्क और कुल वर्ग में पदक जीते। उन्होंने कुल 303 किलोग्राम वजन उठाया। भारत ने इस प्रकार तीन स्वर्ण, चार रजत और पांच कांस्य सहित कुल 12 पदक जीते।

कल से शुरू होगा चौथा टेस्ट, ऑस्ट्रेलिया ने दोनों मुकाबलों के लिए घोषित की टीम

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी : ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज नाथन चौथे टेस्ट से बाहर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम और भारतीय क्रिकेट टीम के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 का चौथा टेस्ट 26 दिसंबर से खेला जाना है। ऐसे में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने शेष 2 टेस्ट मैचों के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। इसमें पिछले महीने टेस्ट डेब्यू करने वाले नाथन मैकस्वीनी को टीम से बाहर कर दिया गया है। उनकी जगह युवा सैम कोनस्टास को शामिल किया गया है। कोनस्टास का घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन रहा है। टीम चयन में बड़ी बात यह रही है कि चोट (ग्रोइन इंजरी) से जूझ रहे ट्रेविस हेड को भी टीम में शामिल किया गया है। कहा जा रहा है सीए को उनके 5वें टेस्ट तक फिट होने की उम्मीद है।

चौथे और 5वें टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम

ऑस्ट्रेलिया की टीमः पैट कमिंस (कप्तान), ट्रेविस हेड (उपकप्तान), स्टीव स्मिथ (उपकप्तान), सीन एबॉट, स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, जोश इंग्लिश, उस्मान ख्वाजा, सैम कोनस्टास, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मिचेल मार्श, झए रिचर्डसन, मिचेल स्टार्क और बाउ वेबस्टर।

फिलहाल 1-1 से बराबरी पर है सीरीज

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 5 टेस्ट मैचों की यह सीरीज फिलहाल 1-1 से बराबरी पर है। भारतीय टीम ने पर्थ टेस्ट में शानदार प्रदर्शन करते हुए 295 रनों से जीत दर्ज की थी। इसके बाद एडिलेड में खेले गए पिंक बॉल टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने वापसी करते हुए 10 विकेट से जीत दर्ज करते हुए सीरीज को 1-1 से बराबर कर लिया था। इसी तरह ब्रिसबेन के गाबा में खेला गया तीसरा टेस्ट ड्रॉ पर समाप्त हुआ है।

जोश इंग्लिश को भी मिला मौका

सीए ने मैकस्वीनी की जगह युवा सनसनी कोनस्टास और रिजर्व खिलाड़ी जोश इंग्लिश को भी टीम में जगह दी है। इसी तरह चोट से जूझ रहे तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की जगह स्कॉट बोलैंड को बुलाया है। बोलैंड का दूसरे टेस्ट में अच्छा प्रदर्शन था। बता दें कि मैकस्वीनी का प्रदर्शन अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहा। वह 3 टेस्ट की 6 पारियों में केवल 72 रन बना पाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 39 रन रहा है।

इंडिया-ए के खिलाफ बेहतर रहा था मैकस्वीनी का प्रदर्शन

मैकस्वीनी ने ऑस्ट्रेलिया-ए की ओर से इंडिया-ए के खिलाफ पहले अनौपचारिक टेस्ट में 39 और 88 रन के स्कोर किए थे। उनका घरेलू प्रथम श्रेणी टूर्नामेंट शेफील्ड शील्ड 2024-25 में भी दमदार प्रदर्शन रहा था। दक्षिण ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी करते हुए उन्होंने 2 मैचों की 4 पारियों में 97.00 की औसत के साथ 291 रन बनाए थे, जिसमें 1 शतक और 2 अर्धशतक शामिल थे। हालांकि, भारत के खिलाफ तीनों टेस्ट में वह लगातार संघर्ष करते नजर आए।*

श्रीलंका-न्यूजीलैंड के बीच वनडे और टी-20 सीरीज की कमान संभालेंगे जैकब्स

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम को श्रीलंका क्रिकेट टीम के खिलाफ 28 दिसंबर से टी-20 सीरीज और उसके बाद 5 जनवरी से वनडे सीरीज खेलनी है। इन दोनों घरेलू सीरीज के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने अपनी टीमों का ऐलान किया है। युवा बल्लेबाज बेवॉन जैकब्स को टी-20 टीम में शामिल किया गया है। रचिन रविंद्र, डेरिल मिचेल और मैट हेनरी की टी-20 और वनडे दोनों टीमों में वापसी हुई है। जैक फाउलकेस, मिच हेट और टिम रॉबिन्सन की तिकड़ी, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में अपना डेब्यू किया था, पहली बार घरेलू सीरीज में खेलने के लिए तैयार हैं। मिच को वनडे और टी-20 दोनों टीमों में जगह मिली है। विल ओरुके और विल यंग सिर्फ वनडे सीरीज के लिए चुने गए हैं।

टी-20 व वनडे सीरीज का शेड्यूल

टी20 सीरीज 28 दिसंबर से शुरु हो जाएगी। इसके बाद 30 दिसंबर को दूसरा और 2 जनवरी, 2025 को तीसरा टी-20 मैच खेला जाएगा। शुरुआती 2 टी-20 मैच बे ओवल और तीसरा टी-20 सेक्सटन ओवल में होगा। इसके बाद 5 जनवरी को बेसिन रिजर्व में होने वाले मुकाबले से वनडे सीरीज की शुरुआत हो जाएगी। आखिर में 8 जनवरी (सेडन पार्क) को दूसरा और 11 जनवरी (ईडन पार्क) को तीसरा वनडे खेला जाएगा।

न्यूजीलैंड की वनडे और टी-20 टीम

न्यूजीलैंड की टी-20 टीमः मिचेल सैंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, जैकब डफी, जैक फाउलकेस, मिच हे, मैट हेनरी, बेवॉन जैकब्स, डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, टिम रॉबिन्सन और नाथन स्मिथ।

न्यूजीलैंड की वनडे टीमः मिचेल सैंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, जैकब डफी, मिच हे, मैट हेनरी, टॉम लैथम, डेरिल मिचेल, विल ओरुके, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, नाथन स्मिथ और विल यंग।

हरलीन ने ठोका शतक, गेंदबाजों ने मचाया कोहराम, 2-0 से सीरीज पर कब्जा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय विमेंस टीम और वेस्ट इंडीज विमेंस टीम के बीच मंगलवार को खेले गए दूसरे वनडे मैच में टीम इंडिया ने 115 रनों से जीत दर्ज कर ली है। इसी के साथ हरमन ब्रिगेड ने सीरीज पर 2-0 से कब्जा जमा लिया है। वड़ोदरा के कोटाम्बी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टीम इंडिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवरों में 5 विकेट के नुकसान पर 358 रन बनाए। इसके जवाब में पूरी कैरेबियाई टीम महज 243 रनों पर ढेर हो गई। अपने करियर का पहला शतक ठोकने पर हरलीन देओल को प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब दिया गया। बता दें कि सीरीज के पहले मैच में रविवार को भारतीय महिला टीम ने वेस्टइंडीज को 211 रन से हराया था।

ऐसा रहा भारतीय टीम का शानदार खेल

सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने 53 और प्रतिका रावल ने 76 रनों की धमाकेदार पारी खेलकर 110 रनों की पार्टनरशिप की। इसके बाद बल्लेबाज हरलीन देओल ने 103 गेंदों में 115 रनों की शतकीय पारी खेली। इसके अलावा जेमिमा रोड्रिगेज ने 52 रनों की अर्धशतकीय पारी खेलते हुए टीम का स्कोर 358 रन पहुंचाया।

अंडर 19 टी20 महिला वर्ल्ड कप

भारतीय टीम की कप्तान निकी सानिका चालके होंगी उपकप्तान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

बीसीसीआई ने मंगलवार को अगले साल मलेशिया में खेले जाने वाले महिला अंडर-19 टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया। 15 सदस्यीय भारतीय टीम की कमान निकी प्रसाद के हाथों में होगी। वहीं, सानिका चालके उपकप्तान होंगी। महिला अंडर-19 टी0 वर्ल्ड कप क्वालालांपुर में 18 जनवरी से 2 फरवरी, 2025 तक खेला जाएगा। भारत की महिला अंडर-19 टीम ने हाल ही में बांग्लादेश को हराकर एशिया कप जीता है। भारत वर्तमान में अंडर-19 महिला क्रिकेट की चैंपियन टीम है और इस बार भी खिताब बचाने का

प्रयास करेगा। टीम में कई धुरंधर खिलाड़ी शामिल हैं जो खिताब जीतने की कोशिश करेंगी। भारत के स्क्वॉड में 2 विकेटकीपर कामालिनी जी और भाविका अहिरे होंगी। वहीं, 3 खिलाड़ियों नंदना एस, ईरा जे और अनादि टी को स्टैंडबाय के रूप में रखा गया है।

वानखेड़े स्टेडियम की 50वीं वर्षगांठ पर 12 से 7 दिवसीय कार्यक्रम

मुंबई। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन अगले महीने वानखेड़े स्टेडियम की 50वीं वर्षगांठ मनाने के लिए भव्य समारोह आयोजित करने जा रहा है। एमसीए के अध्यक्ष अजिंक्य नाइक ने ऐलान किया कि यह समारोह 12 जनवरी को शुरू होगा और इसका समापन 19 जनवरी, 2025 को ऐतिहासिक स्टेडियम में होगा। 19 जनवरी को होने वाले भव्य समारोह में मुंबई के घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी भी हिस्सा लेंगे। एमसीए के पदाधिकारियों और शीर्ष परिषद के सदस्यों की मौजूदगी में आयोजित हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में विशेष प्रतीक चिन्ह (लोगो) का अनावरण किया गया। नाइक ने आगे बताया कि 19 जनवरी को वानखेड़े स्टेडियम की समृद्ध विरासत को सम्मानित करते हुए एक स्मारक डाक टिकट और कॉफी टेबल बुक जारी करने की योजना है। एमसीए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस और कैबिनेट मंत्री आशीष शेलार को भी सम्मानित करेगी।

वर्ल्ड चैम्पियनशिप ऑफ़ लीजेंड्स में भारत-पाक की भिड़ंत 20 जुलाई को

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स अपने दूसरे सीज़न के साथ क्रिकेट प्रेमियों को फिर से रोमांचित करने के लिए तैयार है, यह टूर्नामेंट 18 जुलाई से 2 अगस्त, 2025 तक चलेगा। इस घोषणा ने प्रशंसकों के बीच उत्साह बढ़ा दिया है। खास मैच भारत और पाकिस्तान के बीच होगा। भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला 20 जुलाई को खेला जाएगा और यह एक अहम मैच है। भारत के कई पूर्व दिग्गज खिलाड़ी इस मुकाबले में खेलते हुए दिखेंगे। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स

के सीईओ हर्षित तोमर का कहना है कि सीजन एक में दर्शकों का बेहतरीन समर्थन रहा था, इस बार भी हम टूर्नामेंट को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

भारत बनाम पाकिस्तान का मैच होगा अहम

पहले सीजन के फाइनल में पाकिस्तान पर जीत के बाद गत विजेता भारत इस बार भी पसंदीदा टीमों में से एक है। टूर्नामेंट में लीग चरण में कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी, जिसकी शुरुआत 18 जुलाई को इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच मैच से होगी। भारत-पाक के बीच 20 जुलाई को मैच खेला जाएगा। लीग चरण के बाद 31 जुलाई को नॉकआउट राउंड फाइनलिस्ट का निर्धारण करेंगे, जिसका समापन 2 अगस्त को एजबेस्टन स्टेडियम में होने वाले फाइनल मैच के साथ होगा।

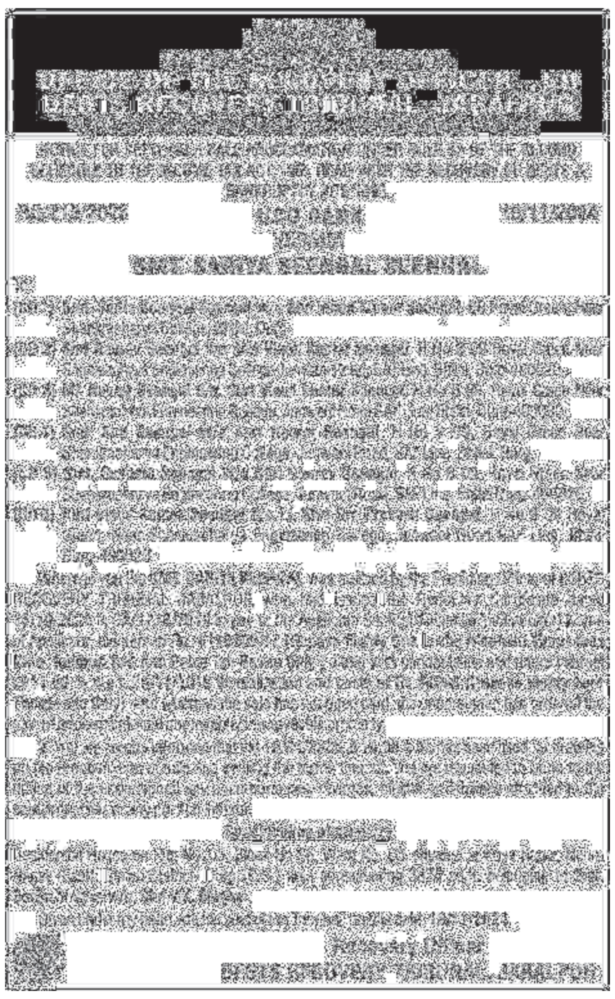

विरासत

छत्तीसगढ़ के महापुरुषों की गौरवगाथा

मुकुटधर पांडेय छत्तीसगढ़ के पहले साहित्यकार हैं, जिन्हें भारत सरकार द्वारा 1976 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया। उनकी कविता से छायावाद की शुरुआत मानी जाती है। उन्होंने प्रकृति का जैसा मानवीकरण किया, वैसा कहीं और देखने को नहीं मिलता। पं.मुकुटधर ने साहित्य की सभी विधाओं में रचना की और अपने स्वाध्याय से अंग्रेजी, बंगला, उड़िया भाषा में पढ़ना-लिखना सीखा। पांडेय जी ने सामाजिक मूल्यों के उत्थान-पतन को निकट से देखा और जाना था। अनेक कालजयी साहित्यिक कृतियों की रचना की। छत्तीसगढ़ की माटी ने मुकुटधर जी जैसे माटी पुत्र को जन्म दिया और उन्होंने सात दशक से भी अधिक समय तक साहित्य साधना से छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाया।

हिंदी साहित्य के 'मुकुट' धर पांडेय

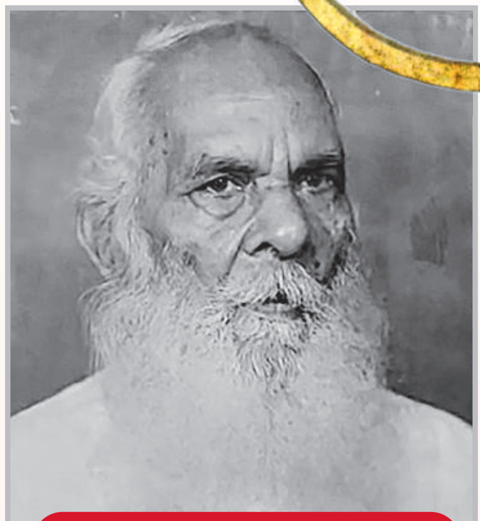
मुकुटधर पांडेय

परिवार से मिले साहित्य के संस्कार

छत्तीसगढ के तत्कालीन बिलासपुर जिले के बालपुर में जन्मे मुकुटधर पांडेय का नाम छायावाद के पहली पंक्ति के कवियों में शामिल है। 30 सितम्बर सन 1895 को संस्कृत के प्रकांड विद्वान पंडित चिंतामणि पांडेय के घर साहित्य का 'मुकुट' जन्मा। मुकुटधर जी अपने आठ भाइयों में सबसे छोटे थे। प्रारंभिक शिक्षा गांव में ही हुई मुकुटधर जी के भाईयों में पुरूषोत्तम प्रसाद, पद्मलोचन, चंद्रशेखर, लोचनप्रसाद, विद्याधर, वंशीधर, मुरलीधर थे बहनों में चंदनकुमारी, यज्ञकुमारी, सूर्यकुमारी और आनंद कुमारी थी। मुकुटधर जी के भाइयों में पंडित लोचन प्रसाद पाण्डेय जैसे हिन्दी के ख्यात साहित्यकार थे। घर में सबसे छोटे होने के कारण सभी का लाड़ दुलार बालक मुकुटधर को मिला। मुकुटधर जी के पिता चिंतामणि और पितामह शालिग्राम पांडेय जहां साहित्यिक अभिरूचि वाले थे वहीं माता देवहुति देवी धर्म और ममता की प्रतिमूर्ति थी। धार्मिक अनुष्ठान उनके जीवन का एक अंग था। अपने भाइयों के स्नेह सानिध्य में 12 साल की उम्र से ही मुकुटधर जी ने साहित्य सृजन शुरू किया। बाद में मुकुटधर जी ने रायगढ़ से मैट्रिक की परीक्षा पास की। उच्च शिक्षा के लिए 1916 में प्रथाग के क्रिश्चियन कॉलेज में प्रवेश लिया। विपरीत परिस्थितियों के कारण में शिक्षा अधूरी छोड़कर लौट आए तथा गांव में सन 1919 से 1931 तक अध्यापन करते हुए स्वतंत्र रूप से साहित्य रचना करने लगे।

छत्तीसगढ़ के गौरव

मुकुटधर जी, छत्तीसगढ़ के प्रथम साहित्यकार हैं जिन्हें भारत सरकार द्वारा ''पद्मश्री'' अलंकरण प्रदान किया गया है। मुकुटधर पांडेय जी मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ प्रदेश के गौरव हैं। सन 1909 में 14 वर्ष की उम्र में पांडेय जी की पहली कविता आगरा से प्रकाशित होने वाली पत्रिका 'स्वदेश बांधव में प्रकाशित हुई। सन 1919 में उनकी पहली कविता संग्रह 'पूजा के फूल' का प्रकाशन हुआ। पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित अनेक लेखों व कविताओं के साथ ही पांडेय जी की अनेक कृतियां प्रकाशित हुई -'पूजाफूल (1916), शैलबाला, लच्छमा (अनुवादित उपन्यास, 1917), परिश्रम (निबंध, 1917), हृदयदान (1918), मामा (1918), छायावाद और अन्य निबंध (1983), स्मृतिपुंज (1983), विश्वबोध (1984), छायावाद और श्रेष्ठ निबंध (1984) है। वहीं उन्होंने कालिदास के मेघदूत का 1984 में छत्तीसगढ़ी में अनुवाद किया। मुकुटधर जी की सरस्वती में प्रकाशित कविता 'कुररी के प्रति' को प्रथम छायावादी कविता माना गया एवं समस्त हिंदी साहित्य जगत ने इसे स्वीकार भी किया। भारत सरकार द्वारा सन 1976 में 'पद्मश्री' राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित किया गया। रविशंकर विश्वविद्यालय की तरफ से पांडेय जी को मानद डी लिट् की उपाधि प्रदान की गई।

कवि विमल पाठक और वरिष्ठ साहित्यकार डॉक्टर नलिनी श्रीवास्तव के साथ पांडेय जी

पत्नी रूपकुंवर जी और चचेरी बहन आधार देवी के साथ मुकुटधर जी

छायावाद के प्रवर्तक पांडेय जी

हिंदी साहित्य को जानने-समझने वालों के लिए 'छायावाद' एक ऐसा विषय रहा है, जिसकी परिभाषा एवं अर्थ पर आरंभ से आज तक अनेक साहित्य मनीषियों एवं साहित्यानुरागियों नें अपनी लेखनी चलाई है एवं लगातार लिखते हुए इसे पुष्ट करने के साथ ही इसे द्विवेदी युग के बाद से पुष्पित और पल्लवित किया है। छायावादी विद्वानों का मानना है कि 1918 में प्रकाशित जयशंकर प्रसाद की कविता संग्रह 'झरना' प्रथम छायावादी संग्रह था। इसके प्रकाशन के साथ ही हिंदी साहित्य जगत में द्विवेदीयुगीन भूमि पर हिंदी पद्य की शैली में बदलाव दिखने लगे। देखते ही देखते इस नई शैली की अविरल धारा साहित्य प्रेमियों के हृदय में स्थान पा गई। इस नई शैली के आधार स्तंभ जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, सुमित्रानंदन पंत और महादेवी वर्मा थे, लेकिन कहा जाता है कि इस नई शैली को साहित्य जगत में परिभाषित करने एवं नामकरण करने का श्रेय पंडित मुकुटधर पांडेय को जाता है। 1918 से लोकप्रिय हो चुकी इस शैली पर 1920 में जबलपुर से प्रकाशित पत्रिका 'श्री शारदा' में जब पंडित मुकुटधर पांडेय की लेखमाला का प्रकाशन शुरु हुआ। तब इस पर राष्ट्रव्यापी विमर्श हुआ और 'छायावाद' ने अपना सम्मान स्थापित किया। 'छायावाद' पर प्रकाशित लेखमाला व 'छायावाद' के संबंध में खुद पांडेयजी ने कहा कि –'1920 में 'छायावाद' का नामकरण हुआ और जबलपुर की 'श्री शारदा' में हिंदी में छायावाद शीर्षक से मेरी लेखमाला निकली। इसके पहले 1918 में जयशंकर प्रसाद जी का 'झरना' प्रकाशित हो चुका था, जो छायावादी कविताओं का प्रथम संग्रह था। मुकुटधर पांडेय न केवल एक महान लेखक और आलोचक थे, बल्कि वे एक उत्कृष्ट शिक्षक भी थे। उन्होंने अपने छात्रों और अनुयायियों को साहित्य के प्रति प्रेम और गहन अध्ययन के महत्व को समझाया। उन्होंने न केवल किताबों से, बल्कि व्यक्तिगत मार्गदर्शन से भी उन्हें प्रेरित किया। उनके कुछ शिष्यों ने बाद में हिंदी साहित्य में महत्वपूर्ण स्थान हासिल किया, और वे पांडेय जी के मार्गदर्शन का श्रेय उन्हें देते हैं। पांडेय जी ने बहुत साफगोई से एकबार कहा था कि मैने अपने भावों को शब्द दिया है, यह छायावाद है या कौन सा वाद है यह विद्वानों, विशेषज्ञों और साहित्य पंडितों का विषय है। पद्मश्री मुकुटधर पांडेय की सहजता और सरलता पर राष्ट्रीय साहित्य जगत काफी प्रभावित था। उनकी रचनाओं की प्रतिध्वनि बहुत ही मार्मिक थी। मुकुटधर पांडेयजी साहित्य-साधना की दृष्टि से धनी हैं.. अपने बडे भाई मुरलीधर पांडेय के साथ उन्होंने पूजा के फूल, शैल वाला, लच्छमा, माया, परिश्रम आदि कई पुस्तकें लिखीं। साथ ही गद्य की रचना भी की.. छायावादी कविता के बारे में पांडेय जी ने कई महत्वपूर्ण निबन्ध लिखे। अबाध गति से देश की सभी प्रमुख पत्रिकाओं में लगातार लिखते हुए पंडित मुकुटधर पांडेय ने हिंदी पद्य के साथ-साथ हिंदी गद्य पर भी अपना अहम योगदान दिया।

'प्राण प्रतीक्षारत लूटेंगें, मृत्यु-पर्व का सुख भरपूर'

पांडेय जी के अंतिम दिन भी संघर्षपूर्ण रहे। इस दौरान उन्हे आर्थिक तंगी और स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद पांडेय जी साहित्य साधना में रत रहें। पांडेय जी के निधन के बाद उनके कुछ अप्रकाशित लेख और रचनाएं भी सामने आईं, जो उनकी साहित्यिक धरोहर का हिस्सा बनीं। मुकुटधर पांडेय का जीवन संघर्ष, सादगी, और साहित्यिक साधना का प्रतीक था। उनका योगदान हिंदी साहित्य के इतिहास में अद्वितीय है, और उनकी अनसुनी कहानियां उनके व्यक्तित्व की गहराई को उजागर करती हैं। 90 वर्ष की उम्र तक हिंदी साहित्य के क्षेत्र में छायावादी परिवर्तन को स्थापित करा देनेवाले तेजोमय चिरयुवा का निधन 6 नवंबर 1997 में रायपुर में लंबी बीमारी के बाद हो गया। उन्होंने खुद ही अपनी एक कविता में महानदी से *अनुरोध करते हुए कहा था कि*

चित्रोत्पले बता तू मुझको वह दिन सचमुच कितना दूर, प्राण प्रतीक्षारत लूटेंगें, मृत्यु-पर्व का सुख भरपूर।

बेहद संवेदनशील प्रकृति के व्यक्ति

दादा जी बेहद संवेदनशील प्रकृति के व्यक्ति थे, फसल की कटाई के बाद उजड़ा हुआ खेत देखकर रो पड़ते थे। आज के समय में इतनी संवेदनाशीलता के बारे में सोचा भी नहीं जा सकता।

-शिवराज पांडेय
पांडेय जी के पोते

महिला शिक्षा का महत्व बताया

मैं पूरे घर में अकेली मैट्रिक पास बहू थी, इस बात से वे बहुत खुश थे और सभी को बड़े गर्व से बताते थे। महिला शिक्षा को वे समय की जरुरत मानते थे।

-मंजू पांडेय
मुकुटधर जी की बहू

पांडेय जी को सहारा देकर कार्यक्रम में ले जाते हुए छोटे बेटे दिवंगत प्रोफेसर दिनेश प्रसाद पांडेय

शांत और स्नेही स्वभाव

पारिवारिक जीवन में भी मुकुटधर जी बहुत ही शांत और स्नेही थे। व्यक्तिगत जीवन में भी वे अनुशासन का पालन पूरी तरह करते थे। पांडेय जी का व्यक्तिगत जीवन बहुत ही सादा और संयमित था। वे दिखावे से दूर रहते थे और अपने जीवन में सरलता और विनम्रता को महत्व देते थे। उन्होंने कभी भी अपनी विद्वता या ख्याति का दिखावा नहीं किया। बल्कि अपने काम से ही अपनी पहचान बनाई। उनके इस सादगीपूर्ण जीवन ने उन्हें अपने समकालीनों के बीच और भी प्रिय बना दिया।

हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि हम इस परिवार में जन्में

हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि हम इस परिवार में जन्में। बचपन से ही दाढ़ी बाबा के बारे में सुनते आए है। उस जमाने में उन्हें पद्मश्री मिली थी। हमारे पूरे परिवार के लिए गर्व की बात है।

-कृति पांडेय
पांडेय जी की पड़पोती

पांडेय जी की साहित्य साधना पर गर्व

पांडेय जी की साहित्य साधना पर हम सभी गर्व करते है और साथ ही प्रेरणा भी ग्रहण करते हैं। पांडेय जी ने हिंदी कविता को आगे बढ़ाकर छायावाद के रूप में प्रतिष्ठित करने का महत्वपूर्ण किया। इसके कारण उनका हिंदी साहित्य में अलग स्थान बना।

-बिहारी लाल साहू
वरिष्ठ साहित्यकार

inh न्यूज पर आज रात 7.55 बजे

पांडेय जी की रचनाओं में प्रकृति प्रेम

पांडेय जी संस्कृत के महान विद्वान और छायावाद के जनक माने जाते हैं। मुकुटधर जी का प्रकृति के प्रति गहरा लगाव उनकी रचनाओं में झलकता है, विशेषकर कुररी के प्रति उनके प्रकृति प्रेम का उल्लेखनीय प्रमाण मिलता है।

-डॉ. रमन सिंह, विस अध्यक्ष छत्तीसगढ़

गहन चिंतन से हिंदी साहित्य हुआ समृद्ध

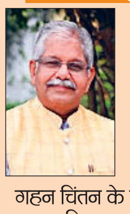

साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में मुकुटधर पांडेय जी का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण और अमूल्य है। सीमित संसाधनों के बावजूद, उन्होंने अपने अद्भुत साहित्यिक सृजन और गहन चिंतन के माध्यम से हिंदी साहित्य को समृद्ध किया। साहित्य और संस्कृति के उत्थान में उनका यह योगदान आज भी प्रेरणा का स्रोत बना हुआ है।

-धरमलाल कौशिक, वरिष्ठ विधायक

सृजनशीलता से हिंदी साहित्य को नई दिशा दी

गौरव की बात है कि छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध कवि मुकुटधर पांडेय जी का जन्म हुआ। वे न केवल एक महान कवि थे, बल्कि उनकी सृजनशीलता ने हिंदी साहित्य को नई दिशा और ऊर्जा प्रदान की। वे साहित्य प्रेमियों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं।

-अमर अग्रवाल, पूर्व मंत्री एवं विधायक

कालिदास के 'मेघदूत' का छत्तीसगढ़ी में अनुवाद

महाकवि कालिदास के 'मेघदूत' का छत्तीसगढ़ी में अनुवाद करने की पहल हो या छायावाद की शुरुआत, इन उपलब्धियों में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। मुकुटधर पांडेय छत्तीसगढ़ के पहले व्यक्ति थे जिन्हें पद्मश्री सम्मान से नवाजा गया।

-अनुज शर्मा, विधायक

पांडेय परिवार ने की साहित्य साधना

बाबू प्यारेलाल गुप्त से पांडेय जी की घनिष्ठता थी। पांडेय जी के परिवार की साहित्य साधना केवल हिंदी नहीं बल्कि अन्य भाषाओं में भी थी। भाषा साहित्य के क्षेत्र में पांडेय जी के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। मुझे बालपुर जाने का भी सौभाग्य मिला

-डॉ.रमेंद्र नाथ मिश्र
वरिष्ठ साहित्यकार

कई भाषाओं पर समान अधिकार

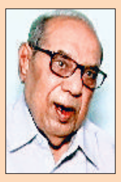

हिंदी, उड़िया और संस्कृत पर समान अधिकार था। उन्होंने कम लिखा लेकिन जो कुछ लिखा वो काफी सशक्त और यादगार रहने वाला था। पांडेय जी ने छायावादी कविताओं को स्थान दिलाया। उड़िया के उपन्यासों का हिंदी में अनुवाद किया। पांडेय जी के साहित्य ने जन के मन को छुआ।

-नंद किशोर तिवारी
वरिष्ठ साहित्यकार

मुझे मिलने का सौभाग्य मिला

मेरा सौभाग्य रहा है कि बचपन में ही मुझे साहित्यकारों से मिलने का मौका मिला। पीएचडी के लिए मिलना हुआ तो काफी आत्मीयता के साथ बातचीत की। कालिदास की कालजयी रचना मेघदूत का छत्तीसगढ़ी में अनुवाद किया। इसकी साहित्य जगत में काफी प्रशंसा हुई।

-डॉ नलिनी श्रीवास्तव
वरिष्ठ साहित्यकार

साहित्य में झलका महानदी से अटूट प्रेम

मुकुटधर पांडेय जी की प्रकृति और विशेषकर महानदी को लेकर अनुराग था। महानदी की प्राकृतिक सुंदरता से संपन्न तट और सहज ग्राम्य जीवन का रस लेते हुए कवि ने अपनी लेखनी को इन्ही रंगों में संजोया। पांडेय जी के काव्य में मानव प्रेम, प्रकृति सौंदर्य, करुणाजनित सहानुभूति, मानवीकरण, संयोग-वियोग, अव्यक्त सत्ता के प्रति जिज्ञासा और गीतात्मकता की प्रधानता रही है। व्यक्तिगत जीवन में पांडेय जी मिलनसार और कोमल हृदय के धनी थे। किसी की भी तकलीफ में उनके आंसू सहज ही निकल आते थे। उनके कोमल कवि हृदय की झलक उनके साहित्य सृजन पर भी दिखाई पड़ती है।

कितना सुंदर और मनोहर
महानदी यह तेरा रूप
कलकलमय निर्मल जलधारा
लहरों की है छटा अनूप
तुझे देखकर शैशव की है
स्मृतियां उर में उठती जाग
लेता है किशोर काल का
अंगड़ाई अल्हड़ अनुराग

सरल- सहज भाषा के पक्षधर: काव्य कला और भाषा के बारे में पांडेय जी के अपने निजी सिद्धांत थे। जिनके विषय में उन्होने एक जगह लिखा है कि –'बिना संस्कृत शब्दों की सहायता के हिन्दी का चलना मुश्किल है, पर उसे जहां बने संस्कृत के बड़े-बड़े शब्दों से जिनका कि मतलब समझाने में जनसाधारण को कठिनाई होती हो ,उससे बचाना चाहिए। साथ ही वह उर्दू- फारसी और अंग्रेजी के प्रचलित शब्दों को ले लें तो अच्छा है। ऐसे शब्दों का तत्सम और तद्भव जो रूप सर्वसाधारण में प्रचलित हो वही रूप रहने दिया जाना चाहिए'। मुकुटधर पांडेय की प्रकृति और व्यक्तित्व सरलता और सात्विकता से परिपूर्ण थी। वे जीवन भर साहित्य साधना में रत रहे। पांडेय जी में नाममात्र भी प्रदर्शन की भावना नहीं थी। उनका प्रकृति और ग्रामीण जीवन के लिए प्रेम सृजन में झलकता है। अपनी रचनाओं पर पांडेय जी ने एक जगह कहा है कि 'मेरी रचनाओं में चाहे लोग जो भी खोज लें परंतु वे विशुद्ध रूप से आंतरिक सहज अभिव्यक्ति मात्र है। मैंने कुछ अधिक लिखा नहीं, केवल कुछ स्फुट कविताएं लिखी हैं। उनमें न तो कल्पना की ऊंची उड़ान है न विचारों की उलझन, न भावों की दुरूहता। उनमें उर्दू की रचनाओं की तरह चुलबुलापन या बांकपन भी नहीं। ये रचनाएं सहज-सरल उद्गार मात्र हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई और पूर्व सीएम डीपी मिश्रा के साथ पांडेय जी

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रम्हवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com